आज का मौसम
42.8° अधिकतम तापमान
26.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.37
सूर्यास्त 06.44

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष दशमी 06:07 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2083

रविवार, 26 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 151, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ बंगाल में गरीबों की नहीं, अमीरों की मदद कर रहीं ममता : राहुल गांधी - 11

■ केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बोलीं- देश के शेयर बाजार का सफर लम्बा और उपलब्धियां विश्वस्तरीय - 12

■ जिस भी देश में आप रहते हैं उसके प्रति पूरा वफादार बनें : होसबाले - 13

■ कैच पकड़ने के प्रयास में लुंगी एनगिडी हुए चोटिल - 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, सीएआरआई एशिया के पोल्ट्री हब की गौरवगाथा व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

16 करोड़ की साइबर धोखाधड़ी का भंडाफोड़ दो फर्जी निदेशक पकड़े

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने म्यूल बैंक खातों और मुखौटा कंपनियों से जुड़े साइबर धोखाधड़ी को बढ़ावा देने वाले एक नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है और आठ दिनों के भीतर 16 करोड़ रुपये से अधिक के लेनदेन का पता लगाने के बाद दो फर्जी निदेशकों को गिरफ्तार किया है। म्यूल बैंक खाते ऐसे बैंक खाते होते हैं, जिन्हें दूसरों के नाम से खुलवाया जाता है और जिनका इस्तेमाल अवैध तरीके से अर्जित धन के लेनदेन के लिए किया जाता है। आरोपी सोनू और अमिंदर एक प्राइवेट कंपनी के फर्जी निदेशक के रूप में काम कर रहे थे।

अमेरिकी अधिकारियों से बिना मिले लौटे ईरानी विदेश मंत्री, अधर में वार्ता

अराघची ने पाकिस्तान को शर्तें सौंपी, ट्रंप ने अमेरिकी डेलिगेशन की यात्रा की रद्द

- ईरान के विदेश मंत्री ने पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा की

इस्लामाबाद, एजेंसी

अमरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की संघर्षविराम वार्ता अधर में पड़ती नजर आ रही है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शनिवार को पाकिस्तान के शीर्ष नेताओं के साथ चर्चा करने और युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए तेहरान की मांगों की सूची साझा करने के बाद इस्लामाबाद से रवाना हो गए, जिससे अमेरिका के साथ शांति वार्ता के दूसरे दौर के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है।

अराघची के पाकिस्तान से रवाना होते ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रप ने घोषणा की कि अमेरिकी वार्ताकार स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर अब ईरान के साथ वार्ता के लिए इस्लामाबाद नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा, हमारे पास सभी विकल्प मौजूद हैं। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट किया, मैंने ईरानियों से मिलने के लिए इस्लामाबाद जाने वाले अपने प्रतिनिधियों की यात्रा रद्द कर दी है। उन्होंने कहा, यात्रा में बहुत समय बर्बाद हो रहा है, काम का बोझ भी बहुत ज्यादा है! इसके अलावा, उनके नेतृत्व में भ्रम की स्थिति है। किसी को नहीं पता कि सत्ता किसके हाथ में है, यहां तक कि उन्हें भी नहीं। साथ ही, हमारे पास सारे विकल्प हैं, उनके पास एक भी नहीं! अगर वे बात करना चाहते हैं, तो उन्हें बस फोन करना है! शुक्रवार को इस्लामाबाद पहुंचे अराघची ने शनिवार को फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। एक बयान में प्रधानमंत्री शहबाज ने कहा कि उन्होंने क्षेत्रीय स्थिति पर विचारों का बेहद सौहार्दपूर्ण आदान-प्रदान किया। हमने पाकिस्तान-ईरान द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने सहित पारस्परिक हित के मुद्दों पर भी चर्चा की।

ईरान के विदेश मंत्री का स्वागत करते पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार।

नाकेबंदी जारी रही तो कड़ा जवाब देंगे : ईरान

तेहरान। ईरान की सेना ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी जारी रही, तो वह जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार और प्रतिबद्ध है। हजरत खातम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय ने कहा कि देश की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए ईरानी सशस्त्र बलों के पास अब पहले से कहीं अधिक शक्ति और तत्परता है।

ट्रंप ने ईरानी नेताओं की हत्या का किया समर्थन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने उनके देश के साथ समझौते के पक्ष में न होने वाले ईरानी नेताओं की हत्या का समर्थन किया है। वाशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार मार्क थीसेन ने 'एक्स' पर एक संदेश पोस्ट किया, जिसमें कहा गया है कि जो ईरानी नेता अमेरिका के साथ समझौते के पक्ष में नहीं हैं, उनकी हत्या कर दी जानी चाहिए। बाद में ट्रंप ने इस संदेश को ट्रुथ सोशल पर साझा किया। थीसेन के संदेश में कहा गया, अगर ईरान में दो धड़े हैं, जिनमें से एक समझौता चाहता है और दूसरा नहीं, तो समझौता न चाहने वाले नेताओं को हमें मार देना चाहिए। ट्रंप के इस संदेश को साझा किये जाने पर ईरान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने इसे 'गंभीर नैतिक पतन का प्रमाण' बताया।

अमेरिका में एच-1बी वीजा पर लग सकती है 3 साल तक रोक

वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिकी संसद में पेश किया गया विधेयक, भारतीयों की नौकरी पर खतरा
- वजह अमेरिकी कामगारों की जगह कम दाम में विदेशी कर्मी लाए जा रहे

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों के एक समूह ने कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में एच-1बी वीजा कार्यक्रम को तीन साल के लिए स्थगित करने संबंधी विधेयक पेश किया है। रिपब्लिकन सांसदों का तर्क है कि इस कार्यक्रम का दुरुपयोग करके अमेरिकी कामगारों की जगह कम दाम में विदेशी कर्मी लाए जा रहे हैं। एरिजोना से सांसद एली क्रेन ने 'एंड एच-1बी वीजा एब्यूज एक्ट ऑफ 2026' पेश किया, जिसे सात अन्य रिपब्लिकन सांसदों ने भी समर्थन दिया है।

विधेयक में एच-1बी कार्यक्रम में सुधारों का प्रस्ताव है, जिसमें वार्षिक सीमा को 65,000 से घटाकर 25,000 करना, न्यूनतम वेतन 2,00,000 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष निर्धारित करना और एच-1बी वीजा धारकों को आश्रितों को अमेरिका लाने की अनुमति नहीं देना शामिल है।

कांग्रेस सदस्य ब्रायन बैबिन, ब्रैंडन गिल, वेस्ली हंट, कीथ सेल्फ (सभी टेक्सास से), एंडी ओगल्स (टेनेसी से), पॉल गोसर (एरिजोना से) और टॉम मैक्लिंटॉक (कैलिफोर्निया से) ने विधेयक के मूल सह-प्रायोजक के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां विदेशी कर्मियों को नियुक्त करने के लिए बड़े पैमाने पर एच-1बी वीजा कार्यक्रम का उपयोग करती हैं। प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कर्मचारियों और चिकित्सकों सहित भारतीय पेशेवर, एच-1बी वीजा धारकों के सबसे बड़े समूहों में से एक हैं। इस विधेयक में एच-1बी कार्यक्रम में बदलाव प्रस्तावित हैं, जिनमें लॉटरी प्रणाली को वेतन-आधारित चयन प्रणाली से बदलना, नियोक्ताओं के लिए इस बात को प्रमाणित करना अनिवार्य किया गया है कि उन्हें कोई योग्य अमेरिकी कर्मचारी नहीं मिल पा रहा है और उन्होंने छंटनी नहीं की है, एच-1बी कर्मचारियों को एक से अधिक नौकरियां करने से रोकना और तृतीय-पक्ष भर्ती एजेंसियों द्वारा उन्हें रोजगार देने पर प्रतिबंध लगाना शामिल है।

भारतीयों कामगारों पर पड़ेगा असर

अमेरिका में काम करने वाले विदेशी श्रमिकों में सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है। इस बिल के अनुसार, जो लोग पहले से वहां हैं, उन्हें अपनी वीजा कैटेगरी बदलनी होगी या देश छोड़ना होगा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि जो भारतीय 20 साल से ग्रीन कार्ड के इंतजार में हैं, उनके लिए यह बिल एक संवैधानिक संकट खड़ा कर सकता है। यह बिल न केवल वीजा रोकने की बात करता है, बल्कि पूरी प्रक्रिया को बदलने का प्रस्ताव देता है। अगर यह रोक लागू होती है, तो वर्तमान में अमेरिका में रह रहे हजारों भारतीयों को या तो तुरंत देश छोड़ना होगा या फिर अपनी वीजा स्थिति बदलकर छात्र वीजा जैसे विकल्पों को अपनाना होगा।

न्यूज ब्रीफ

प्रो. केवी राजू बने नीति आयोग के सदस्य

लखनऊ, अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आर्थिक सलाहकार प्रोफेसर केवी राजू को नीति आयोग का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंजूरी के बाद गई है। यह नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने से मान्य होगा। अशोक कुमार लाहिड़ी को नीति आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जबकि राजीव गौबा, प्रो. केवी राजू, प्रो. गोबर्धन दास, प्रो. अभय करंदीकर और डॉ. एम. श्रीनिवास को भी पूर्णकालिक सदस्य बनाया गया है।

पॉलीटेक्निक में आवेदन की अंतिम तिथि 30

लखनऊ, अमृत विचार : संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलीटेक्निक)–2026 के ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया जारी है। आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। परिषद के सचिव संजीव कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन शुल्क सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 300 रुपये प्रति ग्रुप तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए 200 रुपये प्रति ग्रुप निर्धारित किया गया है। एक अभ्यर्थी अधिकतम तीन ग्रुप में आवेदन कर सकता है।

स्कूल चलो अभियान में मई से विशेष नामांकन

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए योगी सरकार ने 'स्कूल चलो अभियान' को मिशन मोड में लागू कर दिया है। सरकार का लक्ष्य है कि 6 से 14 वर्ष तक का कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे। इसी क्रम में 1 मई से प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत झुग्गी–झोपड़ियों, श्रमिक बस्तियों और ईंट–भट्ठों में रहने वाले बच्चों को चिन्हित कर उनका विद्यालयों में नामांकन कराया जाएगा।

कर निरीक्षक के घर पर गोली चली

हल्द्वानी, अमृत विचार : सुभाषनगर इलाके में शनिवार रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब नगर निगम में कार्यरत कर निरीक्षक डुंगर सिंह परमार के घर पर गोली चला दी गई। उस वक्त डुंगर सिंह अपने पोते के साथ घर के सामने टहल रहे थे। गोली से उनके घर की खिड़की का शीशा टूट गया। गनीमत रही कि इस दौरान किसी को गोली नहीं लगी। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लेते हुए पिस्टल बरामद कर ली है। डुंगर सिंह ने बताया कि, घर के बाहर टहलते समय सामने की ओर से अचानक आए एक व्यक्ति ने उनकी तरफ गोली चलाई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी का पास के ही एक युवक से लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था।

गो–आश्रय स्थलों में बढ़ती गर्मी से बचाव को करें पुख्ता इंतजाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वाटर मिस्टिंग सिस्टम, कूलर की हो व्यवस्था : मुकेश मेश्राम
- भूसा दान अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील

अमृत विचार : प्रदेश में बढ़ती गर्मी और लू को देखते हुए राज्य सरकार ने सभी गो-आश्रय स्थलों में पशुओं की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और सभी व्यवस्थाएं तत्काल प्रभाव से लागू की जाएं।

पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम ने बताया कि गो-आश्रय स्थलों में गर्मी से बचाव के लिए वाटर मिस्टिंग सिस्टम, कूलर, पंखे और पर्याप्त छायादार व्यवस्था अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। साथ ही पशुओं के लिए स्वच्छ पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि इन उपायों से भीषण गर्मी के दौरान पशुओं को सुरक्षित रखा जा सकेगा और उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सरकार ने संभावित चारा संकट को देखते हुए गो-आश्रय स्थलों में हरा चारा और भूसा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। इसके लिए चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर वहां हाइब्रिड नेपियर घास की बुआई कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि लंबे समय तक चारे की उपलब्धता बनी रहे।

भूसा दान अभियान में प्रदेश के कई जनपद सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। अन्य जनपदों से भी इसमें भागीदारी बढ़ाने की अपील की गई है। जिलाधिकारियों द्वारा कई स्थानों पर अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं। जौनपुर में भूसा दान करने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमाण पत्र वितरित किए गए हैं।

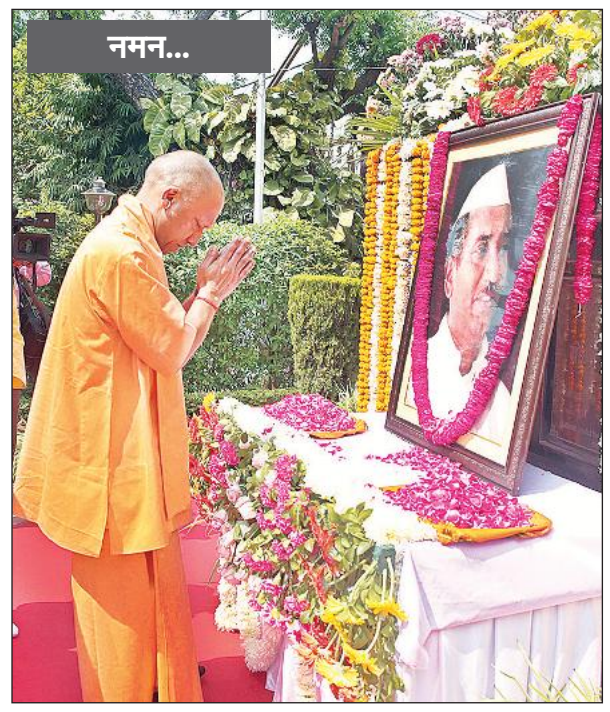

लखनऊ में हेमवती नंदन बहुगुणा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते मुख्यमंत्री योगी।

हेमवती नंदन बहुगुणा राजनीति के महत्वपूर्ण स्तंभ थे : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर मुख्यमंत्री ने किया नमन

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर उन्हें भारतीय राजनीति का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। उन्होंने योजना भवन स्थित बहुगुणा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान बहुगुणा ने सक्रिय भागीदारी की, जिसके चलते उन्हें ब्रिटिश शासन में जेल भी जाना पड़ा। आजादी के बाद 1952 के पहले आम चुनाव में वे उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए और बाद में प्रदेश सरकार में मंत्री तथा मुख्यमंत्री के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बहुगुणा ने केंद्र सरकार में भी विभिन्न मंत्रालयों में कार्य करते हुए देश की सेवा की। उनका राजनीतिक जीवन और विकास का दृष्टिकोण आज भी प्रासंगिक है और वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, अमरेश कुमार, विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

गंगा एक्सप्रेस-वे बनकर तैयार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 को हरदोई से करेंगे सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश सरकार की रणनीति और यूपीडा की सख्त मॉनिटरिंग से तय समय में पूरा हुआ प्रोजेक्ट

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश का महत्वाकांक्षी गंगा एक्सप्रेस-वे अब लोकार्पण के लिए पूरी तरह तैयार है। करीब 594 किलोमीटर लंबा यह मेगा एक्सप्रेस-वे 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरदोई से देश को समर्पित किया जाएगा। लगभग 37 हजार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह परियोजना देश के सबसे बड़े और लंबे एक्सप्रेस-वे में शामिल है।

राज्य सरकार की रणनीतिक योजना और उप्र. एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की प्रभावी मॉनिटरिंग के चलते इस परियोजना को तय समयसीमा में पूरा किया गया है। निर्माण कार्य को गति देने के लिए इसे चार पैकेज में विभाजित किया गया, जिससे अलग-अलग एजेंसियों ने समानांतर रूप से काम करते हुए तेजी से प्रगति सुनिश्चित की।

चारों पैकेज में पहले की लंबाई 129.70 किमी, दूसरे की 151.70 किमी, तीसरे की 155.70 किमी और चौथे की 156.847 किमी निर्धारित की गई। प्रत्येक पैकेज पर करीब नौ से 9.5 हजार करोड़ रुपये तक का निवेश हुआ। मल्टी-पैकेज मॉडल के कारण निर्माण कार्य में तेजी आई और समय-सीमा का प्रभावी पालन संभव हो सका। राज्य सरकार के अनुसार, गंगा एक्सप्रेस-वे केवल यातायात सुविधा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे एक आर्थिक कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी, यात्रा समय में कमी आएगी और लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी।

परियोजना के साथ इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित किए जाएंगे, जिससे औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। माना जा रहा है कि यह एक्सप्रेस-वे प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

1270 करोड़ से 10 जिलों में विकसित होंगी 15 परियोजनाएं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बिल्डर निर्मित करेंगे 3102 आवासीय व व्यावसायिक इकाइयां
- रेरा ने लखनऊ, मुरादाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, बदायूं, गाजियाबाद समेत अन्य जिलों को दी मंजूरी

रेरा के लखनऊ मुख्यालय पर बैठक करते अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी। अमृत विचार

अमृत विचार : लखनऊ, मुरादाबाद, मेरठ, बदायूं, गाजियाबाद, वाराणसी, प्रयागराज, मुज्जफरनगर, गौतमबुद्ध नगर व गोरखपुर में 3,102 आवासीय, व्यावसायिक एवं मिश्रित इकाइयां विकसित की जाएंगी। बिल्डर परियोजनाओं पर 1270 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करेंगे। शनिवार को लखनऊ मुख्यालय में अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित 201वीं प्राधिकरण की बैठक में 15 परियोजनाएं स्वीकृत की गईं। विकसित इकाइयों में भूखंड, विला, फ्लैट, कॉलोनी, दुकान, कॉम्पलेक्स आदि खरीदारों को राहत मिलेगी।

निवेश के मामले में गौतमबुद्ध नगर अग्रणी रहा। 507.77 करोड़ लागत की दो परियोजना में 380 आवासीय व 169 व्यावसायिक इकाइयां निर्मित की जाएंगी। लखनऊ में सबसे अधिक चार परियोजनाओं को स्वीकृति मिली। बिल्डरों द्वारा 90.77 करोड़ से 330 आवासीय व 348 व्यावसायिक इकाइयां विकसित की जाएंगी। इससे राजधानी में आवासीय व व्यावसायिक ढांचा और मजबूत होगा।

मुरादाबाद में 335.77 करोड़ लागत की एक व्यावसायिक परियोजना में 627 आवासीय इकाइयां, बदायूं में 72 करोड़ की एक आवासीय परियोजना में 226 आवासीय इकाइयां, वाराणसी में 36.68 करोड़ लागत की एक आवासीय परियोजना में 98 आवासीय इकाइयां, मेरठ में 20.25 करोड़ लागत की एक आवासीय परियोजना में 76 आवासीय इकाइयां विकसित करने को मंजूरी दी गई। इसी तरह प्रयागराज में 31.19 करोड़ की एक आवासीय परियोजना में 99 आवासीय इकाइयां, मुजफ्फरनगर में 12.37 करोड़ की एक आवासीय परियोजना में 127 आवासीय इकाइयां, गाजियाबाद में 122.18 करोड़ की एक व्यावसायिक परियोजना में 330 व्यावसायिक इकाइयों के साथ गोरखपुर में 41.50 करोड़ लागत की एक व्यावसायिक परियोजना में 292 व्यावसायिक इकाइयों का निर्माण करने की स्वीकृति दी गई।

ट्रिपिंग स्वीकार्य नहीं, हर हाल में दें निर्बाध बिजली : शर्मा

अमृत विचार, लखनऊ/वाराणसी : प्रदेश में बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सख्त रुख अपनाते हुए ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी क्षेत्र में विद्युत ट्रिपिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्बाध और सुचारु विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री वाराणसी दौरे के दौरान सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वाराणसी जैसे प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन नगर में बिजली व्यवस्था उच्च स्तर की होनी चाहिए। साथ ही, अंडरग्राउंड केबलिंग कार्य में तेजी लाने और बढ़ती मांग के अनुरूप योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने पर जोर दिया, ताकि भविष्य में उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। एके शर्मा ने निर्देश दिया कि एक किलोवाट तक के घरेलू कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं की बिजली नेगेटिव बैलेंस होने पर भी एक माह तक नहीं काटी जाएगी।

सर्वोदय विद्यालयों का यूपी बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) के परीक्षा परिणामों में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता का नया मानक स्थापित किया है। हाईस्कूल में इन विद्यालयों का परिणाम 99.19 प्रतिशत और इंटरमीडिएट में 99.03 प्रतिशत दर्ज किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, यह सफलता गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर संसाधनों और अनुशासित वातावरण का परिणाम है। सरकार द्वारा स्मार्ट क्लास, प्रशिक्षित शिक्षकों की तैनाती और आधुनिक प्रयोगशालाओं जैसी सुविधाओं ने छात्रों के प्रदर्शन को नई दिशा दी है।

गाजियाबाद के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय, निडौरी की छात्राओं ने विशेष उपलब्धि हासिल की। इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग में अंजली पुंडीर ने 88.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में चौथा स्थान प्राप्त किया, जबकि अंशिका ने 87.40 प्रतिशत अंक के साथ छठा स्थान हासिल किया।

अलीगढ़ हादसे की जांच को तीन सदस्यीय समिति गठित

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अलीगढ़ में पाइपलाइन मरम्मत कार्य के दौरान हुए हादसे का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। इस दुर्घटना में एक श्रमिक की मौत हो गई थी। शासन की ओर से मृतक के परिजनों को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि घटना की जांच के लिए अपर नगर आयुक्त की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति बनाई गई है, जिसमें अधिशासी अभियंता (निर्माण) और कर निर्धारण अधिकारी को सदस्य नामित किया गया है। समिति को तीन दिन के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

गन्ने की फसल पर कीटों का खतरा बढ़ा

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में गन्ना किसानों के लिए उत्तर प्रदेश गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग ने अंकुर बेधक (अर्ली शूट बोरर) और चोटी बेधक (टॉप बोरर) कीट के बढ़ते प्रकोप को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, कई चीनी मिल क्षेत्रों में इन कीटों की प्रथम पीढ़ी का असर दिखाई देने लगा है, जिससे फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है।

अपर मुख्य सचिव वीना कुमारी मीना ने बताया कि अप्रैल से जून के बीच यह कीट तेजी से सक्रिय रहते हैं। ऐसे में किसानों को फसल की नियमित निगरानी करनी होगी, ताकि समय रहते नियंत्रण किया जा सके। विभाग के अनुसार, यह कीट गन्ने की गोंफ को अंदर से नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे बीच की पत्तियां सूख जाती हैं और पौधा कमजोर हो जाता है।

गाजीपुर में बलात्कार, हत्या के मामले में बयानबाजी तेज

लखनऊ, एजेंसी

- सपा और कांग्रेस ने इस मुद्दे पर भाजपा को घेरा

गाजीपुर जिले में एक नाबालिग लड़की से कथित तौर पर बलात्कार और हत्या के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। सपा और कांग्रेस ने इस मुद्दे पर भाजपा को घेरते हुए कहा कि उसे सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। इस बीच पुलिस-प्रशासन ने मामले में त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिया है।

गाजीपुर के करंडा थाना क्षेत्र के कटारिया गांव में कुछ दिन पहले विश्वकर्मा समाज की एक लड़की से कथित तौर पर दुष्कर्म और हत्या का मामला सामने आया था। सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि वह 29 अप्रैल को कटारिया गांव पहुंचकर पीड़िता के परिवार से मुलाकात करेंगे। शनिवार को सपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने गाजीपुर की घटना का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि पीड़ित परिवार पर दबाव बनाया जा रहा है। यादव ने कहा कि एक पिता की बेटी की जान चली गई और उसे लालच देने के लिए भाजपा के नेता वहां पहुंचे हैं, पुलिस भी मौजूद है।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी गाजीपुर जाकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और उनकी बात सुनने की मंशा रखती है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि यह पता लगाया जाना चाहिए कि कौन लोग पीड़ित पक्ष पर दबाव बना रहे हैं और पुलिस की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए इस बीच शनिवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश के ग़ाज़ीपुर में विश्वकर्मा समाज की एक बेटी के साथ बलात्कार और निर्मम हत्या, और फिर परिवार को प्राथमिकी दर्ज कराने से रोकने के लिए धमकियां, हिंसा। उन्होंने कहा कि जिस देश और प्रदेश में मां-बाप को अपनी बेटी की प्राथमिकी लिखवाने के लिए भीख मांगनी पड़े, उस देश की सरकार को सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं। दोषी पुलिस अफसरों पर कार्रवाई हो, परिवार को सुरक्षा मिले, उच्च स्तरीय जांच हो और तुरंत न्याय मिले। वहीं प्रियंका गांधी वाद्रा ने अपने आधिकारिक एक्स पर इसी मामले पर लिखा कि गाजीपुर में एक लड़की की हत्या के मामले में पहले केस दर्ज होने में आनाकानी, फिर पीड़ित परिवार को धमकियां मिलना यह दिखाता है कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार चरम पर है।

डीएम और एसपी परिजनों से मिले, आरोपी को सजा दिलाने का भरोसा दिया

इस बीच वाराणसी जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पीयूष मोर्डिया ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि गाजीपुर जिले के करंडा थाना क्षेत्र में 14–15 अप्रैल की रात एक लड़की गायब हो गई थी और सुबह लगभग साढ़े पांच बजे यहां से तीन किलोमीटर दूर गंगा नदी के पुल के पास उसका शव मिला। उन्होंने कहा कि परिजन की तरफ से मिली तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई और मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि डीएम अनुपम शुक्ला और एसपी डॉ. इराज राजा ने परिजनों से मिलकर आरोपी हरिओम पांडेय को सजा दिलाने का भरोसा दिया है। इधर, राज्यसभा सदस्य डॉ. संगीता बलवंत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर अखिलेश यादव को पीड़ित परिवार से मिलने से रोकने की मांग की। उन्होंने कहा कि दुख की घड़ी में राजनीति करना अक्षम्य है और सपा नेताओं के आने से पहले पत्थरबाजी हो चुकी है। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने बताया कि मृतका के पिता ने हत्यारे को कठोर सजा देने की मांग की है और पुलिस कार्रवाई से संतुष्ट हैं।

छात्र की पिटाई के आरोप में प्रधानाध्यापक गिरफ्तार

सुलतानपुर। जिले में एक प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक को पहली कक्षा के छात्र की डंडे से पिटाई करने के आरोप में शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

छात्र के अनुसार उसका अपने सहपाठी सौरभ से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर सौरभ ने अपनी मां को स्कूल बुला लिया। छात्र का आरोप है कि मां की शिकायत के बाद प्रधानाध्यापक ने दोपहर में शिवांश की डंडे से पिटाई कर दी। शिवांश के पिता विकास शर्मा लखनऊ में रहते हैं, जबकि वह वर्तमान में अपनी पढ़ाई के लिए टिकरिया गांव में अपने नाना-नानी के साथ रह रहा है। शिकायत मिलने के बाद आरोपी प्रधानाध्यापक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

वेतन बढ़ाने की मांग पर श्रमिकों–पुलिस में झड़प

संवाददाता, रुद्रपुर

- सिडकुल में पुलिस ने लाठी फटकारी, धक्कामुक्की

अमृत विचार: नोएडा की तरह औद्योगिक आस्थान सिडकुल में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर वी गार्ड कंपनी के श्रमिकों ने शनिवार सुबह कार्य बहिष्कार कर गेट के बाहर जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने श्रमिकों को समझाने की कोशिश की तो दोनों पक्षों में झड़प और धक्कामुक्की हो गई। पुलिस ने उग्र श्रमिकों को लाठी फटकारकर खदेड़ने का प्रयास किया लेकिन श्रमिक धरना प्रदर्शन पर अड़े रहे।

शुक्रवार सुबह कंपनी के काफी संख्या में श्रमिकों ने गेट के बाहर आकर कार्य बहिष्कार कर वेतन वृद्धि का मुद्दा उठाया था। उनका दावा था कि भारत सरकार ने न्यूनतम वेतन वृद्धि 21 हजार करने का शासनादेश जारी किया है, जिसे धरातल पर उतारा जाए। काफी समझाने के बाद भी श्रमिक नहीं माने और पूरी रात फैक्ट्री गेट पर ही डटे रहे। शनिवार सुबह श्रमिकों ने फिर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना पर तहसीलदार दिनेश कुटोला, सीओ पंतनगर डीआर आर्या और थाना पंतनगर नंदन सिंह रावत भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

तैयारी | जिला स्तरीय वर्गों को परिणामोन्मुखी बनाने के दिए गए निर्देश

कार्यकर्ताओं की भूमिका पर भाजपा का जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रशिक्षण महाभियान से संगठन को मिलेगी मजबूती: पंकज चौधरी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी।

अमृत विचार: भाजपा के 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026' को लेकर संगठनात्मक गतिविधियां तेज हो गई हैं। राजधानी स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शनिवार को आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक में प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि प्रशिक्षण महाभियान संगठन को मजबूत बनाने का प्रभावी माध्यम है। प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाते हैं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने जिला स्तर पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण वर्गों को सुव्यवस्थित और परिणामोन्मुखी बनाने के निर्देश दिए। कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका है, इसलिए प्रशिक्षण को सतत प्रक्रिया के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा एक कैडर आधारित और अनुशासित संगठन है, जिसकी मजबूती का आधार प्रशिक्षित कार्यकर्ता हैं। प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं की नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक समझ विकसित होती है। बैठक में मंडल स्तर पर अब तक हुए प्रशिक्षण वर्गों की समीक्षा की गई और आगामी जिला स्तरीय कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा हुई। संगठनात्मक मजबूती, वैचारिक विकास और प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री व प्रशिक्षण महाभियान के संयोजक एमएलसी अनूप गुप्ता ने किया। इस दौरान प्रदेश पदाधिकारी, क्षेत्रीय प्रभारी, जिला अध्यक्ष, प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी तथा आईटी व सोशल मीडिया से जुड़े कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

आज का मौसम
42.8° अधिकतम तापमान
26.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.37
सूर्यास्त 06.44

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष दशमी 06:07 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2083

रविवार, 26 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 151, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ प्रधान न्यायाधीश बोले-न्यायपालिका पर भरोसा बनाए रखना हमारा दायित्व - 11

■ आप अब पहले जैसी पार्टी नहीं रही: स्वाति मालीवाल - 11

■ सिंधिया ने की एमपी में अडाणी के 25 सौ करोड़ के रक्षा उपकरण संयंत्र की घोषणा - 13

■ मौजूदा चैंपियन अल्काराज चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटे - 14

बंगाल में मां काली और दुर्गा की पूजा करने से कोई नहीं रोक सकता : योगी

बंगाल में गरजे मुख्यमंत्री, कहा- 4 मई को टीएमसी के गुंडों को नहीं मिलेगी छिपने की जगह

- ममता दीदी की चिंता, हिंदू अधिक हुए तो सड़कों पर कैसे होगी इफ्तारी

राज्य ब्यूरो,लखनऊ/नादिया

पश्चिम बंगाल में नादिया जिले के नबद्वीप विधान सभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में उम्मीदवारों के साथ मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : पश्चिम बंगाल दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दो-टूक कहा कि ममता दीदी ने इसीलिए सीएए का विरोध किया था, क्योंकि उन्हें चिंता है कि हिंदू ज्यादा हो गए तो सड़कों पर इफ्तारी कैसे होगी। उन्होंने राज्य में अराजकता, माफियाराज और भ्रष्टाचार के लिए टीएमसी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि प्रदेश की जनता अब बदलाव चाहती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले चरण के मतदान में हुई घटनाओं से स्पष्ट है कि टीएमसी लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास नहीं करती। आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं और प्रत्याशियों पर हमले हुए, लेकिन आगामी चार मई को परिणाम आने के बाद टीएमसी के गुंडों को छिपने की जगह नहीं मिलेगी। नदिया जिले के नबद्वीप विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को भाजपा उम्मीदवार श्रुति शेखर गोस्वामी के समर्थन में आयोजित जनसभा को मुख्यमंत्री संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'डबल इंजन सरकार' की वकालत करते हुए कहा कि इससे विकास कार्यों को गति मिलेगी और बंगाल को टेरर, माफियाराज और करप्शन से मुक्ति मिलेगी।

मतदाताओं से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील करते हुए दावा किया कि चुनाव परिणाम के बाद पूरे राज्य में केसरिया झंडा लहराएगा। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने नबद्वीप की आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए चैतन्य महाप्रभु को नमन किया और कहा कि बंगाल की पहचान उसकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं से जुड़ी रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल में ममता दीदी दुर्गा पूजा, मूर्ति विसर्जन और हिंदुओं का विरोध करती हैं। जयश्रीराम बोलने पर प्रतिबंध लगाती हैं। योगी ने कहा कि मां काली और मां दुर्गा की पूजा को कोई नहीं रोक सकता और इसके खिलाफ जनआंदोलन खड़ा होगा। भीषण गर्मी के बावजूद सभा में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही और समर्थकों ने योगी-योगी के नारे लगाए।

सीएम ने कहा- टीएमसी ने बंगाल के सामने पहचान का संकट खड़ा किया

सीएम योगी ने कहा कि बंगाल ने भारत को सब कुछ दिया, फिर भी उसके साथ खूब छल हुआ। बंगाल की धरा पर जन्मे संतों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, समाज सुधारकों, वैज्ञानिकों व अन्य विभूतियों का नाम लेकर उनके प्रति श्रद्धा निवेदित की। उन्होंने कहा कि एक समय नबद्वीप और बंगाल ने भारत को पहचान दी, लेकिन आज उस बंगाल के सामने स्वयं पहचान का संकट खड़ा हुआ है। बंगाल में लैंड, सैंड, कैटल माफिया हावी हैं। टीएमसी के गुंडे दिल्ली से भेजे गए पैसे हड़प जाते हैं, लेकिन अब बंगाल जाग गया है। यहां कटमनी, अराजकता का खेल समाप्त होगा।

देश में सबसे गर्म बांदा, पारा 47.4 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है और शनिवार को पारा 47 डिग्री के पार पहुंच गया है। मौसम विभाग ने शनिवार को अधिकतम तापमान वाले देश के 41 शहरों की लिस्ट जारी की। इसमें यूपी के 14 शहर शामिल हैं। लिस्ट में बांदा देश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां का तापमान 47.4सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है।

इसके बाद प्रयागराज में 45.5 डिग्री, वाराणसी में 45 डिग्री और झांसी में 44.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। राजधानी लखनऊ में अधिकतम तापमान 42.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.8 डिग्री अधिक है। लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में रविवार को आसमान साफ रहने का अनुमान है तथा अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 44 और 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि नजीबाबाद को छोड़कर, जहां अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री सेल्सियस रहा, राज्य के अन्य अधिकांश हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र में लू चलने की आशंका काफी अधिक है। साथ ही प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम शुष्क रहने और कुछ स्थानों पर गर्म रातें रहने का अनुमान जताया गया है।

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का प्रकोप

- 14 शहरों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पार

60 जिलों में चली लू

मौसम विभाग के मुताबिक आज 60 जिलों में लू चली। लोग चेहरा ढककर और छाता लेकर ही घर से निकले। काशी में घाटों पर सन्नाटा पसरा रहा। घाटों पर पर्यटकों के न आने के चलते नाविकों ने सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालन बंद कर दिया। आगरा और कानपुर में सड़कों पर नगर निगम पानी की बौछारें डाल रहा है, ताकि राहगीरों को दिक्कत न हो।

ब्रीफ न्यूज

आसनसोल में टीएमसी गुंडों की पिटाई से कांग्रेस समर्थक की गई जान

आसनसोल। पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा की पहली घटना में तृणमूल कांग्रेस समर्थक गुंडों ने कांग्रेस समर्थक देबदीप चटर्जी की पिटाई कर दी थी, जिससे शनिवार को उनकी मौत हो गई। आसनसोल उत्तर लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार प्रसेनजीत पुइतुंडी और अन्य पार्टी समर्थकों ने शव के साथ विरोध प्रदर्शन किया और आसनसोल दक्षिण पुलिस चौकी का घेराव किया। पुइतुंडी ने आरोप लगाया कि चुनाव हारने के डर से, निराश तृणमूल गुंडों ने शुक्रवार रात देबदीप चटर्जी पर उनके घर के बाहर उस समय हमला किया, जब वह अकेले घर लौट रहे थे। शनिवार तड़के अपने घर में आंतरिक और बाहरी चोटों के कारण उनकी मृत्यु हो गयी।

ईसी ने कहा- बंगाल में पहले चरण में रिकॉर्ड 93.19 % हुआ मतदान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 93 .19 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो राज्य में अब तक का सबसे अधिक मत प्रतिशत है। निर्वाचन आयोग ने शनिवार को यह जानकारी दी। आयोग ने कहा कि पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को 16 जिलों के 152 विधानसभा क्षेत्रों में हुआ, जिसमें कुल 3 .61 करोड़ मतदाताओं में से 3 .36 करोड़ ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। इसने कहा कि मतदान करने वालों में 1.65 करोड़ महिलाएं और 1.71 करोड़ पुरुष थे। सबसे अधिक मतदान कूच बिहार जिले में 96 .2 प्रतिशत दर्ज किया गया, उसके बाद दक्षिण दिनाजपुर में 95 .44 प्रतिशत और मालदा में 94 .79 प्रतिशत मतदान हुआ।

अवैध नियुक्ति के जरिए 22 वर्षों से नौकरी कर रहा शिक्षक बर्खास्त

बलिया। जिले के एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में पिछले 22 वर्षों से कार्यरत एक शिक्षक का अवैध चयन पाए जाने के बाद सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। बीएसए मनीष कुमार सिंह ने बताया कि नगरा शिक्षा क्षेत्र के बाराडीह लवाईपट्टी गांव स्थित कंपोजिट विद्यालय में तैनात शिक्षक सुनील कुमार को विभागीय जांच के बाद बर्खास्त किया गया है। उन्होंने बताया कि हरिंद्र प्रसाद ने पिछले वर्ष 28 जून को शिकायत दर्ज कराई थी कि किड़िहरापुर निवासी सुनील कुमार की नियुक्ति अवैध तरीके से हुई है।

तीन दुकानों में लगी भीषण आग, व्यापारी जिंदा जला

घाटमपुर। दीना मार्केट की तीन दुकानों में शनिवार भोर पहर साढ़े तीन बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि एक दुकानदार की जिंदा जलकर मौत हो गई। वहीं उसके पांच परिजन गंभीर रूप से झुलस गए हैं। पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियों ने आग पर काबू पाया और घर में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। दीना मार्केट की तीन दुकानों में शनिवार भोर पहर साढ़े तीन बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि एक दुकानदार की जिंदा जलकर मौत हो गई।

नीति आयोग का पुनर्गठन, अशोक कुमार लाहिड़ी बने वाइस चेयरमैन

नई दिल्ली, एजेंसी

- केवी राजू, एम श्रीनिवास, अभय करंदीकर गोबर्धन दास और राजीव गौबा सदस्य नियुक्त

नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष को बधाई देते मोदी।

सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन करते हुए अशोक कुमार लाहिड़ी को वाइस चेयरमैन तथा पांच पूर्णकालिक सदस्यों की नियुक्ति की है, जिनमें अर्थशास्त्री केवी राजू, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक एम श्रीनिवास और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अभय करंदीकर शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाहिड़ी और वैज्ञानिक गोबर्धन दास और पूर्व कैबिनेट सचिव राजीव गौबा सहित नए पूर्णकालिक सदस्यों को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नीति आयोग भारत की नीतिगत संरचना में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरा है, जो सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने, सुधारों को आगे बढ़ाने और जीवन सुगमता को प्रोत्साहित करने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा, यह विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और दीर्घकालिक रणनीतिक सोच के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है। प्रधानमंत्री नीति आयोग के चेयरमैन हैं। नियुक्ति के बाद लाहिड़ी ने शनिवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की। लाहिड़ी चार दशक से अधिक के अनुभव वाले वरिष्ठ अर्थशास्त्री हैं। वह वर्तमान में पश्चिम बंगाल से भाजपा के विधायक हैं और भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार तथा 15वें वित्त आयोग के सदस्य रह चुके हैं। वह राज्य में जारी विधानसभा चुनावों में प्रत्याशी नहीं हैं। केवी राजू प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य हैं और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार भी हैं। अभय करंदीकर वर्तमान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव हैं। इससे पहले वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के निदेशक रह चुके हैं। गोबर्धन दास भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल के निदेशक हैं। इससे पहले वह नयी दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'मॉलिक्यूलर मेडिसिन' के विशेष केंद्र में प्रोफेसर और अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे।

प्रधानमंत्री की परिकल्पना के अनुरूप नीति, नियत और निष्ठा से करेंगे काम : लाहिड़ी

लाहिड़ी ने कहा कि वह प्रधानमंत्री की परिकल्पना के अनुरूप नीति, नियत और निष्ठा के साथ पूरी ईमानदारी और नेक इरादों से इस महत्वपूर्ण पद पर काम करेंगे। उन्होंने कहा, हम इन तीनों में सफल होंगे। दास ने भी नीति आयोग के सदस्य के रूप में सेवा का अवसर देने के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा, आज मेरे जीवन का बहुत महत्वपूर्ण दिन है। मैं पश्चिम बंगाल के एक दूरस्थ गांव के साधारण किसान परिवार से हूं।

धोखाधड़ी मामले में रहेजा डेवलपर्स के खिलाफ छापेमारी की

नई दिल्ली। ईडी ने घर खरीदारों से धोखाधड़ी से जुड़े मामले में रियल एस्टेट कंपनी रहेजा डेवलपर्स के परिसरों पर शनिवार को छापेमारी की। इस कार्रवाई के तहत दिल्ली-एनसीआर में करीब सात परिसरों पर छापे मारे जा रहे हैं। एजेंसी ने ऐसी ही जांच के तहत जून 2025 में भी कंपनी के परिसरों पर छापा मारा था। उन्होंने कहा कि कंपनी की परियोजना 'रहेजा रेवांता' में घर खरीदारों से धोखाधड़ी करने और फ्लैट नहीं दिए जाने के मामले में यह छापेमारी की जा रही है। कंपनी ने हालांकि इस परियोजना में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या धोखाधड़ी से इनकार किया है।

पंजाब किंग्स ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा कर दिल्ली कैपिटल्स को हराया

- लोकेश राहुल का विस्फोटक शतक काम न आया

नई दिल्ली। लोकेश राहुल की नाबाद 152 रन की पारी के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल के बड़े स्कोर वाले टी20 मैच में शनिवार को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ सात गेंद शेष रहते छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कैपिटल्स ने दो विकेट पर 264 रन बनाए, लेकिन टीम के लचर क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए पंजाब किंग्स ने सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की 26 गेंदों में 76 और कप्तान श्रेयस अय्यर की 36 गेंदों में नाबाद 71 रन की पारी से 18 .5 ओवर में चार विकेट पर 265 रन बनाकर सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने का नया रिकॉर्ड कायम कर अपना अजेय अभियान जारी रखा। मौजूदा सत्र में यह टीम की सात मैचों में छठी जीत है।

(संबंधित खेल पेज पर)

खीरी में बाघ ने महिला को मार डाला

संवाददाता, निघासन (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार : सिंगाही थाना क्षेत्र के गांव सहिंजना में शनिवार देर रात एक मकान पर चल रहे निर्माण कार्य देखने गई महिला पर बाघ ने हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में भय का माहौल है।

गांव सहिंजना निवासी माता प्रसाद अपने घर के पूर्व दिशा में नया मकान बनवा रहे थे। शनिवार रात करीब 10:50 बजे निर्माण कार्य के लिए ट्रॉली से मिट्टी गिराई जा रही थी। इसी दौरान उनकी पत्नी सोमवती (25) काम देखने के लिए पहुंची थीं। क्षेत्र में जंगल और खेतों की नजदीकी के कारण जंगली जानवरों की हलचल बनी रहती है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जैसे ही सोमवती निर्माण स्थल के पास पहुंचीं, पहले से घात लगाए बैठे बाघ ने अचानक उन पर झपट्टा मार दिया। बाघ ने उनकी गर्दन दबोच ली और उन्हें घसीटते हुए ले जाने लगा। अचानक हुए हमले से मौके पर मौजूद लोग घबरा गए, लेकिन हिम्मत जुटाकर उन्होंने शोर मचाया और लाठियां लेकर बाघ की ओर दौड़े। लोगों की आवाज सुनकर बाघ शव को कुछ दूरी पर छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने तत्काल सोमवती को उठाया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

'शीश महल' विवाद था दिल्ली हार की वजह : चड्ढा

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- आप में काम करने की कोई जगह नहीं बची

आप छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने शनिवार को कहा कि पार्टी छोड़ने वाले नेताओं ने डर के कारण नहीं, बल्कि संगठन के प्रति बढ़ती निराशा, मोहभंग और घृणा के कारण ऐसा किया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास से जुड़े शीश महल विवाद का जिक्र करते हुए चड्ढा ने दावा किया कि यह विवाद 2025 के दिल्ली चुनावों में आप की हार का एक मुख्य कारण था। जिस भी सच्चे देशभक्त ने बड़ी उम्मीद के साथ अपने खून-पसीने से आप को सींचा था, वह या तो पार्टी छोड़ चुका है या छोड़ने की प्रक्रिया में है।

होमगार्ड भर्ती : दो लाख ने छोड़ी परीक्षा अभ्यर्थी और तीन शिक्षक गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

बरेली कॉलेज में परीक्षार्थियों की जांच करते पुलिसकर्मी।

- यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की होमगार्ड एनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा
- प्रदेश के 74 जिलों के 1053 परीक्षा केंद्र पर आयोजित थी परीक्षा

अमृत विचार: यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा होमगार्ड एनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा तीन दिन में होनी है। शनिवार को पहले दिन प्रदेश के 74 जिलों के 1053 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में 2,08,210 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। शनिवार को कुल 8,44,066 अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होना था, लेकिन कुल 6,35,856 ने ही परीक्षा दी। परीक्षा शुचिता को प्रभावित करने के प्रयास में एटा में एक अभ्यर्थी व कानपुर नगर में तीन सहायक शिक्षकों को गिरफ्तार किया गया है।

भर्ती बोर्ड के अधिकारी के अनुसार शनिवार को सकुशल परीक्षा संपन्न करा ली गई है। रविवार व सोमवार को आयोजित होनी है। इसके लिए बोर्ड पूरी तरह से तैयार है। बोर्ड के अधिकारी के अनुसार एटा के डीएवी इंटर कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थी हाथरस निवासी तेजवीर सिंह जाली प्रवेश पत्र पर परीक्षा देने पहुंचा। जांच में सामने आया कि प्रवेश पत्र पर अनुक्रमांक, परीक्षा का समय, उपस्थिति का समय व अन्य जानकारी गलत है। छात्र को पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया।

सुप्रीम आदेश | स्वास्थ्य सेवाओं पर सुप्रीम कोर्ट गंभीर, कहा– राज्य तीन हफ्तों में बनाएं एक्शन प्लान

आईसीयू के लिए एक समान हों मानक, कार्ययोजना करें तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे आईसीयू (गहन चिकित्सा इकाइयों) के लिए न्यूनतम मानकों को लागू करने के संबंध में एक वास्तविक और व्यावहारिक कार्ययोजना तैयार करें।

शीर्ष अदालत को बताया गया कि गहन चिकित्सा सेवा की आपूर्ति करने वाले और संगठनों के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं, इनपर सहमति बन गई है। ये व्यावहारिक, कार्यान्वयन योग्य तथा आईसीयू के लिए न्यूनतम मानकों के रूप में आवश्यक हैं। न्यायमूर्ति एहसानुद्दीन अमीनुल्ला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि इन दिशानिर्देशों की प्रतियां सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजी जानी चाहिए। पीठ ने 20 अप्रैल के अपने आदेश में कहा, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख अतिरिक्त मुख्य सचिव/सचिव सभी संबंधित विशेषज्ञों की बैठक बुलाएं ताकि दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन के लिए एक कार्ययोजना तैयार की जा सके। यह योजना वास्तविक व व्यावहारिक होनी चाहिए। शीर्ष अदालत स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर रही थी।

पांच बुनियादी जरूरतों की पहचान कर प्राथमिकता दें

पीठ ने कहा कि शुरुआती चरण में पांच बुनियादी जरूरतों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता दी जाए। इनमें मानव संसाधन, प्रशिक्षित स्टाफ, उपकरण, लॉजिस्टिक्स और जरूरी ढांचे से जुड़े मुद्दे शामिल होंगे। साथ ही इन मानकों के पालन और निगरानी के लिए स्पष्ट व्यवस्था भी बनाई जाए। अदालत ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया तुरंत शुरू होनी चाहिए और पहली बैठक एक सप्ताह के भीतर आयोजित की जाए। संबंधित अधिकारी इस बैठक में व्यक्तिगत रूप से शामिल हों। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा तैयार रिपोर्ट भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग सचिव को भेजी जाएगी, जो उसे सभी राज्यों के साथ साझा करेंगे। इसके बाद एक संयुक्त बैठक कर अंतिम साझा मसौदा तैयार किया जाएगा।

भविष्य की जरूरतों को देखते हुए नर्सिंग स्टाफ को करें प्रशिक्षित

सुनवाई के दौरान, सुझाव दिया गया कि भविष्य की जरूरतों को देखते हुए, नर्सिंग स्टाफ को विभिन्न स्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए, क्योंकि वे मरीज के साथ 24 घंटे रहते हैं, जबकि चिकित्सक समय-समय पर ही आते हैं। पीठ ने कहा, हम इस सुझाव का पूरी तरह समर्थन करते हैं, जो न केवल व्यावहारिक है, बल्कि अत्यंत आवश्यक भी है। लिहाजा, इंडियन नर्सिंग काउंसिल और पैरा मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया को प्रतिवादी के रूप में इस मामले में शामिल किया जाता है।

थार ने मारी टक्कर, बुजुर्ग की मौत

ऑटो चालक की हालत गंभीर, दो अन्य सवारियों भी हुई घायल, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, कैंट

अमृत विचार : थाना कैंट क्षेत्र के बुखारा फरीदपुर मार्ग पर स्थित मिर्जापुर में शुक्रवार शाम को एक बेकाबू थार कार ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो में बैठे एक व्यक्ति की मौत हो गई और चालक घायल हो गया। ऑटो में बैठी दो अन्य सवारियों को भी चोटें आई हैं। ऑटो चालक के पिता ने कैंट थाने में शनिवार को आरोपी कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने कार तथा क्षतिग्रस्त ऑटो रिक्शा को कब्जे में लिया है।

मृतक ओमकार

थाना क्षेत्र के चनेहटी प्रकाश कॉलोनी निवासी जगदीश प्रसाद ने बताया, कि उनका पुत्र अमन कुमार ऑटो रिक्शा चलता है। शुक्रवार शाम को वह कैंट के गांव इचौरिया से तीन सवारियां लेकर बुखारा की तरफ जा रहा था। कैंट के बुखारा की तरफ से आ रही तेज रफ्तार थार कार ने अनियंत्रित होकर ऑटो में जबरदस्त टक्कर मार दी। जिसमें उनका पुत्र अमन कुमार तथा मिर्जापुर निवासी 60 वर्षीय ओमकार गंभीर घायल हो गए। दो अन्य सवारियां भी घायल हो गईं। सभी घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया गया। जहां ओमकार को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अमन की हालत नाजुक बनी है। जगदीश प्रसाद का कहना है, कि थार कार के चालक बहुत अधिक शराब पी रखी थी। वह नशे में था। पति की मौत से पत्नी सोमवती तथा अन्य परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

भीषण टक्कर के बाद क्षतिग्रस्त हुआ ऑटो ● अमृत विचार

खंभे से टकराई बाइक, युवक की जान गई

बहेड़ी, अमृत विचार : नैनीताल रोड पर डंडिया गांव के पास शादी समारोह से लौट रहे एक युवक की हादसे में मौत हो गई। किसी तेज़ रफ्तार गाड़ी के पास से गुज़रने पर इस युवक की बाइक अनियंत्रित होकर खम्बे से टकरा गई, जिससे बाइक सवार के सिर में चोट आई, और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। युवक के पास हेलमेट था, लेकिन उसने उसे बाइक में टांग रखा था। यह हादसा सुबह का बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक 112 को डंडिया के पास एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। वहां एक युवक का शव सड़क किनारे पड़ा था। उसकी आगे से क्षतिग्रस्त बाइक भी वहीं पड़ी थी, माना जा रहा है कि उसकी रफ़्तार तेज़ थी, और पास से कोई तेज़ रफ़्तार वाहन निकलने से उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई, और खम्बे से टकरा गई। मृतक की शिनाख्त नौगवां गुरभोज के विशाल (35)के रूप में हुई, और वह उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर में रहता है। बताते हैं रात जोखनपुर में एक शादी के कार्यक्रम में शिरकत करने आया था। पुलिस ने शव का पंचनामा भर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चर्चा चल रही थी कि बाइक पर विशाल के साथ एक और युवक था, जिसको भी चोटे आई हैं। इंस्पेक्टर, बहेड़ी दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि मृतक के साथ किसी और के होने की कोई जानकारी सामने नहीं आई है, अलबत्ता यह चर्चा हो रही थी कि उसके साथ वाले युवक का उत्तराखंड में इलाज चल रहा है।

ट्रक की चपेट में आए बाइक सवार, एक ने तोड़ा दम

भुता, अमृत विचार : बरेली बीसलपुर मार्ग पर शनिवार रात ट्रक की चपेट में आए बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। जहां एक ने रास्ते में दम तोड़ दिया। बरेली बीसलपुर मार्ग पर बीसलपुर से बरेली की ओर जा रहे बाइक सवार युवक रात में लगभग नौ बजे कैलाश पुल के पास ट्रक की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त हुई कि दोनों युवक बाइक समेत उछलकर दूर जा गिरे और गंभीर घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही क्राइम इंस्पेक्टर योगेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को बरेली अस्पताल भिजवाया। घायल सुनील निवासी बनखंडी गोसाई गोटिया थाना बारादरी व सर्वजीत पुत्र नरेश निवासी हरैया थाना बिलसंडा, पीलीभीत के निवासी हैं। जिसमें से सर्वजीत ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया अचानक हुई मौत पर घर परिवार में भारी कोह राम मचा है। इंस्पेक्टर ने बताया कि ट्रक और क्षतिग्रस्त बाइक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। घायलों में जिसमें एक सर्वजीत की मृत्यु हो गई है।

दहेज की मांग को लेकर तोड़ा रिश्ता

देवरनियां, अमृत विचार : सगाई में 55 लाख रुपये खर्च करने के बाद अब 20 लाख रुपये की मांग को पूरी नहींकरने पर लड़के वालों ने रिश्ता तोड़ दिया। मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव वसुपुरा निवासी सगीर अहमद ने शिकायती पत्र में बताया कि उन्होंने बेटी की शादी तौफीक खान पुत्र सगीर खान निवासी तिलियापुर थाना सीबीगंज में तय की थी। सगाई के समय लगभग 55 लाख रुपए खर्च किए थे जिसमें तौफीक के परिजनों को 20 लाख रुपए, पांच बाइकें, एक कार, सोने, चांदी के जेवर व अन्य सामान दिया था। लेकिन तौफीक के परिजन इससे खुश नहीं थे और 20 लाख रुपए और मांगने लगे। सगाई में दी गई कार उसकी बेटी के नाम है जो तौफीक चला रहा है। तौफीक के परिवार द्वारा शादी से इनकार करने के बाद सगीर मोहम्मद ने दहेज का मुकदमा दर्ज कराया है। एसएसपी के आदेश पर यह केस दर्ज किया गया है।

ट्रेन से टकराने से सांड की मौत

बिशारतगंज, अमृत विचार: आनंद विहार से कामाख्या जा रही ट्रेन शनिवार सुबह बिशारतगंज रेलवे स्टेशन से रनथ्रू गुजर रही थी तभी पूर्वी क्रॉसिंग के समीप अचानक एक सांड रेलवे ट्रैक पर आ गया। सांड एक्सप्रेस ट्रेन से टकराकर मौके पर ही मौत हो गई।

बरात जाने से पहले दूल्हे की संदिग्ध मौत पेड़ से लटका मिला शव

- पिता ने जताई है हत्या की आशंका
- रात दो बजे तक परिजन के साथ जमकर किया डांस

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार: थाना शाही क्षेत्र के सुभाष नगर में शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। जिस घर से शाम 6 बजे बारात निकलनी थी, उसी घर के दूल्हे का शव सुबह आम के पेड़ से लटका मिला। घटना से पूरे गांव और परिजनों में कोहराम मच गया।

मृतक देवेन्द्र

मृतक की पहचान देवेंद्र कुमार मौर्य के रूप में हुई है, जिसकी बारात नवाबगंज तहसील के गांव उधन्नापुर जानी थी। घर में शादी की तैयारियां जोरों पर थीं और दूर-दूर से रिश्तेदार भी आ चुके थे। शुक्रवार रात तक घर में खुशी का माहौल था। देवेंद्र ने रात करीब 2 बजे तक परिजनों के साथ डीजे पर नाच-गाना किया, इसके बाद वह सोने चला गया।

शनिवार सुबह जब परिजन उसे जगाने पहुंचे तो वह कमरे में नहीं मिला। घबराए परिजनों ने खोजबीन शुरू की। कुछ देर बाद घर से करीब 500 मीटर दूर साप्ताहिक बाजार के पास एक आम के पेड़ पर उसका शव लटका मिला। यह दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शव लगभग छह फीट की ऊंचाई पर था और पैर जमीन से मुड़े हुए थे, जिससे आत्महत्या को लेकर संदेह पैदा हो रहा है। मृतक के पिता रामदास मौर्य ने बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि देवेंद्र का किसी से कोई विवाद नहीं था और वह ऐसा कदम नहीं उठा सकता। उन्होंने बताया कि मेरे बेटे के हाथ में शादी का कंगन था और हाथों में मेहंदी भी लगी और उसने दो दिन पहले ही अपनी पसंद का कोट-पैंट खरीदा था। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी देवेश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। परिवार में मातम पसरा हुआ है।

आयुष्मान आरोग्य मलेरिया कैंप लगाया

दुनका : प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हल्दी कला में विश्व मलेरिया दिवस पर आयुष्मान आरोग्य मलेरिया कैंप लगाया गया। जिसमें ग्रामीणों को मलेरिया रोग से बचने के लिए जागरूक किया गया। 18 बुखार के मरीजों की मलेरिया जांच की गई।

योगी की फोटो से छेड़छाड़, मुकदमा

फरीदपुर अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की फोटो के साथ छेड़छाड़ करने और टिप्पणी करने वाले व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। हिज़ाम के नगर महा मंत्री गौरव श्रीवास्तव, करन कश्यप, प्रवीण कुमार सुमित ठाकुर आकाश राठौर, राहुल, राम भजन, आदि की शिकायत पर मोहल्ला मिर्धान कस्बा निवासी रिजवान हुसैन पर केस दर्ज किया गया है।

शिकायत करने पर मिठाई विक्रेता ने की मारपीट

संवाददाता, बिशारतगंज

अमृत विचार: पिन्नी खाने से महिलाओं के बीमार होने की शिकायत खाद्य विभाग से करने से नाराज मिठाई विक्रेता ने कार्यक्रम में शामिल होने गई महिला को शनिवार को इतना पीटा कि उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पीडित्र के पति ने मामले की तहरीर दी है।

शुक्रवार को वार्ड नंबर 8 निवासी अभिषेक गोस्वामी के घर पिन्नी कार्यक्रम में महिलाएं व्रत रखकर सुबह पहुंची। इसमें शामिल महिलाएं पिन्नी खाने के एक घंटे बाद बीमार होने लगी थी। यह जानकारी मिलते ही अभिषेक ने खाद्य विभाग व थाने को सूचना दी। सूचना पर खाद्य विभाग ने मिठाई की दुकान से सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिया था। इस कार्यक्रम में रेखा साहू भी शामिल हुई थी। शनिवार को सुबह वह पति कृष्ण पाल के साथ मिठाई दुकानदार धर्मपाल साहू की दुकान के सामने से निकल रही था।

तभी धर्मपाल ने कृष्णपाल को रोक कर उसकी पत्नी को बुरा भला कहा। दोनों मारपीट पर उतारू हो गये। इस दौरान धर्मपाल की पत्नी ने कृष्ण पाल की पत्नी से मारपीट की तो वह घायल हो गई। उसे मझगवां ब्लाक में भर्ती कराया गया।

अस्पताल में भर्ती रेखा।

न्यूज डायरी

मीरगंज में अधिवक्ताओं का सम्मान

मीरगंज, अमृत विचार : बार एसोसिएशन मीरगंज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अशोक उपाध्याय व उनकी कार्यकारिणी सदस्यों का शाल ओढ़ाकर और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम बसपा नेता ओमपाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के महासचिव हरीश लाखा, उपाध्यक्ष धर्मवीर, अरविंद (प्रथम), सह सचिव, प्रेमपाल मौर्य, राजवीर सिंह, कोषाध्यक्ष मोर सिंह, ऑडिटर अरविंद (द्वितीय) सहित कई पदाधिकारी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे। इनमें हरपाल सिंह, ओमपाल शर्मा, कुंवर सेन यदुवंशी, रामवीर सिंह, सतीश चंद्र, मुराद बेग, रईस अहमद, नसीमुल खान, देवेश शर्मा, इरशाद अंसारी, महनाज अंसारी, इरशाद सैफी, रामबहादुर, संजीव कुमार, अरुण गंगवार, अवनीश गंगवार, राजपाल सिंह और अभय गंगवार आदि रहे।

गौशाला को निरीक्षण को पहुंचे उप कृषि निदेशक

शेरगढ़, अमृत विचार : मां उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय ने क्षेत्र की शरीफ नगर गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने गौशाला के रखरखाव, पशुओं की देखभाल, रखरखाव पंजिका आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान गौशाला संचालक रामपाल गंगवार ने उन्हें गौशाला संबंधी समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने ग्राम पंचायत भवन में आयोजित किसान आईडी कैंप का निरीक्षण किया। जिसमें किसानों की फार्मर आईडी बनाने में आ रही समस्याओं तथा उन्हें दूर करने संबंधी निर्देश दिए। इस दौरान भूमि अभिलेख की वजह से किसान आईडी न बन पाने के बारे में किसानों ने अपनी समस्याएं उप कृषि निदेशक के सामने रखीं। वहीं भूअभिलेख सही कराने में आ रही परेशानियों के बारे में भी अवगत कराया गया। उप कृषि निर्देशक द्वारा तहसील में वार्ता कर समस्याओं का समाधान कराने को आश्वस्त किया। इस अवसर पर पंचायत सहायक अरविंद मौर्य, प्रगतिशील किसान वीर सिंह गुर्जर, तेजपाल गंगवार, सीएससी संचालक नूर हसन के साथ ही अन्य किसान उपस्थित रहे।

हस्तशिल्प सेवा केन्द्र ने जागरूकता कार्यक्रम किया

मीरगंज अमृत विचार : हस्तशिल्प सेवा केन्द्र द्वारा बी. एड. विभागान्तर्गत शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सहायक निदेशक हस्तशिल्प पुलकित जैन ने बताया कि हस्तशिप हेतु व्याजरहित, सब्सिडी युक्त धनराशि सरकार द्वारा मुहैया कराई जा रही है। हस्तशिल्प के लिए 455 उत्पाद सूची सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई है। लाभार्थी उत्पाद तैयार कर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्लेटफार्म से विक्री कर सकते हैं। राज्य पुरुस्कार प्राप्त फारुख अहमद, कुमारी मंजू, वन्दना राठौर तथा जुबेर अख्तर द्वारा अपने हस्तशिल्प निर्माण का प्रदर्शन किया गया। अन्त में विभाग प्रभारी डॉ. रमा जैन ने स्मृति और धन्यवाद स्वरुप स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर आदित्य कुमार मल, प्रदीप सिंह, कौशल कुमार, नवीन कुमार, मधुरेश भ्रमर, डॉ. महिपाल सिंह, विकास पाण्डेय, डॉ. रागिनी मिश्रा, दीप्ति मिश्रा, फूल सबा आदि मौजूद रहे। संचालक डॉ. अभिषेक च्यवन ने किया।

जीआईसी पैगा का परिणाम रहा शत प्रतिशत

देवरनियां, अमृत विचार : राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पैगा रिछा के विधार्थियों द्वार एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार तीसरी वर्ष भी परिणाम शत प्रतिशत रहा। इस उपलब्धि पर विधार्थियों का सम्मान किया गया। कॉलेज की प्रधानाचार्या नैन्सी गुप्ता के अनुसार हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में छात्रा जौहरा फातिमा ने प्रथम, इफरा बी द्वितीय और सोनी बी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जबकि इंटर में राहेबी ने प्रथम, राजदा बी ने द्वितीय और शीबा बी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हाईस्कूल के मेधावी

मनीषा पाण्डेय 89 .66 % मिशन एकेडमी

सक्षम, 86 .16, % मिशन एकेडमी

शिवम मौर्या 85 .16 % मिशन एकेडमी, बहेड़ी

रिजा नाज 75% किशोर चन्द्र कन्या इंटर कालेज

अक्षरा सिंह, 86 .83 % केसीजीं कालेज फरीदपुर

आस्था 88 .5 % किशोर चन्द्र कन्या इंटर कालेज

नीता, 86 .6% किशोर चन्द्र कन्या इंटर कालेज

काशिश, 85 .5 % किशोर चन्द्र कन्या इंटर कालेज

प्रियांशी, 87 .16% किशोर चन्द्र कन्या इंटर कालेज

संध्या, 85 .5% किशोर चन्द्र कन्या इंटर कालेज

सोनम, 87 .3 % किशोर चन्द्र कन्या इंटर कालेज

मीनाक्षी, 91 % मिशन एकेडमी, बहेड़ी

निहारिका 88 .5% गीतांजलि इंटर कॉलेज, बहेड़ी

ऋषिका 85 % गीतांजलि इंटर कॉलेज, बहेड़ी

प्रमोद 82 .8% गीतांजलि इंटर कॉलेज, बहेड़ी

माहिन 86 .1% मोती माधव हायर सेकेण्डरी स्कूल

इंटर के मेधावी

वेद प्रकाश 83 .4% साई दत्ता राम इंटर कालेज बहेडी

तनिष्का 83 .4% साईदत्ता राम इंटर कालेज

रितु 83 .2% एसएसटी कालेज क्योलड़िया

दिव्या 83% एसएसटी कालेज क्योलड़िया

रामचंद्र 73 .4 % गीतांजलि इंटर कॉलेज, बहेड़ी

सुमित 72 % गीतांजलि इंटर कॉलेज, बहेड़ी

विकास 78 .6% गीतांजलि इंटर कॉलेज, बहेड़ी

अनुष्का 83% एसएसटी कॉलेज क्योलड़िया

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more 9582831744, 9258116087 8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

अमृत विचार Lifelines OF BAREILLY MEDICAL
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :- बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
8077344353 समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

जीवनी बोन एण्ड हैल्थ क्लीनिक
डा. विनय गंगवार
एमबीबीएस (एएमयू), डी. आर्थो (एएमयू), डीएनबी आर्थो (दिल्ली) डीआईपी, फीफा (स्पोर्टस मेडिसिन)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
कूल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण, दूरबीन विधि द्वारा घुटने का इलाज (ACL/PCL Tear) गठिया एवं समस्त जोड़ों के दर्द का इलाज, सियाटिका/कमर दर्द का इलाज, फिजियोथेरेपी, प्लास्ट एवं टूटी हड्डी (फ्रैक्चर) के समस्त ऑपरेशन (Arthoscopic)
डा. आंचल अग्रवाल
एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन) सीसीईबीडीएम, सीसीओपीएम (पीएचएफआई)
फीजिशियन
शुगर एवं ब्लड प्रेशर, खांसी, सांस में दर्द, भूख न लगना, उल्टी एवं दस्त की बीमारी, माइग्रेन का इलाज, पैरों में सूजन, पीलिया/काला पीलिया का इलाज, टीवी, गुर्दे में दिक्कत, कोलेस्ट्रॉल चेकअप, बुखार (डेंगू, टाइफाइड, मलेरिया)
ओपीडी समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक
बंसल इंटीरियर के सामने, 6-ए, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, बरेली मो. 6396640323

लोक दर्पण

सीएआरआई

एशिया के पोल्ट्री हब की गौरवगाथा

बरेली का नाम आते ही अक्सर जहन में झुमका या सुरमा आता है, लेकिन वैश्विक पटल पर बरेली की एक और पहचान है। केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई)। इज्जतनगर स्थित यह संस्थान भारतीय पोल्ट्री उद्योग की रीढ़ है। 1939 में एक छोटी सी इकाई से शुरू हुआ यह सफर आज एशिया के सबसे बड़े कुक्कुट अनुसंधान केंद्र के रूप में तब्दील हो चुका है। यहां की मिट्टी में विज्ञान और किसान का वो संगम है, जिसने भारत को अंडा और मांस उत्पादन में दुनिया के अग्रणी देशों की कतार में खड़ा कर दिया है। *–रतन सिंह गुर्जर*

विरासत का सफर- 1939 की एक इकाई से 1979 का महासंस्थान

सीएआरआई की नींव वास्तव में 11 मार्च 1939 को रखी गई थी। जब भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के भीतर पोल्ट्री रिसर्च नामक एक छोटी सी इकाई खोली गई। उस समय किसी ने नहीं सोचा था कि यह छोटा सा विभाग एक दिन पूरे महाद्वीप का मार्गदर्शक बनेगा। 1970 के दशक तक आते-आते, इस विभाग की प्रतिष्ठा इतनी बढ़ गई कि यूनाइटेड नेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम (यूएनडीपी) ने यहां सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पोल्ट्री साइंस की स्थापना में सहयोग किया। 1971 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने देश में संगठित कुक्कुट अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक समन्वित शोध परियोजना शुरू की थी। इसी पहल ने आगे चलकर एक समर्पित राष्ट्रीय संस्थान की जरूरत को मजबूत किया। अंतत 2 नवंबर 1979 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने इसे एक स्वतंत्र पूर्ण संस्थान का दर्जा दिया। आज यह संस्थान न केवल शोध करता है, बल्कि एवियन आनुवंशिकी (एवियन जेनेटिक्स), ब्रीडिंग और पोषण के क्षेत्र में वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है।

सीएआरआई का लक्ष्य उन्नत शोध के माध्यम से पोल्ट्री क्षेत्र को ग्रामीण स्वावलंबन का आधार बनाना है। हम "सिर्फ मादा चूजे" और "क्लाइमेट-रेजिलिएंट" नस्लों जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, ताकि किसानों की लागत घटे और उपभोक्ताओं को सुरक्षित व उच्च गुणवत्ता वाला पोषण मिल सके।

– डॉ. जगबीर सिंह त्यागी
कार्यवाहक निदेशक, केंद्रीय पक्षी अनुसंधान बरेली

सिर्फ मादा चूजे- पोल्ट्री जगत की सबसे बड़ी वैज्ञानिक क्रांति

वर्तमान में पोल्ट्री उद्योग के सामने सबसे बड़ी नैतिक और आर्थिक चुनौती नर चूजों का प्रबंधन है। लेयर फार्मिंग (अंडा उत्पादन) में नर चूजे किसी काम के नहीं होते और उन्हें नष्ट कर दिया जाता है। सीएआरआई इस समय इन-ओवो सेक्सिंग और जेंडर-स्पेसिफिक तकनीक पर काम कर रहा है। वैज्ञानिकों का लक्ष्य ऐसे अंडे विकसित करना है जिनसे केवल मादा चूजे ही पैदा हों। यह शोध सफल होने पर चूजों को नष्ट करने की क्रूरता खत्म होगी। फीड (चारे) की बर्बादी रुकेगी। किसानों की लागत में 40 प्रतिशत तक की कमी आएगी। यह तकनीक न केवल भारत बल्कि वैश्विक पोल्ट्री बाजार के लिए गेम चेंजर साबित होगी।

नस्लों का संसार- कैरीप्रिया से कैरी रेनब्रो तक की कहानी

सीएआरआई ने मुर्गियों की ऐसी प्रजातियां विकसित की हैं जो किसी करिश्मे से कम नहीं हैं। यहां की ब्रीडिंग लैब में वैज्ञानिकों ने अपनी बरसों की मेहनत से मुर्गियों की ऐसी सुपर नस्लें तैयार की हैं। जो आज देशभर के पोल्ट्री व्यवसाय के लिए एक मिसाल बन गई हैं।

सुनहरे भविष्य की सोनाली और प्रिया

संस्थान की कैरी सोनाली ने 1997 में जब दस्तक दी, तो भूरे रंग के अंडों की मांग पूरी तरह बदल गई। साल भर में 280 अंडे देने की इसकी क्षमता ने किसानों की झोली खुशियों से भर दी। वहीं, कैरीप्रिया ने अपनी अनुकूलन क्षमता से साबित कर दिया कि चाहे गांव की कच्ची मुंडेर हो या शहर का आधुनिक फार्म, वह हर जगह फिट है। मांस उत्पादन के क्षेत्र में कैरी समृद्धि किसी वरदान से कम नहीं है। जहां साधारण मुर्गियों को बढ़ने में वक्त लगता है, वहीं समृद्धि का वजन इतनी तेजी से बढ़ता है कि किसान कम समय में ही मुनाफे का स्वाद चख लेते हैं। संस्थान यहीं नहीं रुका। वैज्ञानिकों ने "300 प्लस क्लब" वाली ऐसी नस्लें तैयार की, जो साल में 300 से ज्यादा अंडे देकर भारत में अंडा क्रांति का नेतृत्व कर रही हैं। संस्थान के बाड़ों में सिर्फ उत्पादकता ही नहीं, बल्कि भारत की नस्लीय विरासत भी सुरक्षित है। यहां काले मांस वाला औषधीय कड़कनाथ अपनी धमक दिखाता है, तो लड़ाकू और साहसी असील (पीला और करगार) अपनी मजबूती का लोहा मनवाते हैं। इनके साथ ही कैरी विराट, ब्लैक, चित्तला, सैनहरी, स्वेता, उत्तम और कैरीपर्ल कदाबरी जैसी प्रजातियां पोल्ट्री की दुनिया में विविधता के नए रंग भर रही हैं। गोनयजा फ्लो जैसी नस्लों के साथ सीएआरआई आज न केवल बरेली का गौरव बढ़ा रहा है, बल्कि छोटे किसानों के सपनों को पंख भी दे रहा है। वाकई, ये नस्लें वैज्ञानिकों के ज्ञान और किसानों के परिश्रम के मेल से निकला एक आधुनिक करिश्मा हैं।

बटेर और गिनी फाउल- ग्रामीण आय का नया विकल्प

मुर्गियों से इतर, सीएआरआई ने बटेर और गिनी फाउल के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है। बटेर की चार नई किस्में तेजी से बढ़ने वाली, अधिक अंडा देने वाली और कम लागत वाली आज स्टार्टअप्स की पहली पसंद हैं। इसमें गिनी फाउल जिसे ग्रामीण क्षेत्रों में चकोर के नाम से जाना जाता है, अपनी कठोर रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए प्रसिद्ध है। सीएआरआई के शोध ने इसे लो-रिस्क, हाई-रिटर्न बिजनेस मॉडल में बदल दिया है। यह पक्षी न केवल प्रोटीन का बढ़िया स्रोत है, बल्कि इसकी देखभाल में खर्चा न के बराबर है।

ग्रीन एग्स और शाकाहारी अंडे- सेहत का नया पैमाना

आज के दौर में लोग यह जानना चाहते हैं कि वे जो खा रहे हैं, वह कहां से आ रहा है। सीएआरआई एंटीबायोटिक-फ्री उत्पादन पर जोर दे रहा है।

- **ग्रीन एग्स:** ये ऐसे अंडे हैं जिनमें कीटनाशकों या हानिकारक रसायनों का कोई अंश नहीं होता।
- **शाकाहारी अंडे:** यह सुनकर अजीब लग सकता है, लेकिन इसका अर्थ वैज्ञानिक है। जब मुर्गियों को मछली या किसी अन्य पशु-प्रोटीन के बजाय पूरी तरह से प्लांट-बेस्ड (पौधों पर आधारित) आहार दिया जाता है, तो उसे शाकाहारी अंडा कहा जाता है। यह शुद्धता चाहने वाले उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ा बाजार तैयार कर रहा है।

उद्यमिता की नर्सरी- हजारों को मिला रोजगार

सीएआरआई केवल शोध तक सीमित नहीं है, यह एक ट्रेनिंग हब है। यहां साल में तीन बार लघु औद्योगिक प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण और परामर्श में संस्थान किसानों को चूजे पालने से लेकर, बीमारियों से बचाव के टीके और दवाओं तक की जानकारी देता है। इसके साथ ही मेले और जागरूकता के लिए समय-समय पर आयोजित होने वाले मेलों के जरिए संस्थान तकनीक को जमीन तक पहुंचाता है। संस्थान एजुकेशन में यहां पोल्ट्री साइंस में मास्टर डिग्री और डिप्लोमा कोर्स भी कराए जाते हैं, जिससे देश को विशेषज्ञ वैज्ञानिक मिल रहे हैं।

नमकीन अंडा- विज्ञान और स्वाद का अनोखा संगम

सीएआरआई के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है जिससे अंडे के भीतर नमक का संतुलन बनाया जाता है। इसे नमकीन अंडा कहा जाता है। इसकी शेल्फ-लाइफ सामान्य अंडों से कहीं अधिक होती है। इसे उबालकर तुरंत खाया जा सकता है, अतिरिक्त नमक की जरूरत नहीं होती। यह प्रोसेस्ड फूड इंडस्ट्री और सेना के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है।

जलवायु परिवर्तन और भविष्य की चुनौतियां

बढ़ता तापमान पोल्ट्री सेक्टर के लिए सबसे बड़ा खतरा है। सीएआरआई ऐसी क्लाइमेट-रेजिलिएंट (जलवायु अनुकूल) नस्लों पर काम कर रहा है जो 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक के तापमान को भी सहन कर सकें। संस्थान का लक्ष्य ऐसी मुर्गियां तैयार करना है जो कम पानी और कम संसाधनों में भी भरपूर उत्पादन दे सकें, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

विज्ञान से समृद्धि की उड़ान

केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान आज बरेली की पहचान को वैश्विक स्तर पर चमका रहा है। यहां हो रहे शोध केवल लैब की फाइलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे देश के करोड़ों लोगों के पोषण और लाखों किसानों की आर्थिक उन्नति का आधार बन रहे हैं। चाहे वह नमकीन अंडा हो या सिर्फ मादा चूजे का शोध, सीएआरआई ने यह साबित कर दिया है कि भारत में पोल्ट्री का भविष्य सुरक्षित और वैज्ञानिक हाथों में है। सीएआरआई, इज्जतनगर न केवल एक संस्थान है, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत का एक जीता-जागता उदाहरण है, जहां विज्ञान परंपरा के साथ मिलकर समृद्धि का रास्ता तैयार कर रहा है।

फोटो–हरदीप सिंह टोनी

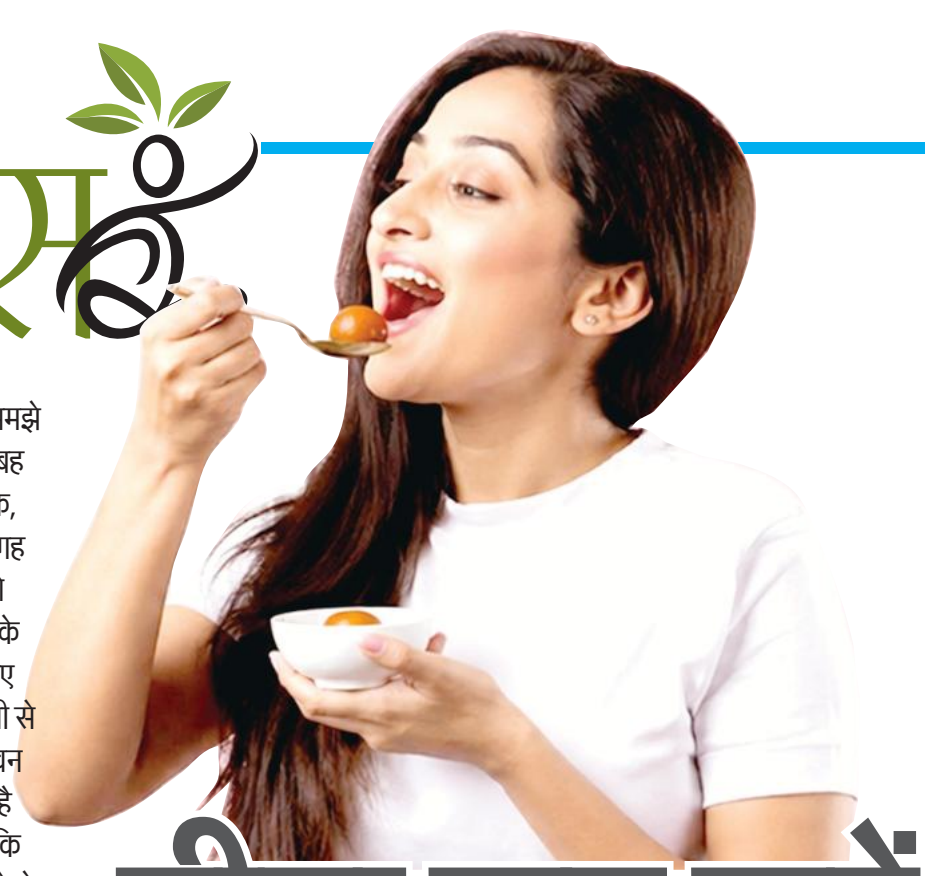

मीठा कम करें जीवन में सेहत भरें

चीनी हमारे भोजन का ऐसा हिस्सा है। बिना सोचे-समझे हम दिनभर में कई बार इसका सेवन कर लेते हैं। सुबह की चाय से लेकर बिस्कुट, मिठाई, कोल्ड ड्रिंक, केक, पैकेट जूस, आइसक्रीम और फास्ट फूड तक हर जगह चीनी छिपी हुई मिलती है। मीठा स्वाद भले ही मन को अच्छा लगे, लेकिन अत्यधिक चीनी का सेवन शरीर के लिए धीरे-धीरे नुकसानदायक सिद्ध होता है। इसलिए आज 'चीनी बंद' या 'चीनी कम' करने की चर्चा तेजी से बढ़ रही है। चीनी बंद करने का अर्थ यह नहीं कि जीवन से मिठास खत्म कर दी जाए, बल्कि इसका मतलब है अनावश्यक और अतिरिक्त चीनी से दूरी बनाना, ताकि शरीर स्वस्थ और ऊर्जावान बना रहे। चीनी बंद करने से शरीर में इंसुलिन का स्तर भी संतुलित रहने लगता है। जब हम बार-बार मीठा खाते हैं, तो रक्त में शुगर बढ़ती है और शरीर को उसे नियंत्रित करने के लिए अधिक इंसुलिन बनाना पड़ता है। लंबे समय तक ऐसा होने पर शरीर में फैट जमा होने लगता है, विशेषकर पेट के आसपास। चीनी कम करने से यह प्रक्रिया धीमी पड़ती है और पेट की चर्बी कम करने में सहायता मिल सकती है।

विशेष रूप से रिफाइंड चीनी शरीर में तेजी से कैलोरी बढ़ाती है, लेकिन इसके बदले शरीर को कोई विशेष पोषण नहीं मिलता। यही अतिरिक्त कैलोरी धीरे-धीरे शरीर में चर्बी के रूप में जमा होने लगती है, जिससे वजन बढ़ता है और पेट बाहर निकलने लगता है।

चीनी क्या है और क्यों है नुकसानदेह

सामान्य सफेद चीनी (Refined Sugar) गन्ने से बनाई जाती है, लेकिन इसे कई प्रक्रियाओं से गुजारकर तैयार किया जाता है। इस प्रक्रिया में इसमें मौजूद प्राकृतिक पोषक तत्व लगभग समाप्त हो जाते हैं और केवल मीठा स्वाद देने वाला पदार्थ बचता है।

जब हम ज्यादा चीनी खाते हैं, तो शरीर में ग्लूकोज तेजी से बढ़ता है। इससे इंसुलिन हार्मोन पर दबाव पड़ता है। लंबे समय तक ऐसा होने पर मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग, फैटी लिवर, त्वचा संबंधी समस्याएं और कमजोरी जैसी दिक्कतें सामने आ सकती हैं।

कैसे लगती है चीनी की लत

चीनी खाने से मस्तिष्क में डोपामिन नामक रसायन निकलता है, जो खुशी का अनुभव देता है। यही कारण है कि मीठा खाने की आदत बार-बार बनने लगती है। तनाव, उदासी, थकान या बोरियत में लोग अक्सर मीठा खाना पसंद करते हैं। धीरे-धीरे यह आदत लत में बदल सकती है।

चीनी बंद करने के लाभ

यदि कोई व्यक्ति अतिरिक्त चीनी बंद कर दे या बहुत कम कर दे, तो कुछ ही दिनों में शरीर में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने लगते हैं।

- **वजन नियंत्रण में मदद**- चीनी में कैलोरी अधिक होती है, लेकिन पोषण कम। इसे कम करने से वजन घटाने में सहायता मिलती है।
- **ऊर्जा में सुधार**- शुरुआत में मीठा खाने से ऊर्जा मिलती है, लेकिन बाद में थकान महसूस होती है। चीनी कम करने से ऊर्जा स्थिर रहती है।
- **त्वचा में निखार**- अत्यधिक चीनी त्वचा पर पिंपल्स, झुर्रियां और सूजन बढ़ा सकती है। कम चीनी लेने से त्वचा बेहतर दिख सकती है।
- **मधुमेह का खतरा कम**-जो लोग परिवार में डायबिटीज का इतिहास रखते हैं, उनके लिए चीनी कम करना लाभकारी है।
- **हृदय स्वास्थ्य बेहतर**- अधिक चीनी ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ा सकती है, जिससे हृदय रोग का खतरा बढ़ता है।
- **दांतों की सुरक्षा**- चीनी बैक्टीरिया को बढ़ावा देती है, जिससे कैविटी और दांतों की सड़न होती है।

चीनी बंद करने पर शुरुआत में क्या महसूस हो सकता है?

जब कोई व्यक्ति अचानक चीनी बंद करता है, तो कुछ दिनों तक सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, मीठा खाने की तीव्र इच्छा, कमजोरी या मूड में बदलाव महसूस हो सकता है। यह शरीर की पुरानी आदत टूटने के कारण होता है। धीरे-धीरे शरीर नई दिनचर्या में ढल जाता है।

- **कैसे बंद करें चीनी- अचानक नहीं, धीरे-धीरे शुरुआत करें**
- यदि आप दिन में तीन बार मीठी चाय पीते हैं, तो पहले दो बार करें, फिर एक बार।
- **पैकेट फूड पढ़ें**-कई उत्पादों में hidden sugar होती है जैसे sauce, bread, cereal, cold drinks।
- **प्राकृतिक मिठास अपनाएं**- फल, खजूर, किशमिश, मुनक्का,अंजीर, शहद बेहतर विकल्प हो सकते हैं।
- **पानी ज्यादा पिएं**- कई बार मीठा खाने की इच्छा प्यास या थकान के कारण भी होती है।
- **प्रोटीन और फाइबर लें**- अंकुरित अनाज, दालें, फल, सब्जियां, मेवे ये पेट भरा रखते हैं और क्रेविंग्स कम करते हैं।
- **तनाव में कमी**- तनाव में लोग मीठा ज्यादा खाते हैं। योग, ध्यान, टहलना और अच्छी नींद मददगार हैं।

आयुर्वेद में चीनी का दृष्टिकोण

आयुर्वेद के अनुसार मधुर रस शरीर के लिए आवश्यक है, लेकिन हर चीज संतुलित मात्रा में होनी चाहिए। अत्यधिक मधुर रस कफ बढ़ा सकता है, मोटापा ला सकता है और अग्नि (पाचन शक्ति) को मंद कर सकता है।

प्राकृतिक मधुर पदार्थ जैसे फल, दूध, खजूर, मुनक्का, अंजीर आदि अधिक हितकारी माने गए हैं। रिफाइंड चीनी का अत्यधिक सेवन शरीर में विकार उत्पन्न कर सकता है।

क्या लें चीनी की जगह

- ताजे फल
- नारियल पानी
- गुड़ (सीमित मात्रा में)
- शहद (गरम चीजों में न मिलाएं)
- खजूर
- किशमिश
- दालचीनी युक्त पेय
- बिना चीनी की हर्बल चाय

जब चीनी की जगह फल, सलाद, दालें, अंकुरित अनाज, सूखे मेवे और पौष्टिक आहार लिया जाता है, तो पेट लंबे समय तक भरा रहता है और अनावश्यक खाने की इच्छा कम होती है।

क्यों जरूरी बच्चों में चीनी कम करना

आजकल बच्चों में चॉकलेट, कैंडी, कोल्ड ड्रिंक और पैकेट स्नैक्स का सेवन बढ़ गया है। इससे मोटापा, दांत खराब होना, चिड़चिड़ापन और ध्यान की कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बच्चों को घर का पौष्टिक भोजन और फलों की आदत डालना जरूरी है।

क्या पूरी तरह चीनी बंद करना जरूरी है

हर व्यक्ति की जरूरत अलग होती है। यदि कोई स्वस्थ है और सीमित मात्रा में चीनी लेता है, तो पूरी तरह बंद करना जरूरी नहीं, लेकिन जिन लोगों को मोटापा, डायबिटीज, फैटी लिवर या हार्मोनल समस्याएं हैं, उन्हें अतिरिक्त चीनी बहुत कम करनी चाहिए। मुख्य बात है- संतुलन और जागरूकता। नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम और दिनचर्या सुधार भी आवश्यक हैं।

सामाजिक जीवन और चीनी

त्योहारों, पार्टियों और खुशियों में मिठाई का स्थान है। इसका अर्थ यह नहीं कि सबकुछ छोड़ दिया जाए। कभी-कभार सीमित मात्रा में मिठाई लेना ठीक है, लेकिन रोजमर्रा की आदत बनाना नुकसानदायक हो सकता है। यदि चीनी बंद करने के साथ नियमित पैदल चलना, योगासन, पर्याप्त नींद और तनाव नियंत्रण भी जोड़ा जाए, तो वजन कम करने के परिणाम अधिक अच्छे मिल सकते हैं। मोटापा घटाने के लिए केवल डाइट नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवनशैली का सुधार आवश्यक है।

इस प्रकार, चीनी बंद करना मोटापा कम करने की दिशा में एक सरल, प्रभावी और महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल वजन नियंत्रित करने में मदद करता है, बल्कि शरीर को ऊर्जावान, हल्का और स्वस्थ बनाए रखने में भी सहायक सिद्ध होता है।

स्वास्थ्य जागरूकता के लिए चिकित्सा संस्थानों और अस्पतालों की भूमिका महत्वपूर्ण है। रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय जैसे संस्थान लोगों को संतुलित आहार, जीवनशैली सुधार, मधुमेह नियंत्रण, मोटापा प्रबंधन और आयुर्वेदिक परामर्श के माध्यम से स्वस्थ जीवन की दिशा दिखाते हैं।

आयुर्वेद में मोटापे को स्थौल्य/मेदोरोग कहा गया है, जिसके लिए आहार-विहार, औषधि, पंचकर्म, उद्वर्तन, योग और दिनचर्या सुधार को महत्व दिया गया है। संस्थान इन प्राचीन सिद्धांतों को आधुनिक जीवनशैली के साथ जोड़कर रोगियों को सुरक्षित और प्रभावी समाधान दे सकते हैं।

इस प्रकार, चिकित्सा संस्थान केवल उपचार केंद्र नहीं, बल्कि समाज को स्वस्थ जीवन की दिशा देने वाले मार्गदर्शक भी हैं। सही जानकारी, समय पर परामर्श और जीवनशैली सुधार के माध्यम से संस्थान मोटापा नियंत्रण अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। संस्थान द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता अभियान, नि:शुल्क परामर्श कार्यक्रम, योग सत्र तथा आहार संबंधी मार्गदर्शन आयोजित किए जा सकते हैं।

संस्थान इस दिशा में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मोटापा, मधुमेह, थायरॉइड, पाचन विकार तथा जीवनशैली जनित रोगों के लिए परामर्श दिया जा सकता है। लोगों को चीनी कम करने, संतुलित भोजन अपनाने, प्राकृतिक आहार लेने और स्वस्थ आदतें विकसित करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

चीनी बंद करना केवल एक डाइट ट्रेंड नहीं, बल्कि स्वास्थ्य की ओर बढ़ाया गया एक समझदारी भरा कदम है। जब हम अतिरिक्त चीनी कम करते हैं, तो शरीर हल्का महसूस करता है, ऊर्जा बढ़ती है और कई बीमारियों का खतरा कम होता है।

रोहिलखण्ड आयुर्वेदिक कॉलेज एवं चिकित्सालय सेक्टर -7, डोहरा रोड बरेली 8077808309

गर्मियों में प्राकृतिक तरीके से रखें हाइड्रेशन

गर्मियों के मौसम में पसीने के कारण शरीर से आवश्यक मिनरल्स और पानी तेजी से निकल जाते हैं, जिससे शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। ऐसे में केवल पानी पीना ही काफी नहीं होता, बल्कि पानी से भरपूर फल, नारियल पानी और नींबू पानी जैसे प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन भी जरूरी है। आजकल कई लोग प्यास बुझाने के लिए कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का सहारा लेते हैं, जिनमें केमिकल और आर्टिफिशियल फ्लेवर होते हैं। इनका लगातार सेवन शुगर, पेट और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। इसके बजाय गर्मियों में प्राकृतिक और हेल्दी ड्रिंक्स को अपनाना अधिक लाभकारी होता है।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

पानी

- जब आपको प्यास लगती है, तब तक शरीर में पानी की कमी शुरू हो चुकी होती है। डिहाइड्रेशन की स्थिति में व्यक्ति को थकान, सुस्ती और चिड़चिड़ापन महसूस होती है।
- एक दिन में पानी की मात्रा व्यक्ति की ऊंचाई, वजन, उम्र और सक्रियता पर निर्भर करती है, लेकिन सामान्यतः 8-10 गिलास पानी पीना उचित माना जाता है। गर्भवती महिलाओं को लगभग 10 गिलास और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को 12 गिलास पानी पीना चाहिए।
- हर दो घंटे में एक गिलास पानी पीने की आदत डालें। साधारण पानी में खीरा, नींबू और पुदीना मिलाकर इसे स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाया जा सकता है।
- खीरे में लगभग 95 प्रतिशत पानी होता है और इसमें विटामिन C व K पाए जाते हैं, जो त्वचा और शरीर दोनों के लिए लाभकारी हैं।

पानी वाले फल

गर्मियों में तरबूज, खरबूजा, स्ट्रॉबेरी और आड़ू जैसे फल शरीर को हाइड्रेट रखने में बेहद सहायक होते हैं।

- तरबूज- 92 प्रतिशत पानी
- स्ट्रॉबेरी-91 प्रतिशत पानी
- खरबूजा- 90 प्रतिशत पानी
- आड़ू- 89 प्रतिशत पानी

इन फलों में प्राकृतिक शुगर, फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।

आप इन्हें फ्रूट सलाद, स्मूदी या स्नैक्स के रूप में अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं। कोशिश करें कि दिन में कम से कम दो बार पानी वाले फलों का सेवन करें।

नारियल पानी

- नारियल पानी एक प्राकृतिक और बेहद स्वास्थ्यवर्धक पेय है। इसमें लगभग 94 प्रतिशत पानी होता है और यह शरीर को आवश्यक इलेक्ट्रोलाइट्स प्रदान करता है।
- यह शरीर को ठंडक देता है, पाचन सुधारता है और थकान दूर करता है। आयुर्वेद के अनुसार, सुबह खाली पेट नारियल पानी पीना अधिक लाभकारी माना जाता है।
- इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन C त्वचा को अंदर से निखारने में भी मदद करते हैं।

छाछ

- गर्मियों में छाछ पीना बहुत फायदेमंद होता है। यह शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाती है।
- छाछ में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन B-12 होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देते हैं और थकान कम करते हैं। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग (पेट फूलना) से राहत दिलाते हैं।
- दोपहर के भोजन के साथ छाछ पीना सबसे अधिक लाभकारी माना जाता है। स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें पुदीना, काला नमक या जीरा मिलाया जा सकता है।

आइस्ड हर्बल चाय

- गर्मियों में बार-बार गर्म चाय पीने के बजाय हर्बल आइस्ड टी एक बेहतर विकल्प है।
- मिंट, ग्रीन टी, तुलसी, दालचीनी, मुलेठी और हिबिस्कस जैसी हर्बल चाय एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती हैं। ये शरीर को हाइड्रेट करने के साथ-साथ तनाव कम करने और पाचन सुधारने में मदद करती हैं।
- इसे और हेल्दी बनाने के लिए शहद या कम मात्रा में चीनी का उपयोग करें।

गर्मियों में स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि हम प्राकृतिक पेय और खाद्य पदार्थों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। सही हाइड्रेशन न केवल शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है, बल्कि त्वचा और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभकारी है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष — इस सप्ताह आप पाएंगे कि परिस्थितियों में बड़ा बदलाव आ रहा है। सप्ताह की शुरुआत बड़े खर्चों से होगी। इस दौरान अचानक से कुछ चीजों पर अपनी जेब से ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है। आय के मुकाबले खर्च की अधिकता रहने के कारण आपका बजट गड़बड़ा सकता है।

वृष — इस सप्ताह नियम-कानून की अवहेलना करने से बचना चाहिए अन्यथा आर्थिक कष्ट के साथ अपमान भी झेलना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरुआत में कामकाज के सिलसिले में अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। व्यर्थ की यात्रा एवं भागदौड़ के कारण मन खिन्न रहेगा।

मिथुन — इस सप्ताह आपका अधिकांश समय स्वजनों के साथ हंसी-खुशी मौज-मस्ती करते हुए बीतेगा। लंबे समय बाद किसी आत्मीय व्यक्ति से मेल-मुलाकात हो सकती है। इस दौरान अचानक से किसी इष्ट-मित्रों अथवा परिवार के सदस्यों के साथ पिकनिक पर्यटन का प्रोग्राम बन सकता है।

कर्क — इस सप्ताह अपनी पूरी उर्जा और उत्साह के साथ अपने कार्यों को अंजाम देते हुए नजर आएंगे। खास बात ये कि आपके द्वारा कार्य विशेष के लिए की गई मेहनत और प्रयास का सकारात्मक फल भी मिलेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों की कारोबारी दिक्कतें दूर होंगी। दैनिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह — यह सप्ताह सफलता के नए द्वार खोलने वाला साबित होगा। यदि आप लंबे समय से किसी कार्य विशेष के सफल होने का इंतजार कर रहे थे, तो इस सप्ताह किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से उससे जुड़ी बाधाएं दूर होंगी और वह मनमुताबिक तरीके से संपन्न हो जाएगा। दैनिक आय में वृद्धि होने से आपकी धन से जुड़ी चिंता काफी हद तक दूर हो जाएगी।

कन्या — इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों को करते समय अनचाही समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरुआत में आपको छोटी-छोटी चीजों के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ेगा। इस दौरान आपको अपनी ऊर्जा, समय और धन का विशेष रूप से प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा।

तुला — यह सप्ताह थोड़ा उठापटक लिए रहने वाला है। जीवन से जुड़े तमाम क्षेत्रों में दिक्कतों के बावजूद अंतत: चीजें आपके पक्ष में बन जाएंगी। नौकरीपेशा लोगों पर कामकाज का अतिरिक्त दबाव बना रहेगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में किसी दूसरे की गलती का खामियाजा आपको भुगतना पड़ सकता है।

वृश्चिक — यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। इस पूरे सप्ताह आपको कोई भी बड़ा फैसला असमंजस की स्थिति में लेने से बचना चाहिए अन्यथा बड़ा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ एवं कनिष्ठ दोनों को ही मिलाकर चलना उचित रहेगा।

धनु — इस सप्ताह कुछ चीजों को पाने के लिए कुछ चीजों से समझौता करना पड़ सकता है। इस सप्ताह यदि आपका कोई मामला कोर्ट-कचहरी में चल रहा है और उसे बातचीत के जरिए हल निकलने का अवसर मिले तो उसे हाथ से बिल्कुल भी न जानें दे। नौकरीपेशा लोगों को इस सप्ताह अपनी भावनाओं के अनुरूप कार्य करने में थोड़ी परेशानी हो सकती है।

मकर — यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं, तो आपको बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। इस सप्ताह आपको कई बार ऐसा लगेगा कि आपका आर्थिक लाभ उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहा है, जितनी तेजी से आपका धन खर्च हो रहा है।

कुंभ — यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। इस सप्ताह आपके सभी सोचे हुए कार्य समय पर मनचाहे तरीके से पूरे होते हुए नजर आएंगे। सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर-कारोबार से जुड़ी बहुप्रतीक्षित सूचना प्राप्त होगी। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं, तो आपका कारोबार तेज गति से आगे बढ़ेगा और उसमें आपको मनचाहा लाभ होगा।

मीन — इस सप्ताह कामकाज में थोड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरुआत में सोचे हुए कार्यों में अड़चनें आने से आपका मन खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको स्वजनों से अपेक्षित सुख और सहयोग में कमी देखने को मिलेगी। आपको कामकाज के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 56

काकुरो 55 का हल

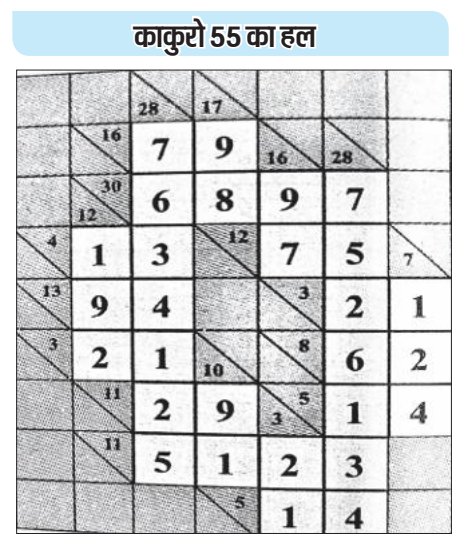

कहानी

हुस्न का सप्लायर

अट्ठारह बरस की माया का यौवन निखर रहा था। घर में इन दिनों एक ही चर्चा थी-माया का विवाह। पिता, चाचा, ताऊ जब भी इकट्ठे बैठते, बात घूम फिरकर उसी पर आ जाती। सबकी निगाह में एक ही लड़का था-नरेश। वह बीए पास, बीस बीघे खेत, पक्का मकान, सादा स्वभाव। माया जब उसके बारे में सोचती, तो उसे लगता था जैसे कोई शांत नदी है, जिसमें लहरें नहीं उठतीं।

कोरोना की दूसरी लहर आई तो नरेश उसकी चपेट में आ गया। उसकी मां तीर्थयात्रा पर गई हुई थी। पिता बचपन में ही गुजर चुके थे। उसने मामा और चाचा को फोन किया। उन्होंने हिदायतें दी- "काढ़ा लेना, स्टीम लेना और दर्द की दवाई लेना", फिर फोन रख दिया। उसने दोस्तों को दवा दे जाने के लिए फोन किया, किसी ने बहाना कर दिया, किसी ने साफ मना कर दिया। उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। उस दिन शाम को दरवाजे की घंटी बजी। नरेश ने सोचा-शायद चाचा या मामा आ गए। वह दरवाजे पर पहुंचा। दरवाजा खोला तो सामने माया खड़ी थी अपने पिता के साथ। उसके हाथ में एक थैला था, जिसमें खाना और दवाईयां थीं और चेहरे पर चिंता थी।

"अंदर चलो," उसने बस इतना कहा। उस दिन से कई दिन तक वह आती रही। खाना लाती, दवाई देती, ऑक्सीजन का इंतजाम करती थी। गांव के लोग तरह-तरह की बातें बनाते थे, लेकिन वह किसी की परवाह नहीं करती थी। कुछ दिन बाद नरेश की मां तीर्थकर वापस लौट आई। जब उसने पूरा वृतांत सुना तो बोली- "बेटा, मुझे उस लड़की से मिलवा दे, मैं उसे अपनी बहू बनाना चाहती हूं।" उस दिन के बाद जब भी नरेश माया के घर जाता था, उसकी आंखों में एक संकोची-सा प्रेम तैरने लगता। एक दिन उसने कह ही दिया- "माया, तुम मुझे अच्छी लगती हो। क्या तुम मुझसे शादी करोगी?

माया ने उसकी ओर देखा फिर धीरे से नजरें हटा ली। उसे लगता था-नरेश से शादी का मतलब है, इसी गांव में रह जाना, खेत खलिहान, वही लोग, वही जिंदगी। इसी बीच उसकी नौकरी दिल्ली में लग गई। दादी ने समझाया- "मुर्गी का चूजा अंडे के खोल से निकलता है, मां से हटते ही बाज झपट ले जाता है। लड़की जात को बहुत संभलकर रहना पड़ता है।"

माया हंस दी। उसे यह बातें पुराने जमाने की डरपोक सोच लगी। दिल्ली ने उसे चकित कर दिया- हाई बिल्डिंग, चौड़ी सड़के और शॉपिंग मॉल। उसे लगा, जैसे वह सचमुच किसी और दुनिया में है। कैलाशपुरी के एक छोटे से किराए के कमरे में रहते हुए भी उसे लगता- वह अब गांव वाली माया नहीं रही। ऑफिस में वह टूटी-फूटी अंग्रेजी बोलती, पर बोलती जरूर थी। उसे लगता कि अंग्रेजी बोलने लगते ही जिंदगी बदल जाती है। हर अंग्रेजी शब्द उसे गांव से दूर और शहर के करीब ले जा रहा है, लेकिन शहर ने जल्दी ही उसे उसका सच दिखा दिया-भीड़ में आदमी सबसे ज्यादा अकेला होता है।

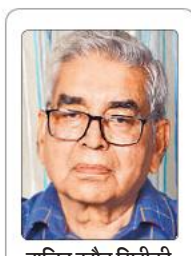

वाजिद हुसैन सिद्दीक़ी
कहानीकार

अकेलेपन से बचने के लिए उसने एक डेटिंग एप डाउनलोड कर लिया। वही उसकी मुलाकात वैभव से हुई। वैभव की बातें अलग थी। वह शायरी करता था, दर्द की बातें करता था और ऐसे बोलता था जैसे दुनिया ने उसके साथ बहुत बुरा किया हो। एक दिन उसका मैसेज आया- "मैं डेटिंग प्लेटफार्म के रेस्तरां की सबसे पिछली टेबल पर तुम्हारा इंतजार करूंगा।" माया गई। वैभव ने कहा- "तुम्हें देखकर ऐसा लगा जैसे कोई ख्वाब सामने आ गया हो। तुम्हारे लिए क्या मंगवाऊं-सॉफ्ट ड्रिंक या मॉकटेल?" "जी, सॉफ्ट ड्रिंक।" माया ने असहज महसूस होते हुए कहा- "लाइट्स यहां पर काफी मद्धिम है?"

"जी, ठीक कह रही हैं आप- शायद रैस्तरां वाले यही चाहते हैं कि यहां पर मिलने वाले एक दूसरे को चकाचौंध कर देने वाले कृत्रिम उजाले में न पहचाने। परख करें तो टटोल-टटोलकर, ठीक वैसे ही जैसे हम मद्धिम अंधेरे में एक खो गई जरूरी चीज को कई-कई बार ढूंढते हैं।" "लेकिन हम अंधेरे की परतें उधेड़ने नहीं, सुकून की एक शाम गुजारने को मिल रहे हैं।" माया ने मुस्कुराते हुए कहा। वैभव ने शायराना अंदाज में कहा- "यहां हर चीज बिकती है, काश! सुकूं-ए-दिल भी कहीं मिल जाता।" बातों-बातों में माया ने धीरे से कहा- "आपके प्रोफाइल में लिखा हुआ था- "सप्लायर"। आप क्या सप्लाई करते हैं?" "जी, मैंने जिंदगी की शुरुआत एक सप्लायर की तरह की थी। आज भी मैं वही चीज सप्लाई करता हूं, जो सबकी जरूरत है।" "अच्छा मज़ाक कर लेते हैं, आप।"

"न मैं अपने बारे में डींगे भरता हूं, न झूठ बोलता हूं।" वैभव ने उसे अपने टूटे हुए जीवन की कहानी इस तरह सुनाई- "घर टूट गया, छूट गया, अब बस काम है और अकेलापन।" माया को उसकी बातें गहरी लगीं। उसे लगा वह बहुत समझदार और संवेदनशील आदमी है। वह उसके दुख का हिस्सा बन गई। उसका दर्द बांटते-बांटते उसकी ओर खिंचती चली जा रही थी। न जाने उसके मन में क्या चल रहा था, वह अक्सर रविवार को उसके लिए कुछ न कुछ बनाकर ले जाती थी, छोटे से टिफिन में कभी मीठी तो कभी नमकीन। बाद में यह नजदीकी इतनी बढ़ी कि साथ में वे फिल्म देखने चले जाते। वह एक बहाना होता, वह उसे दया नम्रता सहानुभूति के कोमल तंतुओं से सहलाना चाहती थी। छह महीने में वह अपने बारे में सोचना भूल चुकी थी जब देखो... "वैभव... वैभव...।" एक रविवार को वैभव नहीं आया। उसका फोन भी बंद था। बेचैनी में माया पहली बार उसके घर पहुंच गई। दरवाजा एक औरत ने खोला। उसकी आंखों में एक अजीब सी थकान थी। "आप वैभव से मिलने आई हैं?" उसने पूछा। माया ने सिर हिला दिया। औरत कुछ छड़ चुप रही, फिर बोली- "बहन एक बार मैं भी उसके प्रेम जाल में फंसकर यहां आई थी, पर यहां से निकल नहीं सकी।"

माया चौकी- "क्या मतलब..." औरत ने बहुत शांत आवाज़ में कहा- "वह हुस्न का सप्लायर है। वह खूबसूरत लड़कियों को पटाता है, बेच देता है।" माया के अंदर जैसे सब कुछ टूट गया। "अगर बच सकती हो, तो भाग जाओ" औरत ने कहा। लेकिन अब देर हो चुकी थी। वैभव सब कुछ देख-सुन चुका था। उसे डर था-माया उसकी सच्चाई खोल देगी।

वह अचानक सामने आ गया और बिना एक शब्द कहे, उसे दूसरी मंजिल से धक्का दे दिया। जब उसे होश आया, वह अस्पताल में थी। उसकी एक टांग काटनी पड़ी थी। मां रो रही थी, पिता चुप थे। माया छत की ओर देखती रहती और सोचती रहती, जिस आजादी के लिए वह गांव छोड़कर आई थी, वह आजादी उसे कहां ले आई?

कई महीने बाद वह कृत्रिम पैर के सहारे गांव लौटी। अब वही घर, वही आंगन, वही लोग थे, पर माया बदल चुकी थी। मां की आंखों में एक ही चिंता थी-"कौन करेगा इससे शादी?" इस समय दरवाजे पर नरेश खड़ा था। उसके साथ उसकी मां भी थी। नरेश ने मां से कहा- "यह वही लड़की है, जिसे तुम अपनी बहू बनाना चाहती थीं।" माया ने नरेश की मां के पैर छुए फिर कहा- "मां मैं अपाहिज हूं।" मां ने उसे गले लगाकर कहा- "तुम मेरे बेटे को काल के गाल से खींच कर बाहर ले आई। उसका जीवन तुम्हारा ही दिया हुआ है।"

माया फूट-फूट कर रो पड़ी। इतने महीनों बाद वह पहली बार रोई थी। उसे लगा, जैसे उसके भीतर जमा सारा अहंकार, सारा भ्रम आंसुओं के साथ बह रहा हैं। कुछ दिनों बाद मंदिर में उनकी शादी हो गई। उस रात, जब सब सो गए, माया आंगन में थी। आकाश शांत था। उसे अचानक लगा-शहर ने उसे बहुत कुछ दिखाया, पर कुछ भी नहीं दिया। गांव... जिसे उसने कभी नहीं सराहा, उसने सहारा दिया। अब उसे समझ में आया-जिंदगी आजादी में नहीं, पहचान में बसती है। सच्चा प्यार वह होता है, जो टूटने के बाद भी जुड़ जाता है।

काव्य

तुम्हारी मुस्कान

तुम्हारे हंसने में किसी पुराने
मंदिर की घंटियों सा संगीत है,
जैसे
निर्जन पहाड़ों के बीच
मद्धम सुरों में गूंजती कोई
'भैरवी'।
तुम्हारी मुस्कान की सिलवटों
में
वो सुलगती धूप छिपी है,
जो सर्दियों की सुबह किसी
ठिठुरते मुसाफिर को मिलती
है।
तुमने जब से मुझे अपना कहां
है अपनी आवाज से,
मेरे भीतर का सन्नाटा
किसी सूफियाना कलाम सा
महकने लगा है।
जैसे कोरे पन्नों पर
स्याही नहीं,
प्रेम की ओस गिर गई हो।
देखो,
तुम्हारी माथे की बिंदी में
मैंने शाम का डूबता सूरज
सहेज लिया है,
और
तुम्हारी आंखों के कजरारे
कोनों में
वो तमाम समंदर समेट
लिए हैं,
जिन्हें पार करने की हसरत में
मैं सदियों से भटक रहा था।
अब जो मैं खुद को देखता हूं,
तो मैं, मैं नहीं रहता...
तुम्हारी लिखी किसी कविता
का एक शब्द हो जाता हूं।
जैसे तुमने मुझे मिट्टी से नहीं,
अपने ख्यालों के चंदन से
गढ़ा हो।
सच तो ये है...
कि तुम महज कोई शख्स
नहीं, तुम तो
कायनात का वो हिस्सा हो,
जिसे पढ़ते-पढ़ते मैं
'मुकम्मल' हो गया हूं।

उमा त्रिवेदी
लेखिका

आज कल ज़रा खूबसूरत हो गई हूं मैं

आजकल जरा खूबसूरत हो
गई हूं मैं
हाथ में चूड़ी कंगन...
माथे पर बिंदी सिंदूर के
साथ-साथ...
गाड़ी का स्टेरिंग भी संभाल
लेती हूं मैं हां ...आजकल
जरा खूबसूरत हो गई हूं मैं ।

मन में ले पिता सी हिम्मत...
सीने में समा मां सा दुलार
खुद को ले चली हूं अंतरिक्ष
के पार खुद को करने
राजनीति में विद्यमान खुद
को करने व्यवसाय में
विराजमान खुद के कंधों पर
ले ख़ुदी का मान
हां आजकल जरा खूबसूरत
हो गई हूं मैं ।
वैसे तो मेरे घर के आईने को
समाज की तरह ही मेरे इस
रूप की आदत ना थी ...
मुझ में आई इस तब्दीली
पर आईना भी शक कर
रहा है ...
तो सवाल जवाब से दूर
लोग लाज से परे
खुद को निकालते समाज
की खींची सीमाओं के पास
अपने ही माथे पर एक काली
बिंदी लगा लेती हूं मैं
हां ...आजकल जरा और
खूबसूरत हो गई हूं मैं।

निवेदिता शर्मा
कवयित्री

दिल के रिश्ते

लोग भूल जाते हैं एहसान,
जब खड़ा हो जाता है
मकान।

जिनके दर पे झुके थे हम
कभी, आज वही लगते हैं
अनजान।

उन्हीं छतों से हमें
ललकारते, जिनसे लाया था
कभी सामान।

वक्त बदला तो बदले हैं
सभी, खो गई है रिश्तों की
पहचान।

कल सहारा जो बने थे राह
में, उन्हीं का करते दिखे
अपमान।

ईंट-पत्थर की हुई
ऊंचाइयां, दब गया कहीं
इंसान का मान।

दिल के रिश्ते हो गए बेजान,
अब कहां बाकी कोई
अरमान।

याद रख ऐ दिल ज़रा ये बात
भी, नेकी ही है बस सच्चा
सम्मान।

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

व्यंग्य

उड़ाओ-उड़ाओ कुछ तो उड़ाओ!

आजकल हवा में एक अजीब सी 'उड़ान' है। राजनीति से लेकर मोहल्ले की गलियों तक, हर कोई कुछ न कुछ उड़ाने में व्यस्त है। मेरा तो मानना है कि दुनिया में जीवित रहने के लिए 'उड़ाने' की कला में माहिर होना बहुत जरूरी है। अगर आप कुछ नहीं उड़ा रहे, तो समझिए आप जीवन की दौड़ में 'ग्राउंडेड' हो चुके हैं। उड़ाना ही प्रगति का लक्षण है।

एक दौर था, जब राजनीति बड़ी शालीन और 'सॉफ्ट' थी। हमारे पहले प्रधानमंत्री नेहरू जी शांति के नाम पर सफेद कबूतर उड़ाते थे। तब देश को लगता था कि उड़ाने का मतलब सिर्फ शांति संदेश भेजना है। पर भाई साहब, अब जमाना 'अपडेट' हो गया है। अब अगर आप इतने सक्षम नहीं हैं कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर कबूतर उड़ा सकें, तो निराश न हों। अपने घर की मुंडेर पर बैठिए और कौवे ही उड़ाइए। आखिर कौवे उड़ाना भी एक पूर्णकालिक रोजगार है। कम से कम यह अहसास तो रहता है कि आपके हाथ हिलाने से किसी की उड़ान में खलल पड़ रहा है।

'उड़ाने' की यह कला हमारे मोहल्ले की रग-रग में बसी है। हमारे पड़ोस का 'पिंटू' इस कला का असली उस्ताद निकला। वह बरसों से छत पर चढ़कर पतंग उड़ाता था। हम समझते थे कि लड़का हवा का रुख पहचान रहा है, पर वह तो पड़ोस वाली छत का 'सिग्नल' नाप रहा था। एक दिन उसकी पतंग क्या कटी, पिंटू ने उस छत से लड़की ही उड़ा दी। इसे कहते हैं- 'सावधानी हटी, और कन्या उड़ी'। अब पिंटू फरार है और मोहल्ले की शांति उड़ी हुई है।

ममता सिंघल
लेखिका

आजकल के युवाओं का जुनून तो देखिए। शादी में जाएंगे तो ऐसे टूटेंगे जैसे बरसों के भूखे हों, देखते ही देखते प्लेटों से रसगुल्ले ऐसे उड़ाते हैं, जैसे कोई जादुई शो चल रहा हो। बाहर निकलते ही अपनी बाइक को हवाई जहाज समझकर उड़ाने लगते हैं। यमराज भी कन्फ्यूज हैं कि इन्हें 'ओवरस्पीडिंग' का चालान भेजें या सीधे ऊपर का टिकट। रईसी का आलम यह है कि शादियों में लोग नोट ऐसे उड़ाते हैं, जैसे रिजर्व बैंक उनके ससुर जी का हो। और पानी? पानी तो हम ऐसे उड़ाते हैं जैसे अगले जन्म में हम सब मछली बनकर ही पैदा होने वाले हों।

अभी अप्रैल का महीना चल रहा है, जिसमें अक्लमंदों की भी 'बुद्धि' उड़ जाती है। एक 'अप्रैल फूल' बोलकर किसी के भी होश उड़ाना यहां का राष्ट्रीय खेल है। रही-सही कसर होली पूरी कर देती है, जहां हम रंग और गुलाल के साथ-साथ अक्सर अपनी 'मर्यादा' भी हवा में उड़ा देते हैं। और अगर आपके पास उड़ाने के लिए नोट या गुलाल नहीं है, तो सबसे सस्ता उपाय है-अफवाह उड़ाना। एक छोटी सी अफवाह उड़ा दीजिए कि "कल से नमक मिलना बंद हो जाएगा," और फिर पूरे शहर की नींद उड़ते देखिए। उड़ाने में क्या जाता है? बस याद रखिएगा, जब आपकी उड़ाई हुई अफवाह से शहर का माहौल उड़ेगा, तो पुलिस भी 'उड़ती' हुई आएगी। फिर वह आपको ऐसे उड़ाएगी कि आपको अपनी 'लैंडिंग' का पता भी नहीं चलेगा।

दुनिया के मंच पर ट्रंप बाबू को देखिए। वे तो 'उड़ाने' के ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर हैं। वे रोजाना सुबह उठकर कुछ न कुछ उड़ा देते हैं-कभी कोई समझौता, कभी कोई ट्वीट और कभी-कभी तो अपने विरोधियों के होश। उनकी डिक्शनरी में 'शांति' का मतलब अपनी ही धुन में सब कुछ उड़ा देना है। उड़ाने के इस खेल में दलाल पथ कैसे पीछे रह सकता है?

यहां तो उड़ान का सीधा संबंध ट्रंप बाबू के एक ट्वीट या उनके 'मूड' से है। ट्रंप बाबू सोशल मीडिया पर अपनी उंगलियां घुमाते हैं और इधर सेंसेक्स रॉकेट बनकर उड़ने लगता है। खुशी में निवेशक अपनी टोपी उड़ाने लगते हैं, लेकिन अगले ही पल, जब ट्रंप बाबू का इरादा बदलता है, तो बाजार ऐसा गोता लगाता है कि शेयर नहीं, सीधे शेयर धारक ही उड़ जाते हैं। बेचारा छोटा निवेशक समझ ही नहीं पाता कि वह 'बुल' की सवारी कर रहा है या उसकी खुद की बलि (कटाक्ष) दी जा रही है। यहां 'मुनाफा' उड़े न उड़े, मिडिल क्लास की 'बचत' जरूर हवा में उड़ जाती है।

'उड़ाने' का असली मजा तो तब आता है, जब निशाना सही हो। सीमा पार बैठे कुछ आतंकी बरसों से हमारी शांति को बम से उड़ाने का ख्वाब देख रहे थे। उन्हें लगता था कि भारत सिर्फ 'कड़ी निंदा' के कागज उड़ाएगा, लेकिन जब उन्होंने पहलगाम में जरा सी हरकत की, तो हमारी सेना ने पाकिस्तान में घुसकर उनके ठिकानों की ऐसी धज्जियां उड़ाईं कि उन्हें पता ही नहीं चला कि वे जमीन पर हैं या जन्नत में! अब वहां आतंकी नहीं, बल्कि उनके आकाओं के होश उड़ रहे हैं।

जब पूरा देश उड़ाने पर आमादा हैं, तो वैज्ञानिक क्यों पीछे रहें? भारत ने तो अब चांद तक रॉकेट उड़ा दिया है। दुनिया देखती रह गई और हम तिरंगा लेकर सीधे अंतरिक्ष में उड़ गए। तो प्यारे, खाली मत बैठिए। उड़ाने की कला में निपुण बनिए। कुछ भी उड़ाइए।

समीक्षा

भाषा का समन्वय

साहित्य की अनेक विधाओं की साधनारत साहित्यकार हैं डॉ. संध्या सिलावट। इनका मूल्यवान कृति को आद्यंत पढ़ने का अवसर, अपने आप में आनंदमार्गी यात्रा का सुखद और दुर्लभ संयोग सिद्ध हुआ। देवभाषा की दुलारी दुहिता-राजभाषा की यात्रा का उत्स, विस्तृत तथ्यपरक और कालक्रमबद्ध प्रामाणिक इतिवृत्त का सांगोपांग विवरण, विद्वानों का गहन विषय विमर्ष, उनके चिंतन, मनन के मीमांसात्मक अंश तथा उपलब्ध तथ्यों की विषद-विवेचनाएं कृति में विद्यमान हैं। इस कृति में कालखंड भी पूरी प्रामाणिकता से वर्णित है, जब भिन्न-भिन्न धर्मों ने अपनी दृष्टि से, साहित्य संरचना में, राजकीय कार्यों में, पठन-पाठन में फारसी उर्दू-अंग्रेजी को भाषा-माध्यम बनाने के जतन किए, समस्त ऊहापोह के बीच, एक भारतीय-सनातन संस्कृति, वैदिक परंपरा, आर्ष ग्रंथों के वे-उपदेश जीवित और जाग्रत थे, जो बिना किसी जाति-धर्म का उल्लेख किए, केवल मानवमात्र के लिए प्रतिबद्ध थे, उनके संदेश सूत्र कल्याण और उदारता के उजाले थे। कविता की भाषा सभी धर्मों के विद्वानों के लिए ब्रजभाषा, स्वीकार्य और चिह्नित हो चुकी थी। साहित्य, संगीत, रंगमंच और आत्मीय आनंद की सभी मौलिक गतिविधियां जाति-धर्म से ऊपर, रस-निष्पत्ति को समर्पित हो चुकी थीं। फारसी उर्दू भाषा के रचनाकारों ने काव्यानंद को 'ब्रह्मानंद सहोदर' जान और मान लिया था। आज भी अनेक मुस्लिम कवियों की सुचर्चित शास्त्रीय रचनाएं साहित्य-जगत में अजर-अमर हैं, भाषा का सौष्ठव शिल्प-सौंदर्य, राग बद्ध तान-तरंग के साथ भक्ति का पावन प्रवाह परात्पर ब्रह्म के अलौकिक प्रेम को समर्पित हुआ, साहित्य के उन्नत मानदंड को स्थापित करतीं अभिव्यंजनाएं सर्वधर्म समभाव का जय घोष करती हुईं रचनाएं काव्य का घनत्व और मेदनी के महत्व का प्रतिपादन करती हैं। सभी धर्मों के उदय क्रमानुसार हिन्दी को उनके बहुमूल्य प्रदेय का यह गहन अनुष्ठान तथा कहीं कुछ छूट न जाए की शर्त पर सोदाहरण काव्यांश संग्रहण सचमुच, नैपुण्य और वैदुष्य पूर्ण सुदीर्घ और श्रम-साध्य कार्य था, जिसे आदरेया-डॉ. सिलावट ने पूरे मनोयोग और प्राणपन से आकार दिया। ग्रंथ आदरेय, उपादेय और सुष्ठु सराहनीय है, एक विशिष्ट कालखंड का संग्रहणीय प्रामाणिक दस्तावेज सिद्ध होता है।

कृति - हिन्दी भाषा की संघर्ष यात्रा और हिन्दू-इतर रचनाकार
कृतिकार- डॉ. संध्या सिलावट
मूल्य-300/-
समीक्षक- पद्मश्री डॉ. अवधकिशोर जड़िया छतरपुर

बाल कहानी

लाडला भूरा

स्कूल की छुट्टियां हो चुकी थीं। रोहन बस यही चाहता था कि कैसे वह जल्दी से जल्दी नानी के घर पहुंच जाए। वैसे तो मौसी की शादी भी थी और मम्मी इसके लिए तैयारियां कई दिनों से कर रही थीं, मगर रोहन के मन में कुछ और ही चल रहा था। पिछले वर्ष जब वह नानी के घर गया था, तो वह खेतों में घूमते-घूमते उसे कुत्ते का एक बच्चा मिला था। उसके आसपास कोई दूसरा बच्चा नहीं था और न कोई कुत्ता। वह भूखा लग रहा था। इसीलिए हल्की-हल्की कूं-कूं की आवाज कर रहा था। भूरे बालों वाला वह पिल्ला मिट्टी लगने की वजह से बदरंग लग रहा था, लेकिन रोहन उसे हाथ में उठाने से खुद को रोक नहीं पाया था।

घर पहुंचते ही मौसी ने उसे टोका, "अरे, रोहन यह पिल्ला कहां से ले आए"। "मौसी, खेतों में जा रहा था, वहीं यह मिल गया।" रोहन ने जवाब दिया। इसी बीच मम्मी भी बीच में बोल पड़ी, "तो इसे घर लाने की क्या जरूरत थी।" "मम्मी यह भूखा लग रहा था और आसपास कोई था भी नहीं, यह या तो भूख से मर जाता या कोई जानवर इसे मार देता।" रोहन ने पिल्ले की पीठ पर हाथ फिराते हुए कहा। पिल्ला भी उसके हाथों को अपनी जीभ से चटाने लगा, लग रहा था जैसे उसका धन्यवाद कर रहा हो। "आप चिंता न करो, मैं इसकी देखभाल कर लूंगा।" रोहन ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा। वह तो ठीक है, लेकिन अभी तो इसे साफ करो, देखो कैसा धूल में सना हुआ है। यह कहकर नानी ने उस पिल्ले को अपने घर में रखने की एक तरह से स्वीकृति दे दी थी। रोहन आंगन में पानी भरी बाल्टी की तरह बढ़ा, "तभी नानी ने पीछे से टोका, सुनो... इसका नाम क्या है।" पिल्ले के भूरे बालों पर हाथ फेरते हुए अनायास ही रोहन बोल उठा... "भूरा"। "चलो भूरा, नहाया जाए।" यह कहते हुए रोहन बाल्टी के पास बैठ गया। दो लोटा पानी में ही भूरा के चमकीले बाल साफ दिखने लगे।

राजीव सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार

भीगा हुआ भूरा पास में पड़े पांवदान पर लोट-लोट कर अपने बालों पर लगे पानी को सुखाने का प्रयास करने लगा। यह देख सभी खिलखिलाकर हंस पड़े। पूरे डेढ़ माह की छुट्टियों में रोहन के साथ भूरा हमेशा नजर आता। भूरा अब थोड़ा बड़ा होने लगा था। वह रोहन के बराबर दौड़ लगाने का प्रयास करता था। छुट्टियां खत्म हो चुकी थीं। रोहन भूरा को अपने साथ घर ले जाना चाहता था, लेकिन मम्मी ने साफ मनाकर दिया, "तुम दिन भर भूरा के साथ घूमते रहोगे, तो पढ़ाई कैसे होगी?" भारी मन से रोहन भूरा को नानी के घर छोड़कर लौटने की तैयारी करने लगा। भूरा उसके पैरों के आसपास तेजी से चक्कर लगा रहा था, मानो खुद भी साथ चलना चाहता हो। पूरा एक वर्ष बीत चुका था, नानी, मौसी, मामा सब भूरा के बारे में फोन पर उसे बताते रहते थे।

मम्मी-पापा के साथ रोहन जैसे ही नानी के घर के दरवाजे पर पहुंचा, भूरा तेजी से लपकता हुआ, उन लोगों की तरफ आया। वह काफी बड़ा हो चुका था। कुछ देर उसने सभी को सूंघा और उसके बाद रोहन के सामने इस तरह उछलने लगा जैसे उसकी गोद में आना चाहता हो। रोहन ने भी उसे लपककर गोद में उठा लिया। भूरा उसके हाथ, चेहरे को जीभ से चाटने लगा। नानी हंसते हुए बोलीं, "रोहन अब शादी भर तुम्हीं इसे संभालो, वरना यह किसी को काम नहीं करने देगा।"

रोहन भूरा के साथ ही आंगन में खेलने लगा और बाकी सभी लोग घर के अंदर चले गए। घर की सजावट चल रही थी। नानी और मौसी मम्मी को अंदर के कमरे में ले गईं और वहां उन्हें शादी में दिए जा रहे जेवर, कपड़े और बर्तन दिखाए। मम्मी मौसी को देने के लिए जो जेवर लायी थी, वह भी उन्होंने नानी को अलमारी में रखने के लिए दे दिए। अगले दिन ही शादी थी, इसलिए देर रात तक सभी जरूरी कामों को निपटाया जाता रहा। रात का करीब एक बज गया था और सभी थक कर चूर हो चुके थे। बहुत रात हो चुकी है, अब सब सो जाओ। वरना सुबह जल्दी नहीं उठ सकेंगे। नानी ने सुझाव दिया। मौसी ने उठकर लाइट बंद कर दी। दिनभर की थकान के चलते कुछ ही देर में सभी सो गए। अचानक भूरा की गुर्राहट से रोहन की आंख खुली। उसने बगल में रखे मोबाइल की स्क्रीन पर देखा, तो करीब तीन बजने वाले थे। शेरू की पीठ पर हाथ फेर कर उसने उसे सुलाने का प्रयास किया तो वह दरवाजे की तरफ लपकते हुए तेजी से भौंकने लगा। रोहन को लगा दरवाजे के दूसरी तरह कोई है, वह तेजी से चिल्लाया, कौन है वहां? रोहन के पापा और मामा भी इन आवाजों को सुनकर उठ गए थे। रोहन के पापा दरवाजा खोलने लगे तो मामा ने टोका, रुकिए जीजा जी, पहले अपनी बंदूक ले लूं। मामा के इतना कहते ही ऐसा लगा जैसे कई लोग तेजी से बाहर भागे। इतनी आवाजें सुनकर घर के बाकी लोग भी जग चुके थे। तीन चोर गली से भागते हुए नजर आए। घर की सभी लाइट जल चुकी थीं। रोहन से भूरा की गुर्राहट की आवाज से उठने की बात सबको बताई, तो सबने भूरा की पीठ को थपथपाया। भूरा की वजह से घर में चोरी होने से बच गई थी। इसके बाद कोई भी न सोया। अगले दिन घर में जो भी आया, नानी और मामा ने उन्हें भूरा की सतर्कता का किस्सा सुनाया कि कैसे उसकी वजह से चोरी होने से बच गई। ननिहाल में अब तक भूरा को इसलिए पसंद किया जाता था, क्योंकि उसे रोहन लाया था, लेकिन अब वह सभी का और ज्यादा लाडला हो गया था।

रिश्तों में बढ़ती दरारें

घरेलू हिंसा भारत की एक गंभीर सामाजिक समस्या है और उत्तर भारत में इसके अपेक्षाकृत अधिक मामलों की चर्चा अक्सर होती रही है। यह केवल किसी एक कारण से नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारकों के जटिल मिश्रण का परिणाम है। आखिर क्या कारण है कि उत्तर भारत में घरेलू हिंसा अधिक क्यों दिखाई देती है और इसके पीछे कौन-कौन से कारण जिम्मेदार हैं।

डॉ. अर्चना श्रीवास्तव
चिकित्सक, लखनऊ

पितृसत्तात्मक समाज की गहरी जड़ें

उत्तर भारत के अधिकांश राज्यों में समाज की संरचना पितृसत्तात्मक है, जहां पुरुष को परिवार का मुखिया और निर्णयकर्ता माना जाता है। इस व्यवस्था में महिलाओं को अक्सर अधीनस्थ भूमिका में रखा जाता है। जब पुरुष अपने अधिकार को चुनौती महसूस करता है या किसी कारणवश तनाव में होता है, तो वह हिंसा के माध्यम से अपनी "सत्ता" स्थापित करने की कोशिश करता है। यह मानसिकता पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है, जिससे घरेलू हिंसा को कई बार सामान्य व्यवहार मान लिया जाता है।

शिक्षा और जागरूकता की कमी

हालांकि शिक्षा का स्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है, फिर भी उत्तर भारत के कई ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की शिक्षा का स्तर अपेक्षाकृत कम है।

शिक्षा की कमी के कारण

- महिलाएं प्राय: अपने अधिकारों से अनजान रहती हैं।
- वे हिंसा को सहन करने को मजबूरी समझती हैं।
- कानूनी सहायता लेने में हिचकिचाती हैं।
- इसके विपरीत, जहां शिक्षा और जागरूकता अधिक होती है, वहां महिलाएं अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने में सक्षम होती हैं।

दहेज प्रथा और विवाह से जुड़ी समस्याएं

उत्तर भारत में दहेज प्रथा अभी भी एक गंभीर समस्या है। दहेज को लेकर विवाह के बाद महिला पर अतिरिक्त दबाव डाला जाता है। कम दहेज लाने पर उसे मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ती है। कई मामलों में यह हिंसा गंभीर रूप भी ले लेती है, यह समस्या सामाजिक प्रतिष्ठा और लालच दोनों से जुड़ी है, जो घरेलू हिंसा को बढ़ावा देती है।

- **सामाजिक मान्यताएं और 'इज्जत' का दबाव-** उत्तर भारतीय समाज में परिवार की 'इज्जत' को बहुत महत्व दिया जाता है। इसी कारण महिलाएं अपने साथ हो रही हिंसा को छुपाती हैं, परिवार और समाज उन्हें चुप रहने की सलाह देते हैं, तलाक या अलगाव को नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता है, इस सामाजिक दबाव के कारण महिलाएं वर्षों तक हिंसा सहती रहती हैं, जिससे यह समस्या और गहरी होती जाती है।
- **शराब और नशे की लत-** कई मामलों में घरेलू हिंसा का सीधा संबंध शराब और अन्य नशे की लत से होता है। उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में पुरुषों में शराब सेवन की प्रवृत्ति अधिक है और नशे की हालत में नियंत्रण कम हो जाता है। छोटी-छोटी बातों पर भी हिंसा की घटनाएं बढ़ जाती हैं, यह एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारण है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।
- **कानून का कमजोर क्रियान्वयन-** भारत में घरेलू हिंसा के खिलाफ सख्त कानून मौजूद हैं, जैसे कि 'घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम 2005'। लेकिन उत्तर भारत में कई बार पुलिस में शिकायत दर्ज कराने में कठिनाई होती है। सामाजिक दबाव के कारण मामले दबा दिए जाते हैं। न्याय प्रक्रिया लंबी और जटिल होती है। इससे अपराधियों में डर कम हो जाता है और वे अपने व्यवहार को जारी रखते हैं।
- **पारिवारिक संरचना और संयुक्त परिवार का दबाव-** उत्तर भारत में संयुक्त परिवार प्रणाली अभी भी प्रचलित है। इसमें सास-ससुर और अन्य सदस्यों का हस्तक्षेप अधिक होता है। बहू पर अपेक्षाओं का दबाव बढ़ जाता है। कई बार परिवार के अन्य सदस्य भी हिंसा को बढ़ावा देते हैं। इससे महिला के लिए स्थिति और जटिल हो जाती है, क्योंकि वह केवल पति ही नहीं बल्कि पूरे परिवार के दबाव में होती है।
- **मानसिक स्वास्थ्य और गुस्से का प्रबंधन-** कई बार घरेलू हिंसा का कारण मानसिक तनाव, अवसाद या गुस्से को सही तरीके से न संभाल पाना भी होता है। उत्तर भारत में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कम है, जिसके कारण लोग अपनी भावनाओं को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाते। गुस्सा हिंसा के रूप में बाहर आता है। यह एक छिपा हुआ, लेकिन महत्वपूर्ण कारण है।

पारंपरिक सोच

अब भी कई जगह यह माना जाता है कि महिला का मुख्य काम घर संभालना है।
अगर महिला :

- नौकरी करना चाहती है।
- अपनी राय रखना चाहती है।
- स्वतंत्र निर्णय लेना चाहती है, तो इसे परिवार की "परंपरा" के खिलाफ माना जाता है, जिससे टकराव और हिंसा की स्थिति बन सकती है। उत्तर भारत में घरेलू हिंसा की अधिकता किसी एक कारण से नहीं, बल्कि कई सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों के संयुक्त प्रभाव का परिणाम है। पितृसत्तात्मक सोच, शिक्षा की कमी, आर्थिक निर्भरता, दहेज प्रथा, सामाजिक दबाव और कानून के कमजोर क्रियान्वयन जैसे कारण इस समस्या को जटिल बनाते हैं।

समस्या का समाधान

- महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा दिया जाए।
- समाज में जागरूकता फैलाई जाए।
- कानूनों का सख्ती से पालन कराया जाए।
- मानसिक स्वास्थ्य और काउंसलिंग पर ध्यान दिया जाए।
- पुरुषों की सोच में सकारात्मक बदलाव लाया जाए।
- घरेलू हिंसा केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। जब तक समाज मिलकर इस समस्या का समाधान नहीं खोजेगा, तब तक वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है।

बिना केमिकल के पाएं सॉफ्ट लिप्स

ठंड हो या गर्मी, होंठों का सूखना, फटना और काला पड़ना एक आम समस्या बन गई है। बदलते मौसम, पानी की कमी, धूप का असर और केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स इसके मुख्य कारण होते हैं। अक्सर लोग महंगे लिप केयर प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन उनसे स्थायी लाभ नहीं मिल पाता। सच तो यह है कि होंठों की त्वचा बेहद संवेदनशील होती है, जिसे खास देखभाल की जरूरत होती है। अच्छी बात यह है कि कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर आप अपने होंठों को फिर से मुलायम, गुलाबी और स्वस्थ बना सकते हैं। ये उपाय प्राकृतिक हैं, सुरक्षित हैं और नियमित उपयोग से बेहतरीन परिणाम देते हैं। आइए आपको बताते हैं फटे और काले होंठों को ठीक करने के आसान उपाय :-

शहद और नींबू का मिश्रण- शहद एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है, जो होंठों को गहराई से नमी देता है। वहीं नींबू में मौजूद विटामिन-सी डेड स्किन को हटाने और रंगत निखारने में मदद करता है। इन दोनों को मिलाकर रोजाना कुछ मिनट के लिए होंठों पर लगाएं। नियमित उपयोग से कालापन धीरे-धीरे कम होने लगता है और होंठ मुलायम बनते हैं।

नारियल तेल से हल्की मसाज- नारियल तेल पोषण से भरपूर होता है और यह होंठों की सूखापन दूर करने में बेहद असरदार है। दिन में 2-3 बार हल्के हाथों से होंठों की मसाज करें। इससे होंठ हाइड्रेट रहते हैं और फटने की समस्या भी कम होती है।

गुलाब की पंखुड़ियों का पेस्ट- गुलाब की पंखुड़ियों को दूध में भिगोकर मुलायम पेस्ट तैयार करें और इसे होंठों पर लगाएं। यह उपाय होंठों को प्राकृतिक गुलाबी रंग देने में मदद करता है और उन्हें सॉफ्ट भी बनाता है। नियमित इस्तेमाल से होंठों की रंगत में स्पष्ट सुधार दिखाई देता है।

चीनी और शहद से स्क्रब

होंठों पर जमी डेड स्किन को हटाने के लिए हफ्ते में 1-2 बार चीनी और शहद का स्क्रब करें। यह एक नेचुरल एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है, जिससे होंठ साफ, मुलायम और चमकदार बनते हैं। स्क्रब के बाद लिप बाम लगाना न भूलें।

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

एलोवेरा में मौजूद हीलिंग गुण फटे होंठों को जल्दी ठीक करने में मदद करते हैं। रोज रात को सोने से पहले ताजा एलोवेरा जेल होंठों पर लगाएं। यह होंठों को रिपेयर करता है और उन्हें लंबे समय तक हाइड्रेट रखता है।

पर्याप्त पानी पिएं

शरीर में पानी की कमी भी होंठों के सूखने और फटने का बड़ा कारण होती है। दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है, जिससे होंठ अंदर से हाइड्रेटेड रहें और उनकी नमी बरकरार रहे।

धूप से करें बचाव

ज्यादा धूप में रहने से होंठ काले पड़ सकते हैं। बाहर निकलते समय SPF युक्त लिप बाम का उपयोग करें ताकि सूरज की हानिकारक किरणों से होंठ सुरक्षित रहें।

कुछ अन्य सावधानियां-

- पर्याप्त पानी पिएं, ताकि शरीर हाइड्रेट रहे।
- होंठों को बार-बार चाटने से बचें।
- सन प्रोटेक्शन वाला लिप बाम इस्तेमाल करें।
- स्मोकिंग से दूर रहें, क्योंकि इससे होंठ काले पड़ते हैं।

सुबह का गुस्सा बिगाड़ सकता है बच्चों का आत्मविश्वास

सुबह का समय केवल दिन की शुरुआत नहीं, बल्कि पूरे परिवार के भावनात्मक माहौल की नींव भी होता है। अगर दिन की शुरुआत हड़बड़ी, चिड़चिड़ापन और बच्चों पर ऊंची आवाज में डांट से होती है, तो इसका असर सिर्फ उस पल तक सीमित नहीं रहता- यह बच्चों के आत्मविश्वास, व्यवहार और सीखने की क्षमता तक पहुंचता है। अक्सर हम बच्चों की शरारत को कारण मान लेते हैं, जबकि असल वजह हमारे भीतर का तनाव, अधूरी नींद या दबाव हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपनी भावनाओं को समझें और सुबह को शांत, संतुलित और सकारात्मक बनाने की दिशा में छोटे-छोटे बदलाव करें।

सुबह की चिड़चिड़ाहट

अक्सर माता-पिता यह मान लेते हैं कि बच्चे की गलती के कारण ही उन्हें गुस्सा आता है, लेकिन हकीकत इससे अलग होती है। सुबह की भागदौड़, काम का दबाव, समय की कमी और अधूरी नींद मिलकर मन को पहले से ही तनावग्रस्त बना देती हैं। ऐसे में बच्चों की सामान्य शरारत भी बड़ी समस्या लगने लगती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि सुबह का गुस्सा दरअसल अंदरूनी तनाव का बाहरी रूप होता है, जिसे हम अनजाने में बच्चों पर उतार देते हैं।

बच्चों के मन पर पड़ता है असर

बच्चे बेहद संवेदनशील होते हैं। सुबह-सुबह डांट या चिल्लाहट उनके मन में असुरक्षा और डर पैदा कर सकती है। वे स्कूल जाते समय उसी भावनात्मक स्थिति को साथ लेकर जाते हैं, जिससे उनका ध्यान पढ़ाई या गतिविधियों में कम लगता है। कई बार बच्चे दिनभर उसी घटना के बारे में सोचते रहते हैं, जिससे उनकी एकाग्रता और सामाजिक व्यवहार प्रभावित होता है।

आत्मविश्वास पर पड़ता है प्रभाव

बार-बार डांट खाने वाले बच्चे धीरे-धीरे खुद को कमतर समझने लगते हैं। वे अपनी बात रखने से डरते हैं और हर काम में गलती का डर बना रहता है। इससे उनका आत्मविश्वास कमजोर होता है और वे नई चीजें सीखने या कोशिश करने से भी कतराने लगते हैं। लंबे समय में यह उनके व्यक्तित्व विकास को प्रभावित कर सकता है।

क्या कहता है बच्चों का व्यवहार

बच्चों का सुबह का व्यवहार अक्सर उनकी जरूरतों का संकेत होता है। अगर बच्चा चिड़चिड़ा है, तो हो सकता है उसे नींद पूरी न मिली हो या वह किसी बात से परेशान हो। ऐसे में डांटने के बजाय उसकी बात समझने की कोशिश ज्यादा असरदार होती है। संवाद और धैर्य, अनुशासन से ज्यादा प्रभावी होते हैं।

माता-पिता के लिए आत्म-देखभाल जरूरी

कई बार माता-पिता खुद को पूरी तरह जिम्मेदारियों में झोंक देते हैं और अपनी भावनाओं को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन मानसिक शांति बनाए रखने के लिए आत्म-देखभाल बेहद जरूरी है। थोड़ा व्यायाम, ध्यान या कुछ समय खुद के लिए निकालना तनाव को कम कर सकता है, जिससे सुबह की शुरुआत भी बेहतर होती है।

सकारात्मक शुरुआत का असर

अगर दिन की शुरुआत मुस्कान और स्नेह से होती है, तो इसका प्रभाव पूरे दिन के व्यवहार पर पड़ता है। बच्चे ज्यादा आत्मविश्वासी, खुश और सहयोगी बनते हैं। एक सकारात्मक सुबह उन्हें भावनात्मक सुरक्षा देती है, जो उनके सीखने और सामाजिक विकास के लिए बेहद जरूरी है।

ऐसे करें सुबह की शुरुआत

- सुबह को शांत बनाने के आसान उपाय
- रात में ही बच्चों और अपना सामान तैयार कर लें।
- सुबह 10-15 मिनट पहले उठकर खुद के लिए समय निकालें।
- बच्चों से नरम और स्पष्ट भाषा में बात करें।
- छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने से पहले 5 सेकंड रुकें।
- जरूरत पड़ने पर परिवार के अन्य सदस्यों से मदद लें।

बच्चों को सुधारने से पहले खुद को समझना ज्यादा जरूरी है। हर सुबह एक नया अवसर है-अपने व्यवहार को बेहतर बनाने का और बच्चों के साथ मजबूत रिश्ता बनाने का। थोड़े से धैर्य, समझ और सही दिनचर्या के साथ आप न सिर्फ अपने बच्चे का विकास बेहतर कर सकती हैं, बल्कि खुद भी एक संतुलित और सुकून भरी जिंदगी जी सकती हैं।

खाना खजाना

स्वादिष्ट स्नैक फाफड़ा

फाफड़ा गुजरात का एक लोकप्रिय और बेहद स्वादिष्ट पारंपरिक स्नैक है, जिसे मुख्य रूप से बेसन और हल्के मसालों से तैयार किया जाता है। इसकी कुरकुरी बनावट और हल्का तीखा स्वाद इसे खास बनाता है। आमतौर पर इसे जलेबी के साथ परोसा जाता है, जिससे मीठे और नमकीन का बेहतरीन संतुलन मिलता है। इस रेसिपी में पारंपरिक पापड़ खार की जगह बेकिंग सोडा का उपयोग किया गया है, जिससे इसे घर पर आसानी से बनाया जा सकता है। यह नाश्ते या शाम की चाय के साथ परोसने के लिए एक शानदार विकल्प है।

सामग्री

- बेसन (मेजरमेंट कप)-ढाई कप
- बेकिंग सोडा- चौथाई टी स्पून
- हल्दी- चौथाई टी स्पून
- हींग- चौथाई टी स्पून
- नमक- एक टी स्पून
- अजवाइन- एक टी स्पून
- तेल-2 टेबल स्पून (मोयम के लिए)
- तेल-आधा कड़ाही (फाफड़ा तलने के लिए)

बनाने की विधि

एक छोटी परात के ऊपर बड़ा छन्ना रखें। उसमें बेसन और बेकिंग सोडा डालकर डाल लें। एक कटोरी में नमक, हल्दी और हींग डालकर पानी से घोल बना लें। बेसन में अजवाइन और मोयम का तेल एक टेबल स्पून डालकर अच्छे से मिक्स करें। मोयम मिक्स करने के बाद मुट्ठी में बेसन लें कर चेक कर लें। यदि मुट्ठी में बंध रहा है, तुरंत बिखर नहीं रहा है, तो मोयम ठीक है।

अब बेसन में नमक वाला जो घोल बनाया है, उसे डालकर बेसन मिक्स करें। फिर थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर बेसन का नरम डोह बना लें। बेसन हाथ में चिपकाता है इसलिए जब जरूरत हो हाथ में तेल लगाकर उसे तब तक गूंथे जब तक लंबाई में खींचने पर तुरंत न टूटे। उसे लहसुन कूटने वाले से कूटे और मिक्स करें और फिर कूटे। ऐसा ज्यादा मात्रा में बनाने पर किया जाता है। जब खिंचाव के बाद जल्दी न टूटे तो बेसन सही हो गया है। उसे ढककर 15 मिनट के लिए रख दें। उसके बाद कड़ाही गर्म करके उसमें आधी कड़ाही तेल डालें। बेसन के डोह को एक बार अच्छे से मिक्स करें। डोह से थोड़ा सा लेकर उसे लंबा शेप देकर उल्टी थाली के ऊपर एक प्लास्टिक बिछाकर रख दें। दूसरी प्लास्टिक उसके ऊपर रख दें। लोई पर हथेली के पीछे वाले हिस्से से दबाव डालते हुए हाथ को आगे बढ़ाकर उसे लंबा करें। उसे सब तरफ से एक जैसा पतला होना चाहिए। जब तेल मिडियम गर्म हो,

तो उसे सावधानी से उठा कर तलने डाल दें। धीमी और मध्यम आंच पर इसे तले। जब एक तरफ का कलर बदल जाए, तो उसे पलट दे। इसे हल्का लाल तल लें। आप अपने अनुसार रखें। जब यह तल जाए, तो उसे छलनी के ऊपर रखें, जिसके नीचे एक बरतन रखा हो। जब पहला फाफड़ा तल रहा हो दूसरा फाफड़ा तलने के लिए तैयार कर लें। पहला फाफड़ा जिस तरह से तला है, उसी तरह से सभी फाफड़ा तलें। फाफड़ा की लंबाई कड़ाही के साइज के अनुसार ही रखना है और एक बार में कड़ाही में जितना फाफड़ा आसानी से तल सके उतना ही डालें। इसे गुजरात में कच्चे पपीते के फ्राइडलच्छे (संभारो), बेसन की चटनी और जलेबी के साथ सर्व किया जाता है, लेकिन आप अपने पसंद से किसी भी चीज के साथ सर्व कर सकती हैं या फिर शाम के स्नैक्स में की तरह खाएं।

तहसीलदार को तौल मशीन खराब मिली

सुधा गैस एजेंसी में निरीक्षण के दौरान कई कमियां मिली, सिलेंडरों का हिसाब भी नहीं दे पाए संचालक

संवाददाता, मीरगंज,

अमृत विचार : तहसील मीरगंज के फतेहगंज पश्चिमी कस्बे में शनिवार को सुधा गैस एजेंसी पर तहसीलदार मीरगंज आशीष कुमार सिंह ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिससे अन्य गैस एजेंसियों में हड़कंप मच गया।

निरीक्षण के दौरान कमर्शियल और घरेलू दोनों प्रकार के गैस सिलेंडरों के स्टॉक का मिलान किया गया। जांच में पता चला कि हाल ही में आई गैस सिलेंडरों की खेप को स्टॉक रजिस्टर में दर्ज नहीं किया गया था। तहसीलदार ने मैनेजर से स्पष्टीकरण मांगा, लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।गैस गोदाम में एक और बड़ी लापरवाही सामने आई। सिलेंडरों का वजन करने वाली मशीन खराब मिली। मौके पर मौजूद मैनेजर मशीन खराब होने का कारण नहीं बता सके, जिसके बाद दूसरी जगह से वजन मशीन मंगवाकर जांच की गई। साथ ही प्राप्त हुए भरे सिलेंडरों में से 30 सिलेंडर बिना स्टॉक रजिस्टर में दर्ज किए ही वितरण के लिए निकाल दिए गए थे।

रजिस्टर में ओवरराइटिंग भी मिली, जिसे प्रशासन ने गंभीर लापरवाही माना।तहसीलदार ने मौके पर ही एजेंसी प्रबंधन को फटकार लगाई और व्यवस्थाएं तुरंत सुधारने के निर्देश दिए। मामले में आगे की कार्रवाई के लिए नोटिस जारी करने की बात कही गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं के हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।आपको बता दें कि इसी गैस एजेंसी पर गत दिनों एक ग्रामीण ने गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत की थी।

गैस एजेंसी के निरीक्षण के दौरान सिलेंडरों की जांच करते तहसीलदार ।

- **गैस सिलेंडर की खेप को स्टॉक रजिस्टर में दर्ज नहीं किया गया**

गैस नही हो रही बुक,उपभोक्ता परेशान

आंवला, अमृत विचार : बार के पूर्व अध्यक्ष गंगा प्रसाद शर्मा का गैस सिलेंडर बुक नहीं होने से परेशान होकर अध्यक्ष ने एसडीएम से शिकायती पत्र दिया है। बताया कि उनका गैस कनेक्शन अहमद गैस सर्विस पर है। 10 दिन से काफ़ी प्रयास के बाद भी मोबाइल से गैस बुक नहीं हो पा रही है।शुक्रवार को पूर्ति निरीक्षक को भी प्रार्थना पत्र दिया परन्तु हल नहीं हुआ।उन्होंने एसडीएम विदुषी सिंह को शिकायती पत्र देते हुए समस्या का निस्तारण करने कीमांग की है।

न्यूज ब्रीफ

शादी का झांसा देकर बनाए शारीरिक संबंध

मानपुर, अमृत विचार : थाना शीशगढ़ क्षेत्र के ग्राम पड़री में एक युवक को शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाते हुए परिजनों ने पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया । युवती की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

ग्राम पड़री निवासी महिला हसीन जहां ने पुलिस को बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाले नूर हसन बीती रात उनके घर में घुस आया।आरोप है कि युवक ने उनकी पुत्री को शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने को राजी कर लिया।सम्बन्ध बनाते हुए युवती के परिजनों ने मौके से युवक को पकड़ कर डायल 112 को सूचित कर दिया।पुलिस मौके पर पहुंची तो युवक को थाने ले गई।

कैफे से पर्स उड़ाया सीसीटीवी में कैद

नवाबगंज,अमृत विचार : कस्बे के एक कैफे में चोरी की वारदात में आरोपी की हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। क्षेत्र के गांव जवेदा जवेदी निवासी कुलदीप शुक्रवार को कैफे पर पहुंचे था।वहां अपना पर्स निकालकर काउंटर पर रख दिया।इसी बीच एक शातिर ने पर्स अपनी जेब में रख लिया।

झांसा देकर करता रहा दुष्कर्म, शादी से मुकरा

- **शहर के अलग-अलग होटल में ले जाकर बनाए शारीरिक संबंध**
- **अश्लील फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी, सात पर केस**

कैंट,अमृत विचार : युवती को प्रेम जाल में फंसा कर, शादी का झांसा देकर उसे अलग-अलग होटलों में ले जाकर पड़ोसी युवक जबरन धमकाकर 3 साल तक शारीरिक संबंध बनाता रहा। आरोपी ने युवती के अश्लील वीडियो फोटो भी बना लिए। जब युवती ने शादी को कहा, तो मुकर गया। पीड़िता ने मामले की शिकायत एसएसपी से की। एसएसपी के आदेश पर कैंट पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती ने बताया, कि पीलीभीत के थाना बीसलपुर क्षेत्र के गांव मीरपुर वाहनपुर निवासी मुजीब पुत्र इकबाल कुरैशी से 3 साल पहले उसकी जान पहचान हुई थी। इसके बाद मुजीब ने युवती के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। आरोपी ने युवती को प्रेम जाल में फंसा लिया और उसे शहर के कई अलग-अलग होटलों में ले जाकर 3 साल तक शारीरिक संबंध बनाता रहा। युवती ने परेशान होकर परिजनों से शादी की बात करने को कहा। इस पर आरोपी 1 नवंबर 2025 को रात अपने दोस्त आलम, मतलूब तथा चार अज्ञात लोगों को लेकर आया, और युवती की मां से शादी की बात की। रिश्ता तय होने के बाद 15 अप्रैल को शादी होना सुनिश्चित हो गया। शादी होने के 2 दिन पहले 13 अप्रैल को फोन पर आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया अश्लील वीडियो फोटो वायरल करने की धमकी दी। 18 अप्रैल को जबरन मोटरसाइकिल पर बैठा कर ले जाने का प्रयास किया।

बहेड़ी के दो सरकारी स्कूलों से सामान चोरी

बहेड़ी,अमृत विचार : दो गाँवों के सरकारी स्कूलों में शुक्रवार की रात चोरी हो गई। चोर इन्वर्टर-बैटरी और सिलेंडर आदि चुरा ले गए।

जानकारी के अनुसार चोरों ने ढकिया और जवाहरपुर गाँवों में स्थित सरकारी स्कूलों को निशाना बनाया। ढकिया के स्कूल से चोरों ने दो गैस सिलेंडर, दो बैटरियां, दो इनवर्टर, चार कट्टे लाही, करीब पांच किलो सरसों का तेल, मसाले और एक कीबोर्ड चोरी कर लिया। वहीं जवाहरपुर के स्कूल से एक गैस सिलेंडर, एक बैटरी और एक इनवर्टर चुरा ले गए।शनिवार की सुबह स्टाफ स्कूल पहुंचा, तो कमरों के ताले टूटे पड़े थे और सामान बिखरा पड़ा था।सूचना पर पहुँची पुलिस ने जांच-पड़ताल की और दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पांच माह के मासूम के लिए तड़प रही फातिमा

संवाददाता ,नवाबगंज

अमृत विचार : सोशल मीडिया पर शुरू हुई एक प्रेम कहानी अब एक मां के लिए संघर्ष में बदल गई है। जनपद मऊ की रहने वाली फातिमा बीते चार दिनों से अपने पांच माह के बेटे की तलाश में थानों के चक्कर काट रही है, लेकिन कहीं से राहत नहीं मिल रही।

फातिमा के अनुसार, करीब ढाई साल पहले उसकी पहचान इंस्टाग्राम के जरिए नवाबगंज क्षेत्र के सरदार नगर निवासी आशीष से हुई थी। बातचीत बढ़ी और रिश्ता शादी तक पहुंच गया। आरोप है कि युवक ने अपनी असली पहचान छिपाकर खुद को 'रहमान' बताया और उसी नाम से शादी कर ली। ससुराल पहुंचने पर फातिमा को सच्चाई का पता चला, जिसके बाद वह मायके लौट गई, जहां उसने बेटे को जन्म दिया। फातिमा का कहना है कि 21 अप्रैल को आशीष उर्फ रहमान अपने एक साथी के साथ उसके गांव पहुंचा और उसे साथ लेकर वापस आने लगा। आरोप है कि बरेली जंक्शन पर उसने पत्नी को छोड़ दिया और पांच माह के मासूम को लेकर फरार हो गया। बेबस मां किसी तरह सरदार नगर पहुंची, लेकिन वहां भी न पति मिला और न ही बेटा। इसके बाद वह नवाबगंज कोतवाली पहुंची, जहां उसे घटना स्थल बरेली बताते हुए वापस भेज दिया गया। बरेली में भी सुनवाई न होने पर उसे फिर नवाबगंज भेज दिया गया।

चार दिनों से मां अपने बच्चे को पाने के लिए थानों के बीच भटक रही है। थकी-हारी फात्मा अब मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर न्याय की गुहार लगा रही है, लेकिन उसका मासूम अब भी उससे दूर है।

बरात रोककर दूल्हे का गला दबाने का प्रयास

संवाददाता, भुता/शाहजहांपुर

- **दोनों बरातें आमने-सामने आने पर हुआ विवाद, दूल्हे और बरातियों की पिटाई**
- **भुता से गई थी बरात, पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दो आरोपियों को हिरासत में लिया**

अमृत विचार : मीरानपुर कटरा क्षेत्र में एक दलित की बरात को रोक कर मारपीट की गई। आरोपियों ने दूल्हे को जाति सूचक शब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी। घटना का शनिवार को सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दो आरोपियों को हिरासत में लिया है।

बरेली के थाना भुता के गांव पउनगला निवासी मनोज ने कटरा थाने में दी गई तहरीर में बताया कि 20 अप्रैल को उसके बेटे सौरभ की बरात कटरा थाना क्षेत्र के गांव लाईखेड़ा निवासी मुकेश के घर आई थी। रात 10 बजे बरात चढ़ाने के दौरान बारात राजपाल के दरवाजे के सामने पहुंची। गांव के आरोपी सुमित, अमित, सोवेंद्र, अवधेश अपने साथियों के साथ आ गए।

आरोप है कि दूल्हे की बग्गी रोककर जातिसूचक गालियां दी। दूल्हे और बरातियों ने इसका विरोध किया। आरोपी राजपाल साथियों के साथ डंडे आदि लेकर आ गए। दूल्हे को बग्गी से उतारकर गला दबाने का प्रयास किया और मारपीट जान से मारने की धमकी दी। दूल्हे की सांस फूलने लगी।

शोर शराबा होने पर लोग एकत्रित हो गए। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच में आया है कि जिस समय बरात निकल रही थी, आरोपी पक्ष के घर पर भी शादी थी और उनकी भी बरात निकल रही थी। दोनों बरातें के आमने-सामने आने पर विवाद हो गया था। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया और पूछताछ कर रही है।

> गांव में एक ही समय दो शादियां थी। दोनों बरातें संकरी गली से निकल रही थी, जिस कारण विवाद हो गया था। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। – **सौरभ दीक्षित** एसपी

फरीदपुर में गर्भवती भतीजी की पीठ पर चाचा ने मारी लात बिगड़ी हालत,शिकायत

फरीदपुर अमृत विचार : बच्चों के साथ मारपीट कर रहे चाचा से बीच बचाव करने गई चार माह की गर्भवती भतीजी की पीठ पर चाचा ने लात मार दी। इससे गर्भवती की हालत बिगड़ गई। नगर के मोहल्ला भूरेखा गोटिया निवासी युवती ने बताया कि उसके चाचा बबलू बच्चों को डांट रहे थे और उसे भी गाली दे रहे थे जब उसने विरोध किया तो उनके चाचा का बेटा स्वयं घर में घुस आया और छोटी बहनों के साथ मारपीट करने लगा जब मैं मारपीट कर रहे बच्चों को बचाने गई उसके चाचा ने पीठ पर लात मारी जिससे उसकी हालत बिगड़ गई शोर सुनकर आसपास के लोग आ गए तो पीड़िता ने बताया आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए पीड़िता ने कोतवाली पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी है पुलिस मामले की जांच कर रही है

तहसीलदार ने फॉर्मर रजिस्ट्री में पकड़ी कमियां

संवाददाता,मीरगंज

अमृत विचार : शनिवार को तहसीलदार आशीष कुमार सिंह ने फॉर्मर रजिस्ट्री योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से कस्बे के मोहल्ला सराय स्थित एक कॉमन सर्विस सेंटर का औचक निरीक्षण किया। उनके साथ नगर पंचायत चेयरमैन इमराना बेगम भी मौजूद रहीं

इस दौरान केंद्र की कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, तहसीलदार के अनुसार, संबंधित सी एस सी संचालक पिछले लगभग छह महीनों से फॉर्मर रजिस्ट्री के कार्य में कोई रुचि नहीं ले रहा था। किसानों को भी बिना काम किए वापस लौटाया जा रहा था, जो सरकारी योजना के उद्देश्यों के विपरीत है। सभी सी एस सी संचालकों को किसानों की ई-केवाईसी पूरी करने और उनकी भूमि का विवरण जोड़कर फॉर्मर रजिस्ट्री सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि केंद्र पर रेट लिस्ट प्रदर्शित नहीं थी। इसके अतिरिक्त, कार्य के लिए नाबालिगों से काम कराया जा रहा था, प्रशासन ने इस मामले में संचालक को नोटिस जारी किया है।

हवा से भड़की चिंगारी, आग से झोपड़ी राख, तीन मवेशी जिंदा जले

फतेहगंज पूर्वी में निकसुआ गांव में आग से जली झोपड़ी । ● अमृत विचार

संवाददाता, फतेहगंज पूर्वी

अमृत विचार : निकसुआ गांव में शनिवार की शाम अचानक लगी आग से सुशील कुमार और सोमपाल की झोपड़ी चंद मिनटों में राख में बदल गई । आग इतनी तेज थी कि उसमें बंधे तीन मवेशी जिंदा जल गए, जबकि पास खड़ा ट्रैक्टर भी लपटों से नहीं बच सका। दमकल कर्मी भी मौके पर पहुंचे लेकिन उनके वाहन में आग बुझाने को पानी ही नहीं था।

आग की शुरुआत कूड़े के घूरों से हुई, जहां फेंकी गई राख में दबी चिंगारी हवा के चलते सुलग उठी और पास की झोपड़ी तक पहुंच गई। झोपड़ी में रखा भूसा और ज्वलनशील सामान आग के फैलने की बड़ी वजह बना।

घटना के बाद मौके पर पहुंची राजस्व टीम ने नुकसान का जायजा लिया। ग्रामीणों के मुताबिक सूचना के बाद दमकल वाहन मौके पर तो पहुंचा, लेकिन उसमें आग बुझाने के लिए पानी ही नहीं था। ऐसे में हालात और बिगड़ गए। मजबूरन गांव वालों ने ट्यूबवेल से पानी खींचकर खुद ही आग से जंग लड़ी और काफी मशक्कत के बाद लपटों पर काबू पाया।

तहसीलदार शुभम पाण्डेय ने बताया कि निकसुआ गांव में आग लगने की सूचना मिलते ही राजस्व टीम को मौके पर भेजा गया। प्रारंभिक जांच में सुशील कुमार व सोमपाल की झोपड़ी जलने तथा मवेशियों की मौत की पुष्टि हुई है। हल्का लेखपाल को तत्काल नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। दमकल की व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों की शिकायतों की भी जांच कराई जा रही है। यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

750 ग्राम अफीम के साथ दो दबोचे

आंवला अमृत विचार:शनिवार को थाना आंवला पुलिस ने ग्राम रमनगला के पास पेट्रोल पंप के पास से घेराबंदी कर दो आरोपियों को दबोचा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान हिरदेश पुत्र जानकी, निवासी ग्राम सिरोही, थाना भमौरा, सोनू ,निवासी ग्राम सिरोही, थाना भमौरा के रुप में हुई है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेंडरिंग निविदा सूचना

सं. 17/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई–टेंडरिंग) के माध्यम से "**खुली**" निविदा आमंत्रित करते हैं। **क्र.सं. 1. कार्य का विवरण:** व.मं.इं. /मुख्यालय /इज्जतनगर के अधिकार क्षेत्र में समइं /लाइन के अंतर्गत लालकुआँ–कासगंज अनुभाग में टी.एफ.आर. का कार्य।; **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹8,49,18,389.19; **बयाना राशि (₹में):** 16,98,400/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 08 माह। **क्र.सं. 2. कार्य का विवरण:** इज्जतनगर मंडल के व.मं.इं. /मुख्यालय के अधिकार क्षेत्र में हाई लेवेल प्लेटफॉर्म का विस्तार (बदायूँ प्लेटफॉर्म 1 एवं 2), **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹3,96,16,756.93; **बयाना राशि (₹में):** ₹7,92,400/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 06 माह। 1. ई–निविदा दिनांक 18.05.2026 को 15:00 बजे तक ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। 2. ई–निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजी०)

मुजाधि / डब्ल्यू–50 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी / सिगरेट न पियें

कार्यालय ग्राम पंचायत पतरासा कुंवरपुर वि.खं. बरखेड़ा कला जनपद (पीलीभीत)

निविदा आमंत्रण सूचना

पंजीकृत फर्मो / आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पतरासा कुंवरपुर की वित्तीय वर्ष 2026–27 की कार्य योजना के अंतर्गत 15 वां/16वां वित्त आयोग, पंचम/छटा राज्य वित्त आयोग, मनरेगा, एसएलडब्लूएम, एसबीएम, आरजीएसए, आईसीडीएस आदि की धनराशि से सीसी, इंटरलॉकिंग, खड़ंजा, गौशाला, आंगनवाड़ी, स्कूल, बाउंड्रीवॉल, पंचायत घर, सोलर, एलईडी लाइट, पशु शैड, शौचालय, शोखफिट, अंत्येष्टि स्थल, नाली नाला, सीसी, स्कूल भवन, कायाकल्प, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, पानी की टंकी, पाईप लाइन, अमृत सरोवर, तालाब, समरसेविल, खाद के गड्ढे, कचरा संग्रहण हेतु ई–रिक्शा आदि का नव निर्माण/मरम्मत/रखरखाव, पौधारोपण, फर्नीचर, दरी इत्यादि खरीद, हयूम पाइप, हैंड पंप स्थापना/मरम्मत/रिवोर, वॉल पेंटिंग, बिजली फिटिंग, एलईडी बल्ब, कैमरा सीसी टीवी व अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराये जाने हैं। उक्त कार्य के लिए सामग्री क्रय हेतु जिसमें पेंट, ईट, रोड़ा, सीमेंट, मौरंग, रेत, लोहा, बजरी, सरिया, टाइल्स, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, प्रचार, प्रसार, सामग्री पटान हेतु मिट्टी/राख/रोड़ी, सैनेटाइजिंग,फागिग, सफाई हेतु ठेली क्रय/मरम्मत, स्प्रे मशीन, सफाई उपकरण व अन्य सामग्री/वस्तुओं की आपूर्ति के लिए कुटेशन/सील बंद निविदाएं दिनांक 04.05.2026 को सायं 5.00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। जो दिनांक 05.05.2026 को प्रातः 11:00 बजे पंचायत घर पर खोली जाएगी। कुटेशन/निविदा को स्वीकृति/अस्वीकृत एवं निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित रहेगा एवं कोई भी दावा मान्य नहीं होगा। कार्य योजना ऑनलाइन ई ग्राम स्वराज पोर्टल पर उपलब्ध है एवं पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

आरती देवी (ग्राम प्रधान) **योगेश कुमार (सचिव)**

कार्यालय ग्राम पंचायत पतरसिया वि.खं. बरखेड़ा कला जनपद (पीलीभीत)

निविदा आमंत्रण सूचना

पंजीकृत फर्मो / आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पतरसिया की वित्तीय वर्ष 2026–27 की कार्य योजना के अंतर्गत 15 वां/16वां वित्त आयोग, पंचम/छटा राज्य वित्त आयोग, मनरेगा, एसएलडब्लूएम, एसबीएम, आरजीएसए, आईसीडीएस आदि की धनराशि से सीसी, इंटरलॉकिंग, खड़ंजा, गौशाला, आंगनवाड़ी, स्कूल, बाउंड्रीवॉल, पंचायत घर, सोलर, एलईडी लाइट, पशु शैड, शौचालय, शोखफिट, अंत्येष्टि स्थल, नाली नाला, सीसी, स्कूल भवन, कायाकल्प, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, पानी की टंकी, पाईप लाइन, अमृत सरोवर, तालाब, समरसेविल, खाद के गड्ढे, कचरा संग्रहण हेतु ई–रिक्शा आदि का नव निर्माण/मरम्मत/रखरखाव, पौधारोपण, फर्नीचर, दरी इत्यादि खरीद, हयूम पाइप, हैंड पंप स्थापना/मरम्मत/रिवोर, वॉल पेंटिंग, बिजली फिटिंग, एलईडी बल्ब, कैमरा सीसी टीवी व अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराये जाने हैं। उक्त कार्य के लिए सामग्री क्रय हेतु जिसमें पेंट, ईट, रोड़ा, सीमेंट, मौरंग, रेत, लोहा, बजरी, सरिया, टाइल्स, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, प्रचार, प्रसार, सामग्री पटान हेतु मिट्टी/राख/रोड़ी, सैनेटाइजिंग,फागिग, सफाई हेतु ठेली क्रय/मरम्मत, स्प्रे मशीन, सफाई उपकरण व अन्य सामग्री/वस्तुओं की आपूर्ति के लिए कुटेशन/सील बंद निविदाएं दिनांक 04.05.2026 को सायं 5.00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। जो दिनांक 05.05.2026 को दोपहर 01:00 बजे पंचायत घर पर खोली जाएगी। कुटेशन/निविदा को स्वीकृति/अस्वीकृत एवं निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित रहेगा एवं कोई भी दावा मान्य नहीं होगा। कार्य योजना ऑनलाइन ई ग्राम स्वराज पोर्टल पर उपलब्ध है एवं पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

हरिनन्दन गंगवार (ग्राम प्रधान) **योगेश कुमार (सचिव)**

कार्यालय नगर पंचायत खुटार जनपद- शाहजहांपुर

पत्रांक: 399/न.पं.खु./ई–टेण्डर/2026–27 दिनांक: 24.04.2026

ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत खुटार, शाहजहांपुर के द्वारा स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार/ केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में सक्षम श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाता से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर 15 वां वित्त आयोग एवं राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत मद से कार्य हेतु प्राप्त धनराशि के सापेक्ष निविदा वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर ऑनलाइन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्नवत् है:–

E-Tender Publish Date and Time	24-04-2026 at 05:00 PM
Last Date and Time for submission of E bid	09-05-2026 up 05:00 PM
E-Tender Opening Date	11-05-2026 From 11:00 AM
Place of Opening of E-Bid	Nagar Panchayat Khutar, Shahjahanpur
E-Tender Document Processing	टेण्डर हेतु आवश्यक प्रपत्रों हेतु अपलोड निविदा में देखें।
E-Tender tender Fee	टेण्डर मूल्य/शुल्क हेतु अपलोड निविदा देखें।
E-Tender Security	10 प्रतिशत

नोटः– सम्बन्धित निविदा शर्ते व विस्तृत विवरण एवं समस्त कार्यवाही ई–टेण्डर वेबसाइट https://www.etender.up.nic.in पर की जायेगी।

कल्पना शर्मा **मैना देवी**

अधिशासी अधिकारी **अध्यक्ष**

नगर पंचायत खुटार, शाहजहांपुर **नगर पंचायत खुटार, शाहजहांपुर**

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

विज्ञप्ति का प्रारूप

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अलकेश सिंह पुत्र श्री कुशल पाल सिंह पता–77/19 गोल्डन ग्रीन पार्क बीसलपुर रोड जिला–बरेली द्वारा निर्माण स्थल–प्लाट नम्बर–12, खसरा संख्या–72 से 78 व 85 निर्माण नगर नवादा जोगियान तहसील व जिला बरेली क्षेत्रफल–259.56 वर्गमी. भूमि पर 'होटल भवन' निर्माण की अनुज्ञा हेतु आन लाईन मैप नम्बर–बी.डी.ए./बी.पी./25–26/0959 स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया है। स्थल प्राधिकरण द्वारा स्वीकृति निर्माण नगर कालोनी का आवासीय प्लाट है।

मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा आदश (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन– 2025 के प्रस्तर 15.1.2 के बिन्दु संख्या–2.5 के अन्तर्गत 'होटल क्रिया' (20 कमरों तक) आवासीय भू–उपयोग में न्यूनतम 9 मी. चौड़ा मार्ग होने पर अनुमन्य है। प्रस्तर 15.1.3 के बिन्दु (iv) में उल्लेख है कि 'महायोजना भू–उपयोग अथवा अनुमोदित ले–आउट में परिभाषित भू–उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्ति/सुझाव आमंत्रित करने के उपरान्त दी जाएगी।' उक्त के क्रम में जन–सामान्य को कोई आपत्ति/सुझाव देने है तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर प्राधिकरण मानचित्र लिपिक को प्राप्त करा सकते है। नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति/सुझाव को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उपाध्यक्ष

बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली।

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

विज्ञप्ति का प्रारूप

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री शुभांशु वर्मा पुत्र श्री डालचन्द वर्मा निवासी–राजकीय महिला पॉलिटेक्नक, जी.टी.आई. टाइप–4, क्वार्टर–3, सीबी गंज, बरेली द्वारा निर्माण स्थल–गाटा संख्या–322, 323 ग्राम मकरन्दपुर ठाकुरान तहसील मीरगंज जिला, बरेली कुल क्षेत्रफल–338.21 वर्गमी. भूमि पर 'बजट होटल' की अनुज्ञा हेतु ऑन लाइन मानचित्र संख्या–बी.डी.ए./बी.पी./24–25/0341 प्रस्तुत किया गया है। बरेली मायोजना–2031 के अनुसार स्थल का भू–उपयोग 'हाईवे फैसेलिटी' में दर्शित है। उत्तर प्रदेश के विकास प्राधिकरणों हेतु मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन–2025 के प्रस्तर 15.3.2 के उप प्रस्तर–2.5 के अनुसार 'होटल क्रिया' (20 कमरों तक) हाईवे फैसेलिटी भू–उपयोग में न्यूनतम न्यूनतम 18.00 मीटर चौड़े मार्ग पर अनुमन्य है।

आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन–2025 के प्रस्तर 15.1.3 के बिन्दु संख्या–(iv) में उल्लेख है कि 'महायोजना भू–उपयोग अथवा अनुमादित ले–आउट में परिभाषित भू–उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्ति/सुझाव आमंत्रित करने के उपरान्त दी जाएगी'। उक्त के क्रम में जन–सामान्य को कोई आपत्ति/सुझाव देने है, तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर प्राधिकरण मानचित्र लिपिक को प्राप्त करा सकते है। नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति/सुझाव को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उपाध्यक्ष

बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली।

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

विज्ञप्ति का प्रारूप

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि The Regular Tertiary Franciscan Sisters of our Lady of Bon Secours Society no. 100/1956 Madha Church Road Mylapore Chennai-600028 by President A Maria Philomi D/o Antomy Muthu Residing at No. 2 Rajendra Prasad Road, C-Pallavaram Chennai-600043 Kancheepuram-DT. Tamil Nadu ने ग्राम पुरनापुर तहसील व जिला बरेली द्वारा निर्माण स्थल–खसरा नम्बर–695 (पार्ट) 696, 700, 701 बांके ग्राम पुरनापुर तहसील व जिला बरेली रोड बाइडनिंग, ग्रीन बेल्ट सहित कुल क्षेत्रफल–24219.00 वर्गमी. (रोड बाइडनिंग एरिया–168.50 वर्गमी. ग्रीन बैल्ट क्षे.–546.10 वर्गमीटर) अतः भूखण्ड का कुल नेट क्षेत्र.–23504.40 वर्गमी. भूमि पर 'डिग्री कॉलेज' की अनुज्ञा हेतु ऑन लाइन मानचित्र संख्या–बी.डी.ए./बी.पी./25–26/0231 प्रस्तुत किया गया है। बरेली महायोजना–2031 के अनुसार खसरा संख्या–695(पार्ट), 696, 700, 701 का भू–उपयोग 60 मीटर चौड़े महायोजना मार्ग के बाद 30 मीटर चौड़ा ग्रीन बैल्ट के उपरान्त आवासीय में दर्शित है। उत्तर प्रदेश के विकास प्राधिकरणों हेतु मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन–2025 के प्रस्तर 15.3.2 के प्रस्तर–5.3 के अनुसार 'डिग्री कॉलेज' आवासीय भू–उपयोग में न्यूनतम 18.00 मीटर चौड़ा पहुंच मार्ग होने पर अनुमन्य है।

आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन–2025 के प्रस्तर 15.1.3 के बिन्दु संख्या–(iv) में उल्लेख है कि 'महायोजना भू–उपयोग अथवा अनुमोदित ले–आउट में परिभाषित भू–उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्ति/सुझाव आमंत्रित करने के उपरान्त दी जाएगी'। उक्त के क्रम में जन–सामान्य को कोई आपत्ति/सुझाव देने हो, तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर प्राधिकरण मानचित्र लिपिक को प्राप्त करा सकते है। नियत तिथि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति/सुझाव को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उपाध्यक्ष

बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली।

कार्यालय नगर पंचायत खुटार, जनपद शाहजहांपुर

पत्रांक: 400/न.पं.खु./2026–27 **निविदा सूचना** दिनांक: 24.04.2026

समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2026–27 हेतु नगर पंचायत खुटार में अवस्थापना निधि के अंतर्गत निम्न कार्यो हेतु निविदायें दिनांक 09.05.2026 अपरान्ह 04:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है बिक्री दिनांक 08.05.2026 को अपरान्ह 04:00 बजे तक नगर पंचायत कार्यालय खुटार में की जायेगी। निविदायें दिनांक 11.05.2026 समय पूर्वान्ह 11:00 बजे अद्योहस्ताक्षरी द्वारा कार्यालय नगर पंचायत खुटार में खोली जायेगी।

1. कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् है:–

क्र.	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	बिड सिक्योरिटी (ई.एम.डी.)	निविदा का मूल्य (18% जी.एस.टी. सहित)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
15 वां वित्त आयोग के अन्तर्गत–						
1.	शाहजहांपुर	मो. नरायनपुर में सुभाष चन्द्र मिश्रा के मकान के पास नाली व सी.सी. सड़क उच्चीकरण का कार्य।	185967.00	3719.00	236.00	01 माह
2.	शाहजहांपुर	मो. इन्दिरा नगर में हबीब पूर्व सभासद के मकान के पास नाली व इन्टरलॉक सड़क निर्माण कार्य।	135253.00	2705.00	177.00	01 माह
15 वां वित्त आयोग के अन्तर्गत–						
1.	शाहजहांपुर	मो. पूर्वी गढ़ी में सत्यप्रकाश सभासद व इन्द्रपाल के मकान के पास इण्टरलॉक सड़क व नाली निर्माण कार्य।	135253.00	2705.00	177.00	01 माह

अधिशासी अधिकारी **अध्यक्ष**

नगर पंचायत खुटार, शाहजहांपुर **नगर पंचायत खुटार, शाहजहांपुर**

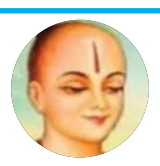

'तुलसी' सब छल छांड़िकै, कीजै राम-सनेह
अंतर पति सों है कहा, जिन देखी सब देह

गोस्वामी तुलसी दास कहते हैं, सब छल-कपटों को छोड़ कर भगवान की सच्चे दिल से भक्ति करो। जैसे पति अपनी पत्नी के सारे शरीर के रहस्यों को जानता है, वैसे ही प्रभु सारे जीवों के सब कर्मों को जानता है।

सिर्फ नंबर नहीं, समग्र विकास पर हो शिक्षा का ध्यान

> नई शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में यह भी जरूरी हो जाता है कि हम केवल परीक्षा परिणामों पर ही केंद्रित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास पर ध्यान दें। आज का विद्यार्थी केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर व्यावहारिक, नैतिक और तकनीकी ज्ञान से भी सुसज्जित होना चाहिए। परिणामों के विश्लेषण से यह भी स्पष्ट होता है कि जिन विद्यालयों में नियमित शैक्षणिक वातावरण और अनुशासन बना रहा, वहां सफलता का प्रतिशत अधिक रहा है।

ज्ञान से बड़ा कुछ भी पवित्र नहीं है। ज्ञान भौतिक संसार की सभी उपलब्धियों को प्राप्त करने का उपकरण है। जो लोग इस भौतिक संसार से पृथक अन्य लोकों का भी अस्तित्व मानते हैं, वह लक्ष्य भी ज्ञान मार्ग से ही प्राप्त होना संभव बताया गया है। ज्ञान प्राप्ति का सर्वश्रेष्ठ उपकरण है शिक्षा। भारतीय इतिहास के वैदिक काल में शिक्षा प्राप्ति को अन्य उपलब्धियों से श्रेष्ठ बताया गया है। तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में शिक्षा को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का साधन बताया गया है। कभी भारतीय ज्ञान का डंका समूचे विश्व में छाया हुआ था। उच्च शिक्षा के कारण ही भारत को विश्वगुरु कहा जाता था।

छान्दोग्य उपनिषद में नारद को व्यथित बताया गया है। व्यथित नारद सनत कुमार के पास पहुंचे। उन्होंने सनत कुमार को अपनी व्यथा बताई। सनत कुमार ने नारद से पूछा कि आपने अब तक क्या-क्या पढ़ा है। नारद ने बताया, 'हे भगवन मैंने ऋग्वेद सहित सभी वेद पढ़े हैं। भूगर्भ विद्या, नक्षत्र विद्या, आकाश विद्या, गणित, ज्योतिष आदि अनेक विषय पढ़े हैं। उपनिषद में यह सूची काफी बड़ी है। इसका अर्थ यह निकलता है प्राचीन भारत में अनेक विषय पढ़े और पढ़ाए जाते थे। आज की ज्ञान परंपरा में वैदिक काल और उसके पहले से लेकर आधुनिक काल तक सभी विषय प्रासंगिक हैं। शिक्षा या विद्यार्थी जीवन पुरुषार्थ का स्वर्ण काल है। प्राचीन काल में शिक्षा के सभी अनुशासन पढ़े-पढ़ाए जाते थे।

नई शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में यह भी जरूरी हो जाता है कि हम केवल परीक्षा परिणामों पर ही केंद्रित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास पर ध्यान दें। आज का विद्यार्थी केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर व्यावहारिक, नैतिक और तकनीकी ज्ञान से भी सुसज्जित होना चाहिए। परिणामों के विश्लेषण से यह भी स्पष्ट होता है कि जिन विद्यालयों में नियमित शैक्षणिक वातावरण और अनुशासन बना रहा, वहां सफलता का प्रतिशत अधिक रहा है। संप्रति शिक्षा-नौकरी और जीवन यापन की सुविधाएं जुटाने का यंत्र बन गई है। सरकारें अपने ढंग से अपने देश और राज्य के क्षेत्र में शिक्षा का प्रबंधन करती हैं। निजी क्षेत्र में भी शिक्षा के तमाम तरह के अनुशासन हैं। शिक्षा महंगी है और वह संस्कृति और दर्शन तथा ज्ञान प्राप्ति का उपकरण नहीं है। परीक्षाओं में ज्यादा से ज्यादा अंक पाने की होड़ रहती है।

विद्यार्थी अधिक अंक पाने के तनाव में रहते हैं। आत्महत्याएं होती हैं। शिक्षार्थी को अध्ययन के दौरान ज्ञान का आनंद नहीं मिलता। निजी क्षेत्र के विद्यालयों में एक समान पाठ्यक्रम नहीं है। कुछ विद्यालय कक्षा एक से पढ़ाई शुरू करवाते हैं। कुछ विद्यालय पहली कक्षा से भी पहले की कक्षाएं केजी, नर्सरी आदि नामों से चलवाते हैं। सीबीएसई पूरे देश में लागू एक केन्द्रीयकृत शिक्षा व्यवस्था है। बेशक इससे पूरे देश में एक समान शिक्षा का पाठ्यक्रम बनाया जाता है, लेकिन विद्यार्थियों को अध्ययन के समय आनंदित करने के कोई उपाय नहीं हैं।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाएं संचालित करता है। इसी के परिणाम इसी सप्ताह घोषित हुए थे। लड़कियों ने लड़कों की अपेक्षाकृत उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जिन बेटियों को अच्छे अंक मिले हैं, उन्हें बधाई। उनके परिजनों को बधाई। उनके गुरुजनों को बधाई। अभी कुछ ही दिनों में महाराष्ट्र बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई के परिणाम आने वाले हैं। एमपी बोर्ड के नतीजे पहले ही आ चुके हैं।

ज्यादा अंक पाने वाले परीक्षार्थियों के घरों में भी इस बात का तनाव है कि उन्हें और अधिक नंबर क्यों नहीं मिले। मेरी अपनी पढ़ाई उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित विद्यालय से हुई है। तब परीक्षाफल घोषित होने के दिन उल्लास होता था। कुछ फेल होते थे कुछ पास, लेकिन शैक्षिक वातावरण तनावपूर्ण नहीं होता था। इधर 20-25 वर्षों में जो उत्तीर्ण हैं, वे भी रुआंसे हैं कि और अधिक अंक क्यों नहीं मिले। जो फेल हो गए हैं, उनके घर वाले सारा दोष बच्चों पर ही डाल रहे हैं।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी है। प्रतिस्पर्धा के कारण तनाव बढ़ता है, इसलिए विद्यालयों में काउंसलिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। समय पर सही मार्गदर्शन मिलना आवश्यक है। कौशल आधारित शिक्षा पर भी जोर देना होगा। केवल पारंपरिक पढ़ाई पर्याप्त नहीं है। आईटी, उद्यमिता और कृषि जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण जरूरी है। इससे छात्र आत्मनिर्भर बनेंगे। मूल्य शिक्षा से विद्यार्थियों में नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित होगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। वैदिक काल में शिक्षा जीवन से जुड़ी थी। वेद और उपनिषदों में ज्ञान, विज्ञान और नैतिकता का समन्वय मिलता है। तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय विश्व में प्रसिद्ध थे। यहां दूर-दूर से विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने आते थे। गुरुकुल परंपरा में गुरु और शिष्य का संबंध गहरा होता था। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी था।

मुगल काल और अंग्रेजी शासन के दौरान इस स्वदेशी शिक्षा व्यवस्था को अपेक्षित संरक्षण नहीं मिला। पारंपरिक संस्थाएं कमजोर हुईं। हमारी मूल ज्ञान परंपरा प्रभावित हुई। आज आवश्यकता है कि हम अपनी इस समृद्ध परंपरा के श्रेष्ठ तत्वों को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ें। इससे आने वाली पीढ़ी मजबूत, संस्कारित और आत्मनिर्भर बन सकेगी।

अकेले विद्यार्थी ही परीक्षा परिणामों के लिए दोषी नहीं होते। उनकी सफलता या असफलता में आचार्य का भी श्रम अंतर्निहित होता है। इस वर्ष के परिणामों में जहां एक ओर विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण की झलक स्पष्ट दिखाई देती है, वहीं दूसरी ओर शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता भी महसूस होती है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच जो शैक्षिक असमानता है, उसे कम करना समय की मांग है। इसके लिए आवश्यक है कि संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित किया जाए और डिजिटल शिक्षा के माध्यमों को हर छात्र तक पहुंचाया जाए।

घर परिवार के लोग भी उचित वातावरण देने के लिए जिम्मेदार होते हैं। समाज भी व्यापक प्रभाव डालता है। संस्कृति और विद्यालय में पढ़ाई जाने वाले पाठ्यक्रम को भी इस जिम्मेदारी में सम्मिलित किया जाना चाहिए। मूलभूत प्रश्न है कि बच्चों को मिले अंक और तनाव की जिम्मेदारी किस पर डाली जाए। बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उन्हें प्रोत्साहित करना और उनकी रुचियों को समझना अधिक आवश्यक है।

हर विद्यार्थी की क्षमता अलग होती है, और उसी के अनुरूप उसे मार्गदर्शन मिलना चाहिए। असफलता को भी सीखने के अवसर के रूप में स्वीकार करना हमारी शिक्षा संस्कृति का हिस्सा बनना चाहिए। चुनौती बड़ी है। टीवी खोलो तो युद्ध का धुआं है। पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है। जैव विविधता पर संकट है। ग्लोबल वार्मिंग हैं। सारा वातावरण बच्चों को अवसाद की ओर ले जाता है, इसलिए सारा दोष बच्चों पर ही डालना उचित नहीं है। यह विषय गंभीर महत्व का है। इस पर चिंतन होना चाहिए। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

घुमंतू व वंचित समुदायों में शिक्षा से जुड़ाव बेहद कम

भारत में घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों की स्थिति पर नीति आयोग और यूनेस्को जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट बताती है कि इन समुदायों के बच्चों का नामांकन और निरंतर शिक्षा से जुड़ाव बेहद कम है। राष्ट्रीय स्तर पर देखा जाए तो भारत में प्राथमिक स्तर पर नामांकन दर लगभग 95 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, लेकिन घुमंतू समुदायों के बच्चों में यह दर कई क्षेत्रों में 60 से 70 प्रतिशत तक ही सीमित रह जाती है। वहीं ड्रॉपआउट दर सामान्य आबादी में जहां माध्यमिक स्तर पर लगभग 12–15 प्रतिशत है, वहीं घुमंतू और प्रवासी परिवारों में यह 40 प्रतिशत से भी अधिक पाई जाती है।

निकिता
एक्टिविस्ट

इनकी भूमि के पट्टे आज भी कागजों और अदालतों में उलझे हुए हैं। इस अस्थिरता के कारण लोग अपने घर, भविष्य और बच्चों की शिक्षा को लेकर आश्वस्त नहीं हो पाते हैं। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रवासी और घुमंतू परिवारों के लगभग 30 प्रतिशत बच्चों के पास बुनियादी पहचान के दस्तावेज नहीं होते, जिससे उनका स्कूल में नामांकन बाधित होता है।

पलायन और घुमंतू समुदाय की सबसे बड़ी समस्या उनकी पहचान की होती है। स्थाई निवास नहीं होने के कारण, उनके बच्चों के पास जन्म प्रमाण पत्र, आधार या जाति प्रमाण पत्र नहीं होते, जिससे वे सरकारी योजनाओं और स्कूलों में प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। बाबा रामदेव नगर बस्ती में भी यही स्थिति देखने को मिलती है, जिसकी वजह से यहां के अधिकतर बच्चों का स्कूल में दाखिला नहीं हो पाता। इसके अलावा, शिक्षा के ढांचे की कमी भी एक बड़ी समस्या है।

> भारत में घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों की स्थिति पर नीति आयोग और यूनेस्को जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट बताती हैं कि इन समुदायों के बच्चों का नामांकन और निरंतर शिक्षा से जुड़ाव बेहद कम है। भारत में प्राथमिक स्तर पर नामांकन दर लगभग 95 प्रतिशत तक ही पहुंच सकी है।

आर्थिक तंगी भी शिक्षा में एक बड़ी बाधा है। कई परिवारों के लिए रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना ही चुनौती है, ऐसे में बच्चों को स्कूल भेजना उनके लिए अतिरिक्त बोझ बन जाता है। बच्चों, खासकर लड़कियों, को घर के कामों और मजदूरी में लगना पड़ता है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार भारत में बाल मजदूरी की समस्या का एक बड़ा हिस्सा प्रवासी और घुमंतू परिवारों से आता है, जहां लगभग 10 मिलियन बच्चे किसी न किसी रूप में काम कर रहे हैं। यह आंकड़ा बताता है कि शिक्षा और आजीविका के बीच बच्चों को अक्सर कठिन चुनाव करना पड़ता है।

कोविड महामारी ने इस स्थिति को और खराब कर दिया। इस दौरान स्कूल बंद हो गए और ऑनलाइन शिक्षा का विकल्प उन बच्चों के लिए लगभग असंभव था, जिनके पास न तो स्मार्टफोन थे और न ही इंटरनेट की सुविधा। वर्ल्ड बैंक के अनुसार महामारी के कारण भारत में लगभग 247 मिलियन बच्चों की शिक्षा प्रभावित हुई और इनमें से बड़ी संख्या प्रवासी और गरीब परिवारों की थी। इस पूरी स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा पर कई स्तरों पर समस्याओं का पहरा है, जिनमें पहचान की कमी, आर्थिक तंगी, असुरक्षित माहौल, सामाजिक सोच और कमजोर शैक्षिक ढांचा प्रमुख है। (ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

'साइलेंट किलर' बन रही है लू

भारत में लू अब एक गंभीर मौसमी आपदा के रूप में उभर रही है, जिसे विशेषज्ञ 'साइलेंट किलर' का नाम दे रहे हैं, क्योंकि यह बिना शोर मचाए शरीर का पानी सोख लेती है और जीवन पर भारी पड़ जाती है। इस अदृश्य आफत का सबसे क्रूर वार बुजुर्गों, मासूम बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बीमार व्यक्तियों, दिहाड़ी मजदूरों, झोपड़ी-पट्टी में रहने वाले परिवारों और बेघर लोगों पर होता है।

असंगठित क्षेत्र में खुले आसमान के नीचे पसीना बहाने वाले श्रमिकों के लिए तो हर दोपहर जानलेवा साबित हो सकती है। लगातार बढ़ता तापमान शरीर की कार्यप्रणाली को झकझोर देता है और समय पर उपचार न मिले तो स्थिति कुछ ही पलों में गंभीर हो जाती है। गर्मी सहने की भी एक सीमा होती है और जब पारा उस सीमा को लांघता है, तो इंसानी सेहत के साथ-साथ देश की उत्पादकता भी झुलसने लगती है, इसलिए हीट वेव से बचाव और जोखिम न्यूनीकरण की तैयारी अब विलासिता नहीं, जीवन की अनिवार्य शर्त बन चुकी है।

डॉ. नंद किशोर
लेखक

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, कानपुर की कार्यशाला में विशेषज्ञों ने साफ किया कि तेज बुखार, लगातार उल्टी और दस्त लू के प्रमुख लक्षण हैं। ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल राहत के उपाय करें। भीगे गमछे या तौलिए को सिर पर रखें, चेहरे को ठंडे पानी से बार-बार पोछें। आम का पना, सत्तू का घोल, नारियल पानी, ओआरएस और ग्लूकोज का नियमित सेवन शरीर में खोए हुए लवण और पानी की भरपाई करता है। लू के प्रकोप को थामने का सबसे सरल मंत्र है कि प्यास न लगे तब भी थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीते रहें।

तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककड़ी जैसे फलों और बेल, सौंफ, पुदीना, धनिया के शर्बत, छाछ, लस्सी, नींबू पानी को दिनचर्या में शामिल करें। हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें और दोपहर 12 से तीन बजे के बीच सीधी धूप में निकलने से बचें। बाहर जाना जरूरी हो तो छाता, गमछा, पानी की बोतल और टोपी को अपना सुरक्षा कवच बना लें। बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं पर विशेष नजर रखना बेहद जरूरी है।

अगर बच्चे के पेशाब का रंग गहरा हो रहा है, तो यह डिहाइड्रेशन का स्पष्ट संकेत है। उन्हें लगातार पानी पिलाएं। पास में पानी होने पर हम अनजाने में भी घूंट-घूंट पीते रहते हैं। किसी भी हालत में बच्चों या पालतू जानवरों को धूप में खड़ी गाड़ी में अकेला न छोड़ें। लगातार धूप और लू के थपेड़े किडनी तक को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

खेतों में काम करने वाले किसानों और खुले में काम करने वाले श्रमिकों के लिए खतरा दोगुना है। कार्यस्थल पर ठंडा जल उपलब्ध कराना, भारी काम सुबह या शाम के ठंडे पहर में कराना और दोपहर में छायादार विश्राम सुनिश्चित करना मालिकों की नैतिक जिम्मेदारी है। शराब, चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक और बासी-भारी भोजन से परहेज करें, क्योंकि ये शरीर को निर्जलित करते हैं। खाना पकाने के लिए हवादार जगह चुनें। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

राजनीति की दशा-दिशा बदलने की युवा सोच

> युवा वर्ग करप्शन फ्री इंडिया चाहता है और इन्हीं में से एक समूह वर्तमान राजनीतिक हालात पर असंतोष जताता है, तो हमारी यह जिम्मेदारी बनती है कि उसे राजनीति की अच्छाई से अभी अवगत कराया जाए। कुछ अलग पॉजिटिव-क्रिएटिव करने को उत्साहित करें।

शरीर के मुकाबले सोच युवा हो तो जमाना कभी नहीं गुजरता। हर दिन नया करना और सीखना ही जिंदगी जीने का दूसरा नाम है। इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कानून, उद्यम से अलग राजनीतिक में भी भविष्य बनाने का जज्बा युवाओं में कम नहीं है। सोच राजनीति की दशा और दिशा बदलने की है। वैसे, दक्षिण एशिया के दो प्रमुख युवाओं के नाम इन दिनों चर्चा में हैं। हाल ही में टाइम मैगजीन की 2026 की 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में दक्षिण एशिया के दो प्रमुख युवा नेताओं को शामिल किया गया। दोनों अपने-अपने देशों में सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में उभरे हैं। एक हैं बालेन शाह और दूसरे हैं तारिक रहमान। बीते दिनों जहां बालेन शाह नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने, वहीं तारिक रहमान ने भी बतौर सबसे युवा प्रधानमंत्री बांग्लादेश का नेतृत्व संभाला है।

जमीनी हकीकत यह है कि लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक दलों के बिना सरकार का कोई अस्तित्व नहीं है। युवा नेतृत्व से राजनीति की दशा और दिशा बदल सकती है। कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता युवा वर्ग की पहचान कराती है। अपने देश में अगर युवा वर्ग करप्शन फ्री इंडिया चाहता है और इन्हीं में से एक समूह वर्तमान राजनीतिक हालात पर असंतोष जताता है, तो हमारी यह जिम्मेदारी है कि उसे राजनीति की अच्छाई से अभी अवगत कराया जाए। राजनीति में परिवारवाद एवं जातिवाद के ही पहलू से अलग कुछ पॉजिटिव-क्रिएटिव कर गुजरने को उत्साहित करें।

अजय दयाल
हल्द्वानी

आंकड़ों पर गौर करें, तो पाएंगे कि भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा जनसांख्यिकी (15-29 वर्ष) वाला देश है, जिसमें लगभग 35 करोड़ से अधिक युवा आबादी है। हालिया रिपोर्ट (2025-26) के अनुसार, मेरा युवा भारत पोर्टल पर 35 लाख से अधिक युवा पंजीकृत हैं। यह युवा शक्ति देश के लगभग 36 प्रतिशत सकल राष्ट्र आय में योगदान भी दे रही है।

अगर राजनीतिक और सामाजिक सहभागिता पर चर्चा करें तो पाते हैं कि लगभग 30 प्रतिशत युवा सक्रिय राजनीति से दूरी बनाए हुए हैं, जबकि 25 प्रतिशत बिना किसी दल से जुड़े राजनीतिक चर्चाओं में भाग लेते हैं। केवल 11 प्रतिशत ही किसी राजनीतिक दल के सक्रिय सदस्य हैं। राजनीति के मुकाबले उद्यमशीलता में दिलचस्पी रखने वाले युवाओं की गणित भी समझिए। 49 प्रतिशत युवा सामाजिक उद्यमी बनना चाहते हैं, लेकिन 58 प्रतिशत को फंडिंग और 39 प्रतिशत को सही मार्गदर्शन की आवश्यकता महसूस होती है। जनसांख्यिकीय आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2021 में कुल जनसंख्या में 15-29 वर्ष के युवाओं की हिस्सेदारी 27.2 प्रतिशत थी, जो 2036 तक घटकर 22.7 प्रतिशत होने का अनुमान है। सर्वेक्षण कहते हैं कि युवा पारंपरिक राजनीति के बजाय मुद्दों पर आधारित राजनीति में अधिक रुचि रखते हैं। इसके अतिरिक्त, बेरोजगारी और सरकारी नौकरियों में अनियमितताएं युवाओं में बैठी चिंताएं हैं, जो उन्हें मुख्यधारा की राजनीति से दूर करती हैं।

वैश्विक राजनीति में युवा नेतृत्व एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है, जहां युवा अब केवल वोटर नहीं, बल्कि नीति-निर्माता और परिवर्तन के वाहक के रूप में भी आगे आ रहा है। यह परिदृश्य पारंपरिक राजनीति से आधुनिक और नवीन दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है। वैश्विक परिदृश्य का आकलन करें, तो देखेंगे कि युवाओं की राजनीतिक भागीदारी तो बढ़ी है और बतौर जनप्रतिनिधि ऐसे युवा जलवायु परिवर्तन, शिक्षा, रोजगार और सतत विकास जैसे मुद्दों पर सक्रिय रूप से काम भी कर रहे हैं। इसी कड़ी में यह जोड़ना आवश्यक है कि दुनिया भर में 30-40 वर्ष की आयु वाले युवा शीर्ष पदों पर पहुंच रहे हैं।

उदाहरण के लिए, फिनलैंड में सना मरीन (34 वर्ष में पीएम), न्यूजीलैंड में जसिंडा आर्डन (37 वर्ष में पीएम) और डेनमार्क में मेटे फ्रेडरिकसन (41 वर्ष में पीएम) ने युवा नेतृत्व की क्षमता को दर्शाया है। इतना ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र ने भी शासन और नीति-निर्माण प्रक्रियाओं में युवाओं की भागीदारी को औपचारिक रूप से मान्यता दी है, जो 2030 के एजेंडे को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। गहराई से देखें तो, 15-25 वर्ष की आयु के लोग दुनिया की आबादी का पांचवां तो हैं, फिर भी वैश्विक स्तर पर सांसदों की औसत आयु 53 वर्ष है।

'परहित सरिस धर्म नहिं भाई, पर पीड़ा सम नहिं अधमाई'

'मनुष्य के रूप में जन्म क्यों मिला?' इस विषय पर प्राचीन से लेकर अद्यतन विमर्श होते चले आ रहे हैं। शास्त्रों से लेकर व्याख्यान-कार्यक्रमों में अलग-अलग ढंग से इस विषय पर प्रकाश डाले जाते हैं। मूलतः हर कोई 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई, पर पीड़ा सम नहिं अधमाई' के आसपास ही अपना मत रखता है। पर-पीड़ा का अर्थ तो एक सीमित दायरे तक रखा जाता है, जिसमें दूसरों के साथ छल-कपट न करना, असत्य न बोलना, पराई संपत्ति एवं पराए ढंग का संबंध न स्थापित करना तथा अनुचित आहार न ग्रहण करना आदि तक ही है, लेकिन पर-हित की अनन्त व्याख्याएं की जाती हैं, जिसमें दूसरों की मदद करना, असक्षम लोगों को धन, वस्त्र, अनाज आदि का दान करना, संतों की सेवा करना, मंदिर आदि का निर्माण करना।

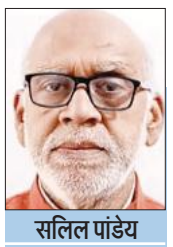

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

वर्ष पर्यंत जितने तीज-त्योहार पड़ते हैं, सब में दान को मुख्य स्थान दिया गया है। मौसम के अनुसार दान की वस्तुओं का उल्लेख भी है। गर्मी के दिनों में शीतलता वाले पदार्थों के दान एवं शीत-ऋतु में गर्म कपड़े दान करने से पुण्य मिलने की बात कही गई है। इसी कड़ी में 'वसुधैव कुटुंबकं' का जिक्र किया गया है। यहां गौर करने वाली बात यह है कि 'कुटुंब' शब्द का अर्थ बहुत गहरा है। कुटुंब में पेड़-पौधे, नदी-ताल-तलैया, धरती-आकाश, पर्वत-झरने सब आते हैं। कुटुंब शब्द की व्यापकता को देखते हुए यहां 'परिवार' शब्द का प्रयोग नहीं किया गया, क्योंकि परिवार में रक्त-संबंधों से जुड़े लोग ही आते हैं।

इसे थोड़ा और व्यापक इतना ही किया जा सकता है कि यदि परिवार में कोई अन्य ऐसा व्यक्ति जो काफी घनिष्ठ हो गया हो, उसके लिए 'परिवार जैसे सदस्य' का प्रयोग तो किया जा सकता है लेकिन विधि-सम्मत स्थानों में तो माता-पिता, पुत्र, पुत्रवधू तथा अविवाहित पुत्री को ही परिवार के सदस्य के रूप में माना जाता है। इस तरह परिवार से ज्यादा बड़ा दायरा कुटुम्ब का होता है। कुटुंब की गहराई को देखा जाए, तो प्रकृति को भी कुटुंब की श्रेणी में लिया जाएगा, इसीलिए हर धार्मिक अनुष्ठानों में पृथ्वी, जल, अग्नि, औषधियों, सूर्य, चंद्रमा, तारे-सितारे, नदी-झरने, ग्रह-नक्षत्र यदि की अनुकूलता के लिए मंत्र पढ़े जाते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

हर साल एक अरब टन खाना बर्बाद कर डालते हैं हम

विश्व में हम हर साल करीब एक अरब टन खाने योग्य भोजन को बर्बाद कर डालते हैं। इस भोजन से करोड़ों लोगों का पेट भर सकता है, लेकिन हमारी लापरवाही से यह बर्बाद हो जाता है। भोजन की बर्बादी का यह आंकड़ा हाल में संयुक्त राष्ट्र ने जारी किया है, जो बेहद चिंताजनक और सोचने पर मजबूर करने वाला है। दुनिया भर में जब लोग भोजन को बर्बाद कर रहे होते हैं, तब करोड़ों लोग रात को भूखे पेट सोने पर मजबूर होते हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या इन हालात में हमें भोजन की बर्बादी रोकने के लिए संकल्पबद्ध हो कर काम नहीं करना चाहिए?

कहते हैं कि इंसान की असली पहचान उसकी थाली से होती है। एक इंसान क्या खाता है और कितना बचाता है, लेकिन आज हमारी थालियां हमारी संवेदनहीनता का आईना बनती जा रही हैं। हम जरूरत से ज्यादा परोस लेते हैं, फिर आधा खाकर छोड़ देते हैं। ऐसा करते हुए हम यह भूल जाते हैं कि जो रोटी हम छोड़ रहे हैं, वह किसी और की भूख मिटा सकती है।

अगर हमारे देश भारत के संदर्भ में इसे देखें, तो विरोधाभासी तस्वीर सामने आती है। एक ओर जहां हम 'अन्न को देवता' मानने की बात कहते नहीं थकते, वहीं दूसरी ओर विवाह-शादियों, धार्मिक आयोजनों, जन्मदिन की पार्टियों और अन्य अवसरों पर बड़े आयोजनों में भोजन को बर्बाद करते हैं। बड़े-बड़े पंडालों में बचे हुए खाने के ढेर हम प्रायः रोजाना ही देखते हैं। हम लोग प्लेट में जरूरत से ज्यादा खाना लेते हैं, थोड़ा खाते हैं और बाकी यूं ही छोड़ देते हैं, जैसे उसका कोई मूल्य ही न हो।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

गांवों और कस्बों में किसी कार्यक्रम के बाद खाना कूड़े में फेंक दिया जाता है, जबकि उसी गांव-कस्बों में कुछ घर ऐसे भी होते हैं, जहां रात का चूल्हा नहीं जलता। इससे हमारी सोच परिलक्षित होती है। आंकड़े बताते हैं कि बर्बाद हुए भोजन का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा हमारे घरों से आता है। जाहिर है, हम अपनी थाली में अनजाने या लापरवाही से भोजन को बर्बाद कर रहे हैं। भोजन की बाकी 40 प्रतिशत बर्बादी खराब प्रबंधन और योजना की कमी के कारण बाजार, होटल, रेस्टोरेंट और सप्लाई सिस्टम में होती है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के आंकड़ों के अनुसार भारत में सालाना करीब 7.82 करोड़ टन खाना बर्बाद कर दिया जाता है। देश का हर व्यक्ति साल में 55 किलोग्राम खाना बेकार कर देता है, जिसकी कीमत करीब 10.69 लाख करोड़ रुपये होती है। हमें सोचना चाहिए कि भोजन की बर्बादी का दर्द केवल भूख तक सीमित नहीं है। जब हम खाना फेंकते हैं, तो हम उस किसान की मेहनत को भी अनदेखा कर रहे होते हैं, जिसने तपती दुपहरी में खून-पसीना एक किया होता है। साथ ही, उस पानी को भी बर्बाद करते हैं जो सिंचाई में लगता है और उस ऊर्जा की भी अनदेखी कर देते हैं, जो इसे हमारी थाली तक लाने में खर्च होती है। इतना ही नहीं, जब यही खाना कचरे में सड़ता है, तो वह पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर साल 30 मार्च को 'शून्य भोजन बर्बादी दिवस' मनाया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि भोजन केवल उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। इस मौके पर हम रस्म अदायगी करते हैं, लेकिन इसके तुरंत बाद अप्रैल में होने वाली शादियों के मौके पर भोजन को बर्बाद करने में जुटे दिखते हैं। सवाल उठता है कि हम लोग आखिर क्यों इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लेते हैं? हममें से कितने ही लोग घर पर भोजन मांगने आए व्यक्ति को दुत्कार कर भगा देते हैं, मगर थाली में भोजन बेकार करके फेंकते हुए हमारा मन विचलित नहीं होता।

सवाल उठता है कि एक गंभीर मुद्दे के प्रति हम उदासीन क्यों हैं? आखिर हमें भोजन को बर्बाद करके मिलता क्या है? क्या यह इतना कठिन काम है, जिसे हम कर ही नहीं सकते? इन सवालों का एक ही जवाब है-हमारी सोच की कमी। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

ब्रीफ न्यूज

इस्पात कारखाने में आग से सात झुलसे

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में दोराहा के निकट शनिवार को एक इस्पात कारखाने में विस्फोट के बाद लगी आग में सात महिला श्रमिक झुलस गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आग ने तेजी से पूरी कारखाने को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां से धुएं का गुबार उठता देखा गया। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कई गाड़ियों को भेजा गया। दोराहा के थाना प्रभारी (एसएचओ) आकाश दत्त ने बताया कि आग लगने की इस घटना में सात महिला श्रमिक झुलस गई हैं। इनमें से दो महिलाओं कादोन गांव की मीना और अंजलि की हालत गंभीर है, जिन्हें लुधियाना के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

परमाणु संयंत्र में ओपन रिएक्टर की शुरुआत

नई दिल्ली। कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना की इकाई तीन में शनिवार को "स्पिलेज टू ओपन रिएक्टर" चरण की शुरुआत हुई, जो परियोजना के जारी निर्माण में एक महत्वपूर्ण प्रगति है। एक बयान में यह जानकारी दी गयी है। रिसाव से लेकर खुले रिएक्टर चरण तक, सुरक्षा प्रणाली और मुख्य शीतलक पाइपलाइनों को हल्के पानी का उपयोग करके साफ किया जाता है ताकि आगे की कमीशनिंग गतिविधियों के लिए सिस्टम की स्वच्छता सुनिश्चित की जा सके। भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड ने कहा, यह उपलब्धि डिजाइन आवश्यकताओं के अनुसार प्राथमिक प्रणाली के उपकरणों और पाइपिंग के व्यक्तिगत कार्यात्मक परीक्षण की शुरुआत का प्रतीक है।

गुरु मुनि नारायण प्रसाद का केरल में निधन

तिरुवनंतपुरम। प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु, दार्शनिक और नारायण गुरुकुल के प्रमुख, गुरु मुनि नारायण प्रसाद का शनिवार तड़के 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने उनके निधन पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री अपने संदेश में कहा कि मुनि नारायण प्रसाद के पास जटिल दार्शनिक विचारों को सरल और सुलभ भाषा में समझाने की दुर्लभ क्षमता थी। मुनि नारायण प्रसाद ने तड़के यहां पास के वेनजारामूडु स्थित एक निजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उपचार के दौरान अंतिम सांस ली।

कांस्टेबल को 5000 की रिश्वत लेते पकड़ा

जैतो। पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने जैतो पुलिस स्टेशन, जिला फरीदकोट में तैनात सीनियर कांस्टेबल विक्रम शर्मा को 5000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। राज्य विजिलेंस ब्यूरो ने शनिवार को बताया कि आरोपी को तहसील जैतो, जिला फरीदकोट के एक निवासी की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। शिकायतकर्ता के खिलाफ एक झगड़े की शिकायत मिली थी, जिसके तहत आरोपी सीनियर कांस्टेबल शिकायतकर्ता को उसकी ऑल्टो कार के साथ जैतो पुलिस स्टेशन, जिला फरीदकोट लाया था।

अब पहले जैसी पार्टी नहीं रही आप : स्वाति

आम आदमी पार्टी से भाजपा में शामिल हुईं मालीवाल ने कहा-केजरीवाल के साथ कोई काम नहीं कर सकता

नई दिल्ली, एजेंसी

आम आदमी पार्टी से बगावत कर भाजपा में शामिल हुईं स्वाति मालीवाल ने शनिवार को आरोप लगाया कि उनकी पूर्व पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है और इसके नेता अरविंद केजरीवाल अब पहले जैसे नहीं हैं। दिल्ली में सत्ता गंवाने के महज एक साल बाद 'आप' को शुक्रवार को उस समय सबसे बड़ा झटका लगा, जब राघव चड्ढा और मालीवाल समेत सात राज्यसभा सदस्यों ने एक साथ पार्टी छोड़ दी।

बागियों में पार्टी संगठन के अहम चेहरे संदीप पाठक, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, अशोक मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी भी शामिल हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद मालीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक और मजबूत नेतृत्व की तारीफ की। मालीवाल ने कहा कि मैंने घर छोड़ा, सात साल झुग्गियों में रही, नौकरी छोड़ी और हर आंदोलन में साथ दिया। लेकिन जब केजरीवाल के घर

उनके सहयोगी ने मुझ पर हमला किया और मैंने प्राथमिकी दर्ज कराने की कोशिश की, तो मुझे ही दबाया गया। उन्होंने दावा किया कि जब वह शिकायत आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही थीं तो उन्हें धमकाया और दबाया गया।

मालीवाल ने कहा कि दो साल तक मुझ पर मामला वापस लेने का दबाव डाला गया, लेकिन मैं नहीं झुकी। इसी वजह से पार्टी ने संसद में मुझे एक मिनट भी बोलने का मौका नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी पूरी तरह बदल चुकी है और अब झूठ, भ्रष्टाचार तथा गुंडागर्दी के लिए पहचानी जाती है। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि असली विश्वासघात पार्टी छोड़ना नहीं, बल्कि अपने सिद्धांतों को छोड़ना है। लोग डर से नहीं, केजरीवाल की वजह से पार्टी छोड़ रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि आने वाले दिनों में और नेता पार्टी छोड़ेंगे। केजरीवाल के बारे में उन्होंने कहा कि उनके साथ कोई भी अच्छा इंसान ज्यादा दिन काम नहीं कर सकता। वह कहते कुछ हैं और करते कुछ और हैं। मालीवाल ने कहा कि केजरीवाल ने एक समय खुद को आम आदमी के रूप में पेश किया था, लेकिन तब से बहुत कुछ बदल गया है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राष्ट्रपति मुर्मू से मिलने के लिए समय मांगा

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए पंजाब के राज्यसभा सदस्यों के मुद्दे पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पार्टी विधायकों के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने के लिए शनिवार को समय मांगा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस दौरान भगवंत मान पंजाब से चुने गए उन राज्यसभा सदस्यों की "सदस्यता समाप्त" करने के मुद्दे पर अपनी पार्टी का पक्ष रखेंगे, जिन्होंने 'आप' से नाता तोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है। यह घटनाक्रम पंजाब से छह सांसदों समेत सात राज्यसभा सदस्यों द्वारा भाजपा में शामिल होने का ऐलान किए जाने के एक दिन बाद सामने आया। 'आप' के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा और संदीप पाठक ने शुक्रवार को एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए पांच अन्य सांसदों के साथ पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। इनमें अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, स्वाति मालीवाल और विक्रमजीत साहनी शामिल हैं। राज्यसभा में आप के दस सदस्य हैं।

राज्यसभा सभापति को पत्र लिखेगी आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने शनिवार को कहा कि पार्टी राज्यसभा सभापति को पत्र लिखकर उन सात सांसदों को सदन से अयोग्य घोषित करने की मांग करेगी, जिन्होंने एक दिन पहले पार्टी छोड़ने का ऐलान किया था। संजय सिंह ने कहा कि दल-बदल विरोधी कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि राज्यसभा और लोकसभा में किसी भी प्रकार का विभाजन या गुटबंदी नहीं हो सकती। इसे कोई कानूनी मान्यता नहीं मिलती, भले ही दो-तिहाई बहुमत हो। उन्होंने कहा कि संविधान की दसवीं अनुसूची और दल-बदल विरोधी कानून दोनों ही राज्यसभा या लोकसभा में किसी भी प्रकार के विभाजन, अलग गुट या धड़े को मान्यता नहीं देते, चाहे दो-तिहाई बहुमत ही क्यों न हो। संजय सिंह ने सात सांसदों के भाजपा में शामिल होने के फैसले को पूरी तरह असंवैधानिक और गैरकानूनी करार देते हुए कहा कि मैं उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा सभापति को इन सातों सांसदों को अयोग्य घोषित करने के लिए पत्र लिख रहा हूं। आप के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा और संदीप पाठक ने पांच अन्य सांसदों के साथ भाजपा में शामिल होने की शुक्रवार को घोषणा की थी।

देश के कई हिस्सों में तापमान बढ़ने पर हीट वेव चलने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईएमडी ने जारी किया उष्ण लहर संबंधी परामर्श
- दोपहर में जरूरी न होने पर घरों से बाहर न निकलने की सलाह

कई क्षेत्रों में तापमान बढ़ने पर भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उष्ण लहर के संबंध में विस्तृत दिशानिर्देश और परामर्श जारी किया है। विभाग के दिशानिर्देश एवं परामर्श में धूप में, खासकर दोपहर के समय देर तक बाहर न रहने, पर्याप्त पानी एवं तरल पेय पदार्थ पीने, हल्के एवं हवादार कपड़े पहनने, अधिक गर्मी के दौरान बाहर अधिक ज़म वाले काम से परहेज करने जैसी बातें शामिल हैं।

आईएमडी ने बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों के लिए विशेष देखभाल की सलाह दी है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि विभाग ने इस बात पर जोर दिया कि गर्मी से होने वाली बीमारियों जैसे थकान एवं लू लगने से बचने के लिए प्रारंभिक जागरूकता और निवारक उपाय महत्वपूर्ण हैं। मौसम विभाग ने अपने नवीनतम आकलन में कहा है कि उत्तर-पश्चिमी, मध्य और प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों में फिलहाल अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस एवं 44 डिग्री सेल्सियस के बीच है तथा राजस्थान के श्री गंगानगर में तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। कई क्षेत्रों में तापमान सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक बढ़ गया है। अधिकारी ने कहा, आईएमडी ने संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य भारत के कुछ इलाकों में उष्ण लहर की प्रबल संभावना है। तटीय और पूर्वी क्षेत्रों में गर्म और उमस भरा मौसम रह सकता है, जबकि उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में रातें गर्म रहने की संभावना है।

केसीआर की बेटी कविता ने टीआरएस के नाम से बनाया नया सियासी दल

हैदराबाद, एजेंसी

- पिता के चंद्रशेखर राव को बताया संवेदनहीन व्यक्ति

तेलंगाना जागृति संगठन की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता ने शनिवार को 'तेलंगाना राष्ट्र सेना' (टीआरएस) नामक नए राजनीतिक दल की शुरुआत की। कविता ने हैदराबाद के बाहरी इलाके में आयोजित एक कार्यक्रम में अपनी पार्टी के नाम और एजेंडा की घोषणा करते हुए सत्तारूढ़ कांग्रेस, भाजपा और बीआरएस पर तीखा हमला किया तथा अपने पिता को एक बदला हुआ व्यक्ति बताया जिनमें कोई संवेदना नहीं है।

उनके पिता के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का मूल नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) था। हालांकि, राष्ट्रव्यापी स्तर पर पार्टी के विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना के मद्देनजर 2022 में इसका नाम बदलकर बीआरएस कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस, कांग्रेस और भाजपा अब भ्रष्टाचार, परिवारवाद और पक्षपात से ग्रस्त हैं और उन्होंने 'पांचजन्य' की घोषणा की, जिसमें मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सहित पांच वादे

शामिल हैं। अपने पिता चंद्रशेखर राव और भाई के. टी. रामा राव पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि केसीआर अब राजनीतिक परिपक्वता खो चुके हैं। उन्होंने कहा कि अगर केटीआर ऐसा बोलते हैं तो समझ में आता है। उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन केसीआर कहते हैं कि लोगों ने गलती की। ठीक है, मान लेते हैं कि लोगों ने आपको सत्ता न देकर गलती की। एक मां के रूप में, अगर मेरा बेटा गलती करता है तो क्या मैं उसे छोड़ दूंगी? क्या मैं उसकी देखभाल नहीं करूंगी?

कविता ने कहा कि उन्होंने अपना राजनीतिक दल शुरू करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उनके पिता लोगों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

31 साल पुराने मामले में यू ट्यूबर सलीम गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 13 वर्षीय लड़के के अपहरण और हत्या के 31 साल पुराने मामले में 54 वर्षीय सामाजिक कार्यकर्ता और यू-ट्यूबर सलीम खान को गिरफ्तार किया है, जिसे सलीम अहमद उर्फ सलीम वास्तिक के नाम से भी जाना जाता है। आरोपी अंतरिम जमानत मिलने के बाद दो दशकों से अधिक समय से फरार था और गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने खुद को मृत तक घोषित कर दिया था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने कहा, यह सफल अभियान दिल्ली पुलिस के अथक प्रयासों को दर्शाता है। पहचान बदलकर और अपनी मृत्यु का ढोंग रचकर एजेंसियों को गुमराह करने की कोशिशों आरोपी की कोशिशों के बावजूद, हमारी टीमों ने उसे ढूंढ निकाला। यह इस बात की पुष्टि करता है कि कानून अंततः अपराधियों तक पहुंच ही जाता है, चाहे वे न्याय से कितने भी समय तक क्यों न बचते रहें। पुलिस के अनुसार, यह मामला जनवरी 1995 का है, जब सीमेंट व्यवसायी के बेटे संदीप बंसल का स्कूल जाते समय अपहरण कर लिया गया था। अपहरणकर्ताओं ने 30,000 रुपये की फिरौती मांगी।

न्यायपालिका पर भरोसा बनाए रखना हमारा दायित्य

जयपुर, एजेंसी

- जयपुर में रिटायर्ड जजेज के कार्यक्रम में बोले सीजेआई

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि न्यायपालिका और उससे जुड़ी संस्थाओं में जनता का गहरा विश्वास है और इस विश्वास को बनाए रखना सभी का दायित्व है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यहां 'एसोसिएशन ऑफ रिटायर्ड जजेज' (राजस्थान चैप्टर) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने पूर्व न्यायाधीशों की तुलना 'बावड़ी' से करते हुए उन्हें ज्ञान का भंडार बताया, जो कठिन परिस्थितियों में व्यवस्था का मार्गदर्शन कर सकते हैं। सीजेआई ने कहा कि जिस प्रकार

राजस्थान में बावड़ियां बरसात के मौसम में पानी संचित कर सूखे समय में उपयोगी होती हैं, उसी प्रकार सेवानिवृत्त न्यायाधीश हमारे लिए एक बहुमूल्य संसाधन हैं। लोक अदालतों, मध्यस्थता और सलाहकार भूमिकाओं में उनका अनुभव अत्यंत उपयोगी है। सीजेआई ने कहा कि राष्ट्रीय और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सहित सभी न्यायिक संस्थाओं को अधिक सतर्क और जागरूक रहने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संबोधन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि लोग न्यायाधीशों के शब्दों को अत्यंत सम्मान के साथ स्वीकार करते हैं, जो न्यायपालिका पर जनता के गहरे विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस विश्वास को बनाए रखना न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने एक शेर की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा, जिसको तूफानों से उलझने की हो आदत, ऐसी कश्ती को समंदर भी दुआ देता है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका को ऐसा कार्य करना चाहिए जिससे जनता का विश्वास न केवल बना रहे बल्कि और मजबूत हो। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ है और यह कानून तथा संविधान की रक्षक है। शर्मा ने कहा कि न्यायपालिका ने ऐतिहासिक निर्णयों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायाधीश केवल मुकदमों का निपटारा नहीं करते, बल्कि वे न्याय की आवश्यकता वाले प्रत्येक व्यक्ति की उम्मीद होते हैं। अनुभवी न्यायाधीशों का योगदान आज भी न्याय प्रणाली के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

झारखंड एटीएस ने तीन को गिरफ्तार किया, अमेरिका निर्मित पिस्तौल जब्त

देवघर। झारखंड के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने देवघर से तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से अमेरिका निर्मित एक पिस्तौल बरामद की है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर शुक्रवार को नगर थाना क्षेत्र में एक अभियान चलाया गया। देवघर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) प्रवीण पुष्कर ने बताया कि छापेमारी के दौरान तीन लोगों को पकड़ा गया। उनके पास से सात कारतूस और दो पिस्तौल बरामद की गईं, जिनमें से एक अमेरिका निर्मित है। पुलिस अधीक्षक (एटीएस) राजकुमार मेहता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में से दो देवघर शहर के निवासी हैं और उनका पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। उनके खिलाफ बिहार के मुंगेर और जमुई जिलों के साथ-साथ झारखंड के देवघर और दुमका में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

श्रीनगर में मादक पदार्थ तस्करों से जुड़ी 3.5 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर पुलिस ने शुक्रवार को श्रीनगर में मादक पदार्थ तस्करों से जुड़े साढ़े तीन करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस अभियान और नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान के तहत की गई। उन्होंने कहा कि संगम पुलिस थाने ने स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) अधिनियम की धारा 68एफ के तहत मामले के दो आरोपियों से जुड़ी दो अचल संपत्तियां कुर्क की। प्रवक्ता के अनुसार, दोनों आरोपियों की पहचान नूरबाग में क्रेशबल इलाके के निवासी शकील अहमद गनी और फारूक अहमद मीर के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गनी के दो मंजिला आवासीय घर और उसके साथ लगी एक कनाल भूमि को कुर्क कर किया है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

दूसरे राज्यों में भी फैल रहे बंगाल में घुसने वाले घुसपैठिये : हिमंत

इससे खतरे में पड़ती है पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा : मुख्यमंत्री

कोलकाता, एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका परिणाम देश के सभी पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा पर प्रभाव डालेगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता बिस्वा सरमा ने कहा कि घुसपैठ जानी-मानी समस्या है, जो पश्चिम बंगाल को परेशान कर रही है। श्री सरमा ने कहा कि ये अवैध घुसपैठिये जो बेरोकटोक पश्चिम बंगाल की सीमा पार कर लेते हैं, वे अक्सर असम, त्रिपुरा और झारखंड जैसे पड़ोसी राज्यों में फैल जाते हैं। इसके बावजूद, तृणमूल कांग्रेस सरकार इस बारे में कुछ नहीं करती। श्री सरमा के अनुसार, यह स्थिति देश की सुरक्षा, विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा को गंभीर खतरे में डालती है। उन्होंने कहा कि बंगाल की ममता बनर्जी सरकार अपनी वोट बैंक की

एक जनसभा के दौरान असम के सीएम। (फाइल फोटो)

राजनीति के कारण सीमा पर बाड़ लगाने (फेंसिंग) की परियोजना को जानबूझकर धीमा कर रही है। उन्होंने बताया कि नियोजित 456 किलोमीटर के हिस्से में से केवल 77 किलोमीटर के लिए ही जमीन उपलब्ध करायी गयी है।

बंगाल में गरीबों की नहीं, अमीरों की मदद कर रहीं ममता : राहुल गांधी

बोले-स्वयं को देशभक्त कहते हैं लेकिन देश बेच रहे मोदी

कोलकाता/श्रीरामपुर, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक ही श्रेणी में रखने का प्रयास करते हुए दोनों पर सत्ता के लालच में गरीबों के बजाय अमीरों की मदद करने का आरोप लगाया। गांधी ने हुगली जिले के श्रीरामपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी स्वयं को देशभक्त कहते हैं, लेकिन वह देश को बेच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गरीबों के बजाय अमीरों की मदद कर रही हैं, वहीं मोदी पूरे देश में यही कर रहे हैं... दोनों का रोजगार के अवसर पैदा करने से कोई लेना-देना नहीं है। दोनों को सत्ता चाहिए, लेकिन जनता के लिए काम नहीं करते। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, लोगों में नफरत और डर फैलाते हैं। देश दो विचारधाराओं के बीच टकराव देख रहा है।

कोलकाता के शहीद मीनार में एक जनसभा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी। **फोटो :** शुभंकर चक्रवर्ती

मेरे खिलाफ कई मामले दर्ज लेकिन ममता के खिलाफ नहीं

हुगली जिले के सेरामपुर में में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि नरेन्द्र मोदी नीत सरकार ने उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए हैं, लेकिन तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ कोई मामला नहीं है। दावा किया कि ऐसा इसलिए है, क्योंकि वह भाजपा से सीधे मुकाबला नहीं करती हैं। यह बताते हुए कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनसे लगातार पांच दिनों तक 55 घंटे पूछताछ की, कांग्रेस नेता ने पूछा-ममता बनर्जी से कितने घंटे पूछताछ की गई? लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के खिलाफ ईडी या सीबीआई द्वारा कोई जांच नहीं की जा रही है। इस संबंध में टीएमसी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल में कहीं भी पुनर्मतदान का आदेश नहीं

नयी दिल्ली, एजेंसी। विचिन आयोग के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए किसी भी मतदान केंद्र पर पुनर्मतदान की सिफारिश नहीं की गई है। दोनों राज्यों में बृहस्पतिवार को मतदान हुआ था। तमिलनाडु में एक ही बार में सभी 234 विधानसभा सीटों पर चुनाव संपन्न कराया गया। इसके लिए 75064 मतदान केंद्र बनाए गए थे। पश्चिम बंगाल में 152 सीटों के लिए 44376 मतदान केन्द्रों पर152 सीट पर वोट डाले गए। दोनों ही राज्यों में मतदान के नये रिकॉर्ड स्थापित हुए हैं।

तृणमूल उम्मीदवार ने घोषित की संपत्ति

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मंत्री एवं टॉलीगंज विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार अरूप बिस्वास ने अपने चुनावी हलफनामे में लगभग 2 .09 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति घोषित की है, जो पांच साल पहले उनके द्वारा घोषित 1 .5 करोड़ रुपये से अधिक है। नामांकन पत्रों के साथ दाखिल किए गए हलफनामे के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस नेता बिस्वास की चल संपत्ति 1 .83 करोड़ रुपये है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल और 19 सीएम भी भाजपा को नहीं जिता पाएंगे

कोलकाता, एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय पार्टी को हराने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है, क्योंकि लगभग पूरा केंद्रीय मंत्रिमंडल और राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्री बंगाल में डेरा डाले हुए हैं। हुगली जिले के उत्तरपाड़ा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने भाजपा पर राज्य के बाहर कार्यरत पश्चिम बंगाल के प्रवासी श्रमिकों से झूठे वादे करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि भाजपा हताश है, पश्चिम बंगाल में 50 हेलीकॉप्टर भेजे गए हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री से लेकर गृह मंत्री, रेल मंत्री और रक्षा मंत्री तक लगभग पूरा केंद्रीय मंत्रिमंडल, साथ ही राजग शासित 19 राज्यों के मुख्यमंत्री, एक ही राज्य - पश्चिम बंगाल में डेरा डाले हुए हैं। उन्होंने कहा कि इसकी तुलना तृणमूल द्वारा राज्य भर में चुनाव प्रचार के लिए इस्तेमाल किए जा रहे केवल तीन हेलीकॉप्टरों से करें, लेकिन यह सारा शोर-शराबा और हंगामा चार मई को फीका पड़ जाएगा।

हुगली जिले के उत्तरपाड़ा में चुनावी रैली में ममता बनर्जी ने भाजपा को घेरा

बनर्जी ने कहा कि इसके अलावा, हम जहां भी जा रहे हैं, हमें केंद्रीय बलों की मौजूदगी दिखाई दे रही है। वे बख्तरबंद वाहन ला रहे हैं, जिनका उपयोग उन जगहों पर नहीं किया जा रहा है ,जहां उनकी आवश्यकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस कथित बयान पर, जिसमें उन्होंने कहा था कि परिणामों के बाद टीएमसी समर्थित गुंडों को उल्टा लटका दिया जाएगा, बनर्जी ने कहा कि एक केंद्रीय मंत्री और एक जिम्मेदार नेता के रूप में, आप ऐसे शब्द नहीं बोल सकते।

प. बंगाल : चुनाव आयोग ने निलंबित किए 5 पुलिस अधिकारी

कोलकाता, एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहने और 'गंभीर कदाचार' के मामले में राज्य सरकार को डायमंड हार्बर के पांच पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने तथा उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में कहा कि यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) द्वारा पुलिसकर्मियों के आचरण को लेकर सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर की गई है। जिन अधिकारियों को निलंबित किया जाना है, उनमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप गराई, अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) सजल मंडल, डायमंड हार्बर थाना प्रभारी मौसम चक्रवर्ती, फाल्टा थाना प्रभारी अजय बाग और उस्ती थाना प्रभारी अधिकारी सुभेच्छा बाग शामिल हैं। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने अपने आदेश में कहा कि आयोग मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद निर्देश देता है कि इन अधिकारियों को तत्काल निलंबित किया जाए।

एक्सिस बैंक का लाभ घटकर 7,071 करोड़ रुपये

मुंबई। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 7,071 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो सालाना आधार पर 0.6 प्रतिशत कम है। बैंक के निदेशकमंडल की शनिवार सुबह हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की गयी। प्रति इक्विटी शेयर एक रुपये के लाभांश के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन- तुलसी 2550, राज श्री 1960, फ़ॉर्चून कि. 2680, रविन्द्रा 2540, फॉर्चुन 13kg 2360, जय जवान 2095, सचिन 2300, सूरज 2095, अवसर 2065, उजाला 2100, गृहणी 13 kg 2130, क्लासिक (kg) 2455, मोर 2300, चक्र टिन 2520, ब्लू 2380, आशीर्वाद मस्टर्ड 2420, स्वास्तिक 2505

किराना- निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल-(प्रति कु0)- डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400, लाडली 4400

दाल दलहन- मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10700-12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500, चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी- पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4280, सितारगंज 4260

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम- सोना पक्के आभूषण 154000, सोना गिन्नी 150000, चांदी (पक्की) 2470 (अनुमानित)

बिजनेस ब्रीफ

आरबीएल बैंक का मुनाफा तीन गुना बढ़ा

मुंबई। आरबीएल बैंक का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ तीन गुना से अधिक बढ़कर 230 करोड़ रुपये रहा। निजी क्षेत्र के इस बैंक का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 69 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक का शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत बढ़कर 822 करोड़ रुपये रहा।

शेयर बाजार का सफर लंबा व विश्वस्तरीय

सेबी के समारोह में बोलीं वित्त मंत्री सीतारमण- बिखरी निगरानी से रीयल-टाइम पर्यवेक्षण तक आयी बाजारों की यात्रा

मुंबई, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत के प्रतिभूति बाज़ार की विकास यात्रा में बड़ी उपलब्धियों को को रेखांकित करते हुए कहा कि यह यात्रा उल्लेखनीय रही है और भारतीय बाजार आज एक मज़बूत, प्रौद्योगिकी-आधारित और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी पारिस्थितिकी तंत्र में सबसे अच्छे बाजारों में एक है।

वित्त मंत्री ने विश्वास और ईमानदारी को बाजार की अदृश्य लेकिन सबसे अहम अवसंरचना बताते हुए बाजार विनियामक सेबी से कदाचार के विरुद्ध बहुत कठोर रुख अपनाने को कहा।

श्रीमती सीतारमण ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के 38वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय बाज़ारों की यात्रा पारंपरिक ट्रेडिंग रिंग से निकल कर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक ऑर्डर बुक तक, भौतिक शेयर प्रमाणपत्रों से पूर्ण डीमैटेरियलाइजेशन तक, और बिखरी हुई निगरानी से रीयल-टाइम नियामकीय पर्यवेक्षण तक पहुंच गयी है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय वित्तीय बाज़ारों का विकास विभिन्न चुनौतियों और अस्थिरता के दौर से हुआ है, जिसने नियमन और बाज़ार अवसंरचना को मज़बूत बनाया। इन अनुभवों से सीखते हुए देश ने बेहतर संस्थान और परिपक्व वित्तीय प्रणाली विकसित की है। उन्होंने बताया कि सेबी की प्रभावशीलता उसके अधिकारों से अधिक उनके अनुशासित क्रियान्वयन में निहित है।

भारत ने जनवरी 2023 में सभी सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के लिए टी 1 (ट्रेड प्लस वन) सेटलमेंट चक्र लागू कर वैश्विक नेतृत्व दिखाया, जिससे लेनदेन एक कार्यदिवस में पूरा हो जाता है। इसे अमेरिका ने 2024 में अपनाया। इसके अलावा, एएसबीए प्रणाली ने आईपीओ प्रक्रिया को सरल बनाते हुए निवेशकों के धन को केवल आवंटन तक ही ब्लॉक रखने की सुविधा दी। सेबी और एनपीसीआई के सहयोग से यूपीआई के माध्यम से आईपीओ आवेदन संभव हुआ, जिससे खुदरा निवेशकों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। कहा कि देश की डिपॉजिटरी प्रणाली भी अत्यंत उन्नत है, जहां बड़ी मात्रा में डीमैट प्रतिभूतियाँ सुरक्षित हैं। सेबी की कानूनी मजबूती उसके उच्च सफलता दर से भी स्पष्ट होती है। वित्त वर्ष 2025-26 में 366 आईपीओ के माध्यम से लगभग 1.9 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए, जो मजबूत नियामकीय ढांचे का परिणाम है।

हालांकि, मंत्री ने चेतावनी दी कि बढ़ती निवेशक भागीदारी के साथ जागरूकता भी जरूरी है। बिना समझ के निवेश जोखिमपूर्ण हो सकता है, इसलिए निवेशक संरक्षण को और सशक्त बनाना होगा।

मुंबई में सेबी के 38वें स्थापना दिवस समारोह में अभियान 'जागरूक' का शुभारंभ करतीं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण। साथ खड़े हैं सेबी के चेयरमैन तुहिनकांत पांडेय।

वित्त मंत्री ने कहा-

- विश्वास और ईमानदारी को बाजार की अदृश्य लेकिन सबसे अहम अवसंरचना, कदाचार के विरुद्ध बहुत कठोर रुख अपनाए सेबी
- भारत ने जनवरी 2023 में सभी सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के लिए टी 1 (ट्रेड प्लस वन) सेटलमेंट चक्र लागू कर दिखाया वैश्विक नेतृत्व

किया आगाह-साइबर सुरक्षा को लेकर अत्यंत सतर्क रहें वित्तीय संस्थाएं

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को वित्तीय क्षेत्र में विनियमित संस्थाओं से साइबर सुरक्षा जोखिमों के प्रति अत्यंत सतर्क रहने का आग्रह किया। सीतारमण ने कहा कि किसी भी शेयर बाजार या अभिरक्षक संस्था (डिपॉजिटरी) पर एक भी साइबर हमला आर्थिक गतिविधियों को बाधित कर सकता है और आम लोगों के विश्वास को प्रभावित कर सकता है। कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित नए और उन्नत उपकरणों के आने से स्वचालित साइबर हमलों का खतरा बढ़ा है, जिससे साइबर सुरक्षा की आवश्यकता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। सीतारमण ने कहा कि केवल सेबी ही नहीं, बल्कि सभी विनियमित संस्थाओं को अत्यंत सतर्क रहना होगा। हमले के तरीके तेजी से विकसित हो रहे हैं और बचाव के साधनों को उससे भी अधिक तेजी से विकसित करना होगा।

आयोग ने उठाया रोजगार कौशल में वृद्धि का बीड़ा

कारोबार डेस्क, कानपुर

अमृत विचार। केंद्र सरकार ने शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता के बीच संबंध मजबूत करने के लिए नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में 'शिक्षा से रोजगार और उद्यम (ईईई) की जिस उच्च स्तरीय स्थाई समिति का गठन किया है, उससे बेरोजगारी दर में कमी आने की संभावना है।

यह समिति शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई को पाटने के लिए समग्र और समन्वित उपायों की सिफारिश करेगी। सरकार का यह कदम उस चिंता के बीच आया है, जिसमें स्नातकों की बेरोजगारी बढ़ने के साथ उद्योग जगत के पास कौशल की कमी की शिकायत की गई थी। इसके साथ ही जिस तरह इस समय कंपनियां तेजी से ऑटोमेशन और आर्टिफिशिल इंटेलिजेंस की ओर बढ़ रही हैं, उससे कई तरह के पदों में छंटनी के साथ नए तकनीकी कौशल की मांग बढ़ रही है।

मोदी सरकार ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बनाए गए पैनल को विकास दर में वृद्धि, रोजगार व निर्यात को बढ़ावा देने वाले प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने का काम सौंपा था।

इस पैनल की रिपोर्ट के बाद ही 'शिक्षा से रोजगार और उद्यम' के लिए उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। इस उच्चस्तरीय स्थाई समिति में फेडरेशन ऑफ इंडियन माइक्रो एंड स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (एफआईएसएमई) को भी नामित किया गया है। समिति सेवा उपक्षेत्रों में आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और निर्यात आय की उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों में मौजूद कमियों का भी आकलन करेगी। साथहीउभरती प्रौद्योगिकियों, विशेष रूप से एआई के कारण रोजगार और कौशल पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन करके उपाय सुझाएगी।

- विकसित भारत-2047 के लिए शिक्षा से रोजगार और उद्यम की उच्चस्तरीय स्थायी समिति गठित
- कंपनियों के ऑटोमेशन व एआई से छंटनी के खतरे के साथ नए तकनीकी कौशल की बढ़ी मांग
- समिति उन चुनौतियों की पहचान करेगी जो रोजगार और उद्यमिता की राह में बाधक हैं

समिति में इन लोगों को मिला है स्थान

समिति में श्रम और रोजगार, कौशल विकास व उद्यमिता, सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन और इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी जैसे केंद्रीय मंत्रालयों के सचिवों के अलावा वाणिज्य, आर्थिक मामले, उच्च शिक्षा, स्कूली शिक्षा और साक्षरता सहित प्रमुख विभागों के सचिवों के साथ आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव भी शामिल किए गए हैं। समिति में नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज (नैसकॉम), भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की), भारतीय सूक्ष्म व लघु और मध्यम उद्यम परिसंघ (एफआईएसएमई), सेवा निर्यात संवर्द्धन परिषद (एसईपीसी) और तिरुपुर निर्यातक संघ को भी स्थान दिया गया है। शिक्षा क्षेत्र से इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) और और शिव नादर यूनिवर्सिटी के संकाय को जगह मिली है।

सरकारी नौकरियों पर न रहें निर्भर, उद्यमिता अपनाएं वंचित समुदाय : जितेंद्र सिंह

जम्मू, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को वंचित समुदायों से पारंपरिक रूप से सरकारी नौकरियों पर निर्भरता से आगे बढ़कर उद्यमिता को अपनाने का आह्वान किया। श्री सिंह ने यहां अंबेडकर चैंबर ऑफ कॉमर्स की जम्मू-कश्मीर शाखा के उद्घाटन के अवसर पर अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य कमजोर वर्गों में उद्यमिता की सोच और निवेश आधारित दृष्टिकोण विकसित करने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री सिंह ने लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर टिकाऊ आर्थिक वृद्धि और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार ने कमजोर वर्गों, विशेषकर अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए शुरुआती स्तर से ही सहयोग और समर्थन की व्यापक व्यवस्था की है। इन वर्गों के लोगों को केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर रहने के बजाय उद्यमिता और व्यवसाय विकास के अवसरों की ओर भी कदम बढ़ाना चाहिए।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए कई लक्षित योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने जन धन योजना को वित्तीय समावेशन की पहल और मुद्रा योजना को ऋण उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

उन्होंने पारंपरिक कारीगरी के संरक्षण और स्थायी आजीविका के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से शुरू की गई विश्वकर्मा योजना का भी उल्लेख किया।

श्री सिंह ने कहा कि आंकड़े इन योजनाओं के दलितों और अन्य वंचित वर्गों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान पर सकारात्मक प्रभाव को दर्शाते हैं।

वैश्विक तनाव से उत्तराखंड के उद्योगों पर गंभीर प्रभाव

आयात-निर्यात की बाधाओं से प्रभावित हो रहे उद्योग, बढ़ रही अनिश्चितता

कुंदन बिष्ट, काशीपुर

अमृत विचार: अमेरिका-ईरान युद्ध जैसे अंतर्राष्ट्रीय तनावपूर्ण हालातों का असर जहां देश के कई हिस्सों में अलग-अलग हिसाब से पड़ रहा है तो प्रदेशीय स्तर पर पर्वतीय राज्य उत्तराखंड भी इससे अछूता नहीं है। विशेष रूप से उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में स्थित औद्योगिक क्षेत्रों-काशीपुर, रुद्रपुर, सितारगंज, हरिद्वार और देहरादून के उद्योग अनिश्चितता, महंगे कच्चे माल, परिवहन लागत में वृद्धि और निर्यात-आयात बाधाओं से प्रभावित हैं।

कुमाऊं गढ़वाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केजीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष एवं उद्योगपति राजीव घई ने इस संबंध में शनिवार को 'अमृत विचार' से बातचीत में कहा कि, मध्य पूर्व क्षेत्र में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आता है, जिससे डीज़ल, पेट्रोल, बिजली, परिवहन एवं उत्पादन लागत सीधे बढ़ जाती है। इसका सबसे अधिक असर लघु, मध्यम एवं निर्यात आधारित उद्योगों पर पड़ता है, जो पहले से ही प्रतिस्पर्धा और वित्तीय दबाव झेल रहे हैं। क्रूड आयल की कमी से उद्योगों के लिए आवश्यक ग्रीस, लुब्रिकेंट, ट्रांसफार्मर तेल आदि की कीमतें बहुत बढ़ गई। साथ ही, उनकी उपलब्धता में भी बहुत कमी आ गई है। विदेश से निर्यात होने वाले मेटल, केमिकल की उपलब्ध बहुत महंगाई के साथ हो पा रही है। दवाईयों से संबंधित फैक्ट्रियां बहुत प्रभावित हैं।

उद्योगपति घई कहते हैं कि उत्तराखंड के उद्योगों में ऑटो पार्ट्स, फार्मा, पैकेजिंग, खाद्य प्रसंस्करण, प्लास्टिक, पेपर एवं इंजीनियरिंग इकाइयां प्रमुख हैं। इन क्षेत्रों में कच्चे माल की लागत बढ़ने, कंटेनर भाड़ा महंगा होने और विदेशी बाजारों में मांग घटने से उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

यदि स्थिति लंबी चली तो रोजगार पर भी असर पड़ना स्वाभाविक है।

उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार से मांग की कि उत्तराखंड के उद्योगों को राहत देने के लिये बिजली दरों में स्थिरता, ब्याज सहायता, निर्यात प्रोत्साहन, परिवहन सब्सिडी और एमएसएमई इकाइयों के लिए विशेष पैकेज घोषित किया जाए, ताकि उद्योगों का मनोबल बना रहे और रोजगार सुरक्षित रह सके।

- सरकार को उद्योगों के लिए राहत पैकेज देना चाहिए : राजीव घई

केजीसीसीआई के अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने बातचीत में कहा कि, खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध को लेकर उद्योगों के सामने गंभीर संकट पैदा हो गया है। पेट्रोलियम आधारित पदार्थों के दामों में बढ़ोतरी हुई है। कोयला खरीदना भी महंगा हो गया है। कोयले के रेट भी बढ़ गए हैं। कंटेनरों का भाड़ा बढ़ गया है। बंदरगाहों से कंटेनर आने में काफी समय लग रहा है। उनका कहना है कि केजीसीसीआई ने भारत और राज्य सरकारों से इन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग की है।

गर्मी से 252 गीगावाट पर पहुंची बिजली की मांग

नयी दिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी के बीच कूलिंग उपकरणों, जैसे एयर कंडीशनर और कूलर के बढ़ते उपयोग के कारण देश में बिजली की अधिकतम मांग शुक्रवार को रिकॉर्ड स्तर 252.07 गीगावाट पर पहुंच गई, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर है। बिजली मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले मई 2024 में अधिकतम बिजली मांग 250 गीगावाट दर्ज की गई थी। मंत्रालय के अनुसार, 24 अप्रैल को देश की अधिकतम बिजली मांग 252.07 गीगावाट रही, जबकि 23 अप्रैल को यह 240.12 गीगावाट और 22 अप्रैल को 239.70 गीगावाट दर्ज की गई थी। सरकार ने इस गर्मी के मौसम में अधिकतम बिजली मांग 270 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान लगाया था।

सिंधिया ने की एमपी में अदाणी के 2,500 करोड़ के रक्षा उपकरण संयंत्र की घोषणा

गुना (मप्र), एजेंसी

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र के कोलारस में अदाणी समूह 2,500 करोड़ रुपये की लागत से रक्षा उपकरण विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगा। संचार मंत्री सिंधिया ने शिवपुरी-कोलारस क्षेत्र के दौरे के दौरान कहा कि इस संयंत्र से लगभग 2,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। यह संयंत्र यहां से करीब 70 किलोमीटर दूर कोलारस के पास कोटा हाईवे और मुंबई-ग्वालियर हाईवे के जंक्शन पर अगले दो महीनों में स्थापित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही औद्योगिक विकास की मांग पूरी होगी। सिंधिया ने कहा कि इस इकाई में निर्मित रक्षा उपकरण देश की सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत करने में योगदान देंगे।

कैट ने किया पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द करने का स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी

अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द करने के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे जनहित में उठाया गया कदम बताया है।

कैट ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह सख्त कार्रवाई देश के उन करोड़ों लोगों की मेहनत की कमाई की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, जिन्होंने इस संस्था पर विश्वास कर अपना पैसा जमा किया था। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री और लोकसभा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि आरबीआई का यह आदेश बार-बार नियमों की अनदेखी, प्रबंधन संबंधी विफलताओं तथा केंद्रीय बैंक के निर्देशों की अवहेलना के बाद आया है। साल 2024 में भी आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक की बैंकिंग गतिविधियों पर कड़े प्रतिबंध लगाये थे, लेकिन संस्था आवश्यक सुधार करने में विफल रही।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया ने पेटीएम के प्लेटफॉर्म के माध्यम से वर्षों में एकत्र किये गये विशाल वित्तीय एवं उपभोक्ता डाटा के प्रबंधन, भंडारण आदि की व्यापक जांच की मांग की।

पेमेंट बैंक पर कार्रवाई का पेटीएम पर असर नहीं

नयी दिल्ली। भारत की अग्रणी भुगतान ऐप पेटीएम (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) ने कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर आरबीआई की कार्रवाई का कंपनी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि पीपीबीएल स्वतंत्र रूप से काम करता है और इसमें पेटीएम का कोई बोर्ड या प्रबंधन हस्तक्षेप नहीं है। पेटीएम ने कहा कि पेटीएम और उसकी सेवाएं, बिना किसी रुकावट के चल रही हैं, और आगे भी निर्बाध रूप से जारी रहेंगी।

क्रेडिट कार्ड लेते ही मत कर देना ये गलतियां

कारोबार डेस्क

डिजिटल दौर में यदि जेब में क्रेडिट कार्ड है तो ये केवल महज कार्ड नहीं, बल्कि आपके खर्च करने की ताकत है। ऑनलाइन शॉपिंग, ईएमआई और इमरजेंसी खर्च आसान लगने लगता है। लेकिन लेकिन जरा सी असावधानी आपके लिए समस्या पैदा कर सकती है और यह आपको कर्ज के मकड़ जाल में फंसा सकती है।

ध्यान रखें!

असल में पहली बार क्रडिट कार्ड लेने वाले सबसे ज्यादा गलती करते हैं। वही गलती बाद में भारी ब्याज, लेट फीस में बदल जाती है और सिबिल स्कोर खराब कर देती है। ऐसे में यदि आपने नया क्रेडिट कार्ड लिया है या पहला कार्ड लेने जा रहे हैं, तो पहले ये 5 बातें जानना आपके लिए जरूरी है-

क्या करें-

- हमेशा पूरा बिल एक बार में ही भरने का प्रयास करें।

कितनी लिमिट करें खर्च

- यदि कार्ड की लिमिट 50 हजार है तो पूरा खर्च करना सही नहीं है। इससे क्रेडिट स्कोर पर असर पड़ सकता है।
- **सही अनुपात :** लिमिट का 30%-40% तक उपयोग करें

महंगा पड़ सकता है एटीएम से कैश निकालना

- Credit Card से कैश विड्रॉल सुविधा होती है। आपातकालीन स्थिति के अतिरिक्त एटीएम से नकदी निकालने से बचना चाहिए।
- कैश एडवांस फ्री लग सकता है। इंट्रस्ट तुरंत शुरू हो सकता है। रिवार्ड बेनेफिट्स नहीं मिलते हैं। कैश की जरूरत हो तो कोई अन्य विकल्प चुनें।

रिवार्ड के चक्कर में ज्यादा खर्च न करें

- पहले जरूरत देखें, रिवॉर्ड बाद में। क्योंकि अक्सर नए लोग कैशबैक और रिवार्ड ऑफर के चक्कर में जरूरत से ज्यादा खच कर बैठते हैं। बाद में बिल चुकाना भारी लगता है और शुरू हो जाता है भारी ब्याज और पेनाल्टी का चक्कर।
- Due Date भूलना सबसे महंगा साबित हो सकता है। एक दिन की देरी भी नुकसान कर सकती है। इसलिए ड्यू डेट से तीन दिन पहले ही जमा कर दें बिल।

क्रेडिट कार्ड से क्यों फंसते हैं लोग

- जब आप स्वैप करते हैं तो पैसा तुरंत नहीं जाता। ऐसे में लोग जरूरत से ज्यादा खर्च कर बैठते हैं। बाद में बिल आता है, तब लगता है जोर का झटका।
- **मिनिमम ड्यूज भरना :** राहत नहीं, जाल है। बिल में दो रकम दिखती हैं। 1-टोटल अमाउंट ड्यू और 2-मिनिमम अमाउंट ड्यू ...बहुत लोग सोचते हैं कि अभी मिनिमम भर देते हैं, बाकी बाद में।
- **मिनिमम ड्यू** भरते हैं, तो बाकी रकम पर भारी ब्याज लग सकता है। कई बार ब्याज दरें बहुत ऊंची होती हैं।

काम की बात

- Credit Card एक शानदार सुविधा है। यदि अनुशासित रहते हुए उपयोग करेंगे तो सुविधा होगी। इसके विपरीत जरा सी चूक से कर्ज और तनाव बढ़ने के साथ ही क्रेडिट स्कोर गिर सकता है। जबकि सही उपयोग से अच्छा credit score बनता है। भविष्य में लोन मिलना आसान हो सकता है और कैशबैक रिवार्ड भी मिलते हैं। असल में यह सिर्फ पेमेंट सुविधा है, इनकम नहीं। इसलिए सुविधा का उपयोग करें मगर ध्यान से।

आयोजन | 20 से अधिक स्टार्टअप ने निवेशकों के सामने रखे अपने नवाचार प्रोजेक्ट

भारत वेंचर्स शिखर सम्मेलन में स्टार्टअप ने पेश किए नए समाधान

जयपुर, एजेंसी

जयपुर में आयोजित भारत वेंचर्स शिखर सम्मेलन में शनिवार को स्टार्टअप ने सूचना एवं प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा, बैंकिंग, वित्त और परिवहन क्षेत्रों में नए समाधान पेश किए। कार्यक्रम में 20 से अधिक स्टार्टअप ने निवेशकों के सामने अपने नवाचार के बारे में बताया।

कार्यक्रम में बैंकिंग और वित्त से जुड़े स्टार्टअप ने फिनटेक मंच, डिजिटल भुगतान समाधान, ब्लॉकचेन-आधारित सुरक्षा प्रणालियों और सूक्ष्म वित्त मॉडल पर ध्यान आकर्षित किया। इनका मकसद दक्षता को और अधिक बढ़ाना है। परिवहन क्षेत्र पर केंद्रित स्टार्टअप ने विद्युत गतिशीलता, कृत्रिम मेधा आधारित यातायात प्रबंधन और हरित परिवहन में नवाचार के बारे में बताया, जिन्हें भविष्य-उन्मुख शहरी ढांचे के लिए अहम माना जा रहा है।

भारत वेंचर शिखर सम्मेलन के दौरान फेडरेशन ऑफ यूनिकॉर्न इनोवेटिव स्टार्टअप्स एंड इंडस्ट्रीज (एफयूआईएसआई) के पदाधिकारियों का स्थापना समारोह भी हुआ, जिसमें शोधकर्ताओं, नवप्रवर्तकों और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

- भारत वेंचर के चेयरमैन डॉ. संजय खंडेलवाल बोले- भारत की आर्थिक वृद्धि के प्रमुख इंजन हैं स्टार्टअप

पोद्दार ग्रुप और एफयूआईएसआई के चेयरमैन आनंद पोद्दार ने कहा कि संस्था का लक्ष्य 10,000 स्टार्टअप को सलाह, अनुदान और ज्ञान-साझाकरण पहलों के माध्यम से सहयोग देना है। संगठन का ध्यान नवीकरणीय ऊर्जा, मीडिया तकनीक, हरित अर्थव्यवस्था और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों पर है। भारत वेंचर के चेयरमैन डॉ. संजय खंडेलवाल ने कहा कि स्टार्टअप भारत की आर्थिक वृद्धि के प्रमुख इंजन है। एफयूआईएसआई के माध्यम से निवेश, मार्गदर्शन और तकनीकी समर्थन देकर युवाओं के विचारों को वास्तविकता में बदलने का प्रयास किया जा रहा है।

'फंड ऑफ फंड्स' के दूसरे चरण के दिशा-निर्देश जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने शनिवार को स्टार्टअप के लिए 10,000 करोड़ रुपये की 'फंड ऑफ फंड्स' (एफओएफ) योजना के दूसरे चरण को लागू करने के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि इन दिशानिर्देशों में फंड जारी करने और निगरानी की व्यवस्था शामिल है, जिनका मकसद भारत के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में पूंजी प्रवाह की दक्षता में सुधार करना है। इस योजना को सेबी के साथ पंजीकृत श्रेणी-1 और श्रेणी-2 के वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) के माध्यम से लागू किया जाएगा, जो डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप में निवेश करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि इससे अनुशासित पूंजी आवंटन, निजी निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

वर्ल्ड ब्रीफ

नौका पर अमेरिकी हमले में दो की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में मादक पदार्थों को ले जा रही एक और नौका पर हमला किया जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी सेना ने यह जानकारी दी। लातिन अमेरिकी जलक्षेत्र में कथित रूप से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाली नौकाओं को नष्ट करने का अमेरिकी अभियान सितंबर की शुरुआत से जारी है और इसमें अब तक कम से कम 183 लोगों की मौत हो चुकी है। अन्य हमले कैरेबियाई सागर में किए गए हैं। सेना ने इस बात का कोई सबूत नहीं दिया है कि इनमें से किसी भी नौका पर मादक पदार्थ थे। यूएस सदर्न कमांड ने शुक्रवार को किए हमले की जानकारी देते हुए अपने पहले के बयानों को दोहराया और कहा कि उसने ज्ञात तस्करी मार्गों पर कथित मादक पदार्थ तस्करों को निशाना बनाया।

न्यूयॉर्क में परमाणु-5 विशेषज्ञों की बैठक

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्रालय के विशेष दूत आंद्रेई बेलौसोव ने कहा है कि न्यूयॉर्क में 2026 परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) समीक्षा सम्मेलन के इतर पांच परमाणु-संपन्न देशों (एन-5) के विशेषज्ञों की एक बैठक की योजना बनायी गयी है। रूसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख श्री बेलौसोव ने स्पूतनिक से बातचीत में यह पूछे जाने पर कि क्या न्यूयॉर्क में एनपीटी समीक्षा सम्मेलन के इतर परमाणु-5 प्रारूप में विशेषज्ञ स्तर के संपर्कों की योजना है, तो उन्होंने कहा, संबंधित समन्वय चल रहा है, लेकिन अभी तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि परमाणु-5 प्रारूप शुरू में एनपीटी समीक्षा प्रक्रिया के एजेंडे के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बनाया गया था। बेलौसोव ने कहा, इसलिए संधि समीक्षा सम्मेलन पांच परमाणु शक्तियों के बीच संपर्कों के लिये एक स्वाभाविक मंच है।

वैकल्पिक ईंधन की सिफारिश करेगा ईयू

मास्को। यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) कमी होने की स्थिति में मानक यूरोपीय जेट ईंधन जेट ए-1 के विकल्प के तौर पर जेट ए के इस्तेमाल की अनुमति देने के लिए सिफारिश करने पर विचार कर रहा है। नियामक ने रूस की न्यूज एजेंसी आरआईए नोवोस्ती को यह जानकारी दी। फिलहाल इन सिफारिशों को जारी करने के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं है। ईएएसए ने कहा कि ज्यादातर ईयू विमानों को जेट ए-1 और जेट ए दोनों पर उड़ान भरने के लिए प्रमाणित किया गया है और अमेरिका से आने वाली उड़ानों में इन दोनों को मिलाकर इस्तेमाल किया जा रहा है।

महारानी गायत्री देवी के सुपर कंप्यूटर की होगी नीलामी

लंदन, एजेंसी

- 17वीं शताब्दी में पीतल से बनाया गया था यह दुर्लभ कंप्यूटर

जयपुर की महारानी गायत्री देवी के संग्रह से प्राप्त 17वीं शताब्दी में पीतल से बने एक दुर्लभ खगोलीय सुपरकंप्यूटर (एस्ट्रोलैब) को अगले सप्ताह लंदन में सोथबी नीलामीघर में नीलाम किया जाएगा। बुधवार को होने वाली नीलामी में यह सुपरकंप्यूटर 'इस्लामिक जगत एवं भारत की कला' का मुख्य आकर्षण है।

इसे इस सप्ताहांत प्रदर्शित किया गया था और इसकी अनुमानित कीमत 15 से 25 लाख पौंड के बीच है। वर्ष 1612 का यह सुपर कंप्यूटर अपनी तरह का सबसे बड़ा कंप्यूटर माना जाता था और इसे लाहौर के एक मुगल रईस के लिए दो भाइयों ने बनाया था। यह जटिल उपकरण महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय के शाही संग्रह का हिस्सा था और बाद में उनकी पत्नी गायत्री देव के पास रहा और फिर निजी संग्रह में चला गया। गायत्री देवी जयपुर की राजमाता थीं।

नीलामी के विवरण में बताया गया, इसे आगा अफजल ने बनवाया था, जो मुगल साम्राज्य के एक बेहद शक्तिशाली सरदार थे और उस समय सम्राट जहांगीर के अधीन लाहौर का प्रशासन संभाल रहे थे।

गेमिंग एप्स का मायाजाल: मनोरंजन की आड़ में ठगी

डिजिटल क्रांति के इस दौर में अब स्मार्टफोन संचार के साथ ही मनोरंजन के बड़े केंद्र बन चुके हैं। इसी मनोरंजन की दुनिया का एक काला पक्ष ऑनलाइन गेमिंग एप्स के रूप में उभर रहा है। गेमिंग एप्स केवल खेल तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि वे एक ऐसे संगठित जाल में बदल चुके हैं जो लोगों को बेवकूफ बनाकर मोटी कमाई कर रहे हैं। मनोरंजन के नाम पर शुरू होने वाला यह सिलसिला कब एक गंभीर लत में बदल जाता है, इसका अहसास तक नहीं होता। यह ठगी केवल बैंक खातों से पैसे साफ करने तक सीमित नहीं है, यह आपके निजी डेटा की चोरी, बैंकिंग विवरणों के साथ खिलवाड़ और आपकी मानसिक शांति को पूरी तरह से दांव पर लगा रही है। लोग अमीर बनने के लालच में अपनी जीवन भर की जमा-पूंजी इन खेलों में झोंक रहे हैं।

कैसे काम करते हैं गेमिंग एप्स

- भ्रामक विज्ञापन और सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट : बड़े-बड़े सितारे इन एप्स को प्रमोट करते हैं, जिससे इनकी विश्वसनीयता बढ़ जाती है। टीवी और सोशल मीडिया पर करोड़पति बनो जैसे विज्ञापन युवाओं को आकर्षित करते हैं।
- डेटा की सेंधमारी : गेम इंस्टॉल करते समय ये एप्स संपर्कों, लोकेशन और गैलरी तक की एक्सेस मांगते हैं। यह डेटा बाद में डार्क वेब पर बेचा जाता है या ब्लैकमेलिंग के लिए इस्तेमाल होता है।
- बैंकिंग डिटेल्स का जाल : डिपॉजिट और विथड्रॉल के नाम पर आपकी बैंकिंग डिटेल्स ली जाती हैं। कई फर्जी एप्स पैसा जमा होने के बाद अकाउंट ब्लॉक कर देते हैं या सर्वर डाउन का बहाना बनाकर गायब हो जाते हैं।

सरकारी नियम और नियंत्रण के उपाय

- ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025 : सरकार ने 'प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025' पेश किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य रियल मनी गेम्स पर लगाम लगाना है।
- रियल मनी गेम्स पर प्रतिबंध : लोकसभा में पारित नए बिल के अनुसार, अब पैसों वाले खेलों को पूरी तरह प्रतिबंधित या बेहद कड़ा विनियमित करने का प्रावधान है।
- भारी जुर्माना और सजा : अवैध गेमिंग एप चलाने या प्रमोट करने पर 3 साल तक की जेल और एक करोड़ तक के जुर्माने का नियम है।
- टैक्स व्यवस्था : सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग पर 28% जीएसटी लागू किया है ताकि इसकी अनियंत्रित वृद्धि को रोका जा सके।
- ब्लॉकिंग की शक्ति : आईटी मंत्रालय के पास अब उन सभी एप्स और वेबसाइटों को ब्लॉक करने का अधिकार है जो नियमों का उल्लंघन करती हैं।

साइबर कानून, आंकड़े

- धारा 66डी : संचार उपकरण का उपयोग करके धोखा देने पर सजा का प्रावधान।
- धारा 420 : धोखाधड़ी से संपत्ति हड़पने के मामलों में लागू होती है।
- भारत में पिछले 24 महीनों में ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड से लगभग 20,000 करोड़ सालाना का नुकसान हुआ है। कर्नाटक में 31 महीनों में कर्ज के कारण 32 आत्महत्याएं हुईं।

जिस भी देश में आप रहते हैं उसके प्रति पूरा वफादार बनें : होसबाले

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह ने भारतीय प्रवासियों को दिया संदेश

वाशिंगटन, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि विदेशों में बसे भारतीय प्रवासियों को उस देश के प्रति पूरी तरह वफादार रहना चाहिए जहां वर्तमान में वे रह रहे हैं। होसबाले ने कहा कि विदेशों में बसे भारतीय न सिर्फ अपने वर्तमान देश का बेहतर नागरिक बनने का प्रयास करें बल्कि यह भी सिद्ध करें कि हिंदू समाज स्थानीय जीवन के हर क्षेत्र में-चाहे वह नेतृत्व हो, समाजसेवा हो या कोई और दायित्व-सार्थक योगदान देने में सक्षम है।

अमेरिका की यात्रा पर आए होसबाले ने कहा कि यहां उनकी बातचीत का केंद्र मुख्यतः संघ के बारे में फैली भ्रांतियों को दूर करना रहा। उन्होंने कहा कि पिछले कई दशकों से संघ के विरुद्ध जारी दुष्प्रचार के कारण अमेरिकियों के मन में इस सौ साल पुराने संगठन की एक विकृत छवि बन गई है। होसबाले ने कहा कि इन तमाम वर्षों में संघ इस विश्वास के साथ चुपचाप काम करता रहा कि हमारा काम ही हमारा संदेश है। लेकिन अब हमने सोचा कि लोगों तक सीधे पहुंचना बेहतर होगा। हमारा संदेश अब कार्यों से ही नहीं बल्कि हमारी कथनी से भी लोगों तक पहुंचना चाहिए।

होसबाले पिछले हफ्ते ब्रिटेन के दौरे के बाद अमेरिका पहुंचे। ब्रिटेन में उन्होंने शैक्षणिक जगत, विचारकों, नीति विशेषज्ञों और भारतीय प्रवासी समुदाय के विभिन्न वर्गों से मुलाकात की। यह सब संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे संपर्क अभियान का हिस्सा है। संघ के सरकार्यवाह ने कहा कि संगठन के बारे में, खासतौर पर पश्चिमी देशों में कई भ्रांतियां फैली हुई हैं, जहां संघ को हिंदू वर्चस्ववादी संगठन के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि यह दुष्प्रचार दशकों से चला आ रहा है कि संघ हिंदू वर्चस्ववादी है, अल्पसंख्यक विरोधी है, महिला विरोधी है- ऐसी तमाम भ्रांतियां फैलाई गई हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका यात्रा का मकसद इन्हीं भ्रांतियों को दूर करना है।

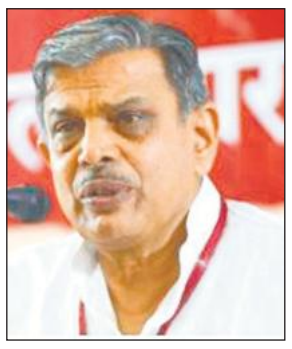

अमेरिका में बसे भारतीय अच्छे नागरिक बनें मेहनत करके स्थानीय लोगों का दिल जीते

अमेरिका में बसे भारतीय प्रवासियों को होसबाले ने संदेश दिया कि वे अच्छे नागरिक बनें, मेहनत से स्थानीय लोगों का दिल जीतें और यह साबित करें कि हिंदू समाज हर क्षेत्र में योगदान और नेतृत्व देने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि संघ का मानना है कि जो भारतीय यहां अपना करियर बनाने आए हैं- चाहे शैक्षणिक क्षेत्र में हो या किसी और में, उन्हें इस देश के प्रति वफादार रहना चाहिए क्योंकि यहीं से उनकी रोजी-रोटी चलती है। उन्हें यहां बेहतर नागरिक बनना चाहिए और यह दिखाना चाहिए कि हिंदू जहां भी जाते हैं, वहां के समाज में योगदान देते हैं - नेतृत्व करते हैं और उस देश के राष्ट्र-निर्माण में भागीदार बनते हैं।

भारत के साथ हिंदू संस्कृति के बारे में फैली भ्रांतियों को दूर किया जाए शताब्दी वर्ष में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सामने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

शताब्दी वर्ष में संघ के सामने एक अहम जिम्मेदारी यह भी है कि भारत और हिंदू संस्कृति के बारे में फैली भ्रांतियों को दूर किया जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि संघ किन मूल्यों के लिए खड़ा है। होसबाले ने कहा कि भारत और हिंदू संस्कृति के बारे में जो आख्यान गढ़ा गया है, वह दशकों से-देश के भीतर भी और बाहर भी-विकृत रहा है। इसे सुधारना जरूरी है। उन्होंने कहा कि संघ की पृष्ठभूमि से नहीं आने वाले भी बड़ी संख्या में लोग भारत और हिंदू संस्कृति की सही तस्वीर पेश करने में जुटे हैं। समाज में इन्हीं बातों को फैलाने की जरूरत है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां संघ और अधिक ध्यान देना चाहता है।

पश्चिम बंगाल में गेहूं घोटाले में ईडी ने की छापेमारी

नई दिल्ली। ईडी ने पश्चिम बंगाल में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत गेहूं घोटाले से जुड़े मामले में कोलकाता, बर्दवान और हाबरा स्थित नौ ठिकानों पर तलाशी ले रही है। यह कार्रवाई निरंजन चंद्र साहा और अन्य आरोपियों से जुड़े आपूर्तिकर्ताओं तथा निर्यातकों के परिसरों पर की जा रही है। ईडी ने यह जांच धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत शुरू की है, जो पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा बशीरहाट थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की गयी है। यह मामला घोजाडांगा भूमि सीमा शुल्क केंद्र के उप आयुक्त की शिकायत पर दर्ज हुआ था, जिसमें कल्याणकारी योजनाओं के लिए निर्धारित गेहूं की बड़े पैमाने पर हेराफेरी का आरोप लगाया गया था। जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से लाभार्थियों के लिए निर्धारित गेहूं को अवैध रूप से आपूर्ति श्रृंखला से बाहर निकालकर कम कीमत पर प्राप्त किया और फिर उसे खुले बाजार में ऊंची कीमत पर बेच दिया।

बांग्लादेश में आतंकी हमले की आशंका, अलर्ट जारी

ढाका, एजेंसी

- पुलिस ने की राष्ट्रव्यापी सुरक्षा अलर्ट की घोषणा

बांग्लादेश पुलिस ने शनिवार को संसद परिसर समेत प्रमुख प्रतिष्ठानों पर संभावित आतंकवादी हमलों के मद्देनजर राष्ट्रव्यापी सुरक्षा अलर्ट की घोषणा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस मुख्यालय के एक अधिकारी ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया, खुफिया रिपोर्ट के आधार पर अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारी ने अलर्ट को अत्यावश्यक और गोपनीय बताया।

बांग्ला दैनिक 'प्रथम आलो' की खबर के अनुसार, पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक पत्र में संसद परिसर, इबादत स्थलों, मनोरंजन स्थलों और सैन्य एवं पुलिस प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर संभावित समन्वित हमलों की चेतावनी दी गई है, जिनमें शस्त्रागारों को संभावित लक्ष्य माना जा रहा है। 'डेली स्टार' और अन्य समाचार पत्रों की खबर के मुताबिक, प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के एक सदस्य इस्तियाक अहमद सामी उर्फ अबू बक्र की हालिया गिरफ्तारी के बाद अलर्ट जारी किया गया था। बक्र, कथित तौर पर दो बर्खास्त सैन्य कर्मियों के संपर्क में था। खबरों के अनुसार, पत्र में संभावित हमलों के पीछे दो कथित प्रमुख षड्यंत्रकारियों के नाम भी शामिल थे। हालांकि, किसी संगठन का नाम नहीं लिया गया।

पत्र में संदिग्ध हमलावरों को 'देश की समग्र सुरक्षा के लिए बेहद खतरनाक' बताया गया है। कानून लागू करने वाले अधिकारियों के हवाले से समाचार पोर्टल 'टीबीएसन्यूज डॉट नेट' ने बताया कि आतंकवादी समूह हमले करने के लिए कई तरीके अपना सकता है। पुलिस मुख्यालय ने अपराध जांच विभाग (सीआईडी), विशेष शाखा और आतंकवाद रोधी एवं अंतर्राष्ट्रीय अपराध इकाई सहित विशेष पुलिस इकाइयों को सतर्कता बढ़ाने का निर्देश दिया है, जबकि देश भर की पुलिस को हाई अलर्ट पर रहने को कहा गया है।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, दो श्रमिकों की मौत

थेनी। थेनी जिले में कुंबम के पास शनिवार को एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए एक शक्तिशाली विस्फोट में दो श्रमिकों की मौत हो गई। यह हादसा कट्टपल्लीवासल रोड पर स्थित एक पटाखा निर्माण इकाई में हुआ। मुथुलक्ष्मी के स्वामित्व वाली यह इकाई चुनाव की वजह से अवकाश के कारण चार दिनों से बंद थी और शनिवार सुबह ही फिर से खुली थी। विस्फोट तब हुआ जब सूर्या और दिनेश उर्फ दीना नामक दो श्रमिकों ने उस कमरे का दरवाजा खोला जहां कच्चा माल और रसायन रखे हुए थे। विस्फोट से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

नहीं बढ़ेगी रूस और ईरान से तेल खरीदारी की अवधि

- अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने किया दावा

वाशिंगटन। अमेरिका, रूस और ईरान से तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की खरीदारी के लिए दी गई छूट की अवधि को नहीं बढ़ाएगा। यह बात अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कही। उन्होंने कहा, ईरानियों के लिए नहीं... हमने नाकेबंदी कर रखी है और वहां से कोई तेल बाहर नहीं आ रहा है। हमें लगता है कि अगले दो-तीन दिनों में उन्हें अपना उत्पादन बंद करने की प्रक्रिया शुरू करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि वह रूस से पेट्रोलियम पदार्थों की खरीदारी के लिए दी गयी छूट को एक बार फिर बढ़ाने की कल्पना भी नहीं कर सकते। अमेरिका के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने मार्च में आम लाइसेंस जारी किए थे, जिनके तहत रूस और ईरान के उस तेल से जुड़े सभी लेन-देन को मंजूरी दी गयी थी, जो क्रमशः 11 अप्रैल और 19 अप्रैल तक जहाज़ों पर लादा जा चुका था। एनबीसी न्यूज़ ने 21 मार्च को अपनी रिपोर्ट में कहा था कि इससे ईरान को 14 अरब डॉलर से ज़्यादा की कमाई हो सकती है। बेसेंट ने हालांकि बाद में इस अनुमान को मनगढ़ंत बात कहकर खारिज कर दिया था। अमेरिका के वित्त विभाग ने 14 अप्रैल को कहा था कि वह ईरान के तेल पर लगी पाबंदियों में दी गयी छूट की समय-सीमा को खत्म होने देगा।

ईरान के तेल नेटवर्क और चीनी रिफाइनरी पर अमेरिकी प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के ऊर्जा और समुद्री नेटवर्क पर प्रतिबंधों को और कड़ा करते हुए इकोनॉमिक फ्यूरी अभियान के तहत नई कार्रवाई की घोषणा की है। अमेरिका ने चीन स्थित हेंगली पेट्रोकेमिकल रिफाइनरी सहित लगभग 40 शिपिंग कंपनियों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाए हैं। इन पर ईरानी तेल के निर्यात में मदद करने का आरोप है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, हेंगली रिफाइनरी ईरानी कच्चे तेल की बड़ी खरीदार रही है और इसने अरबों डॉलर के तेल उत्पाद खरीदकर ईरान की ऊर्जा आय को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्रवाई में ईरान के तथाकथित शैडो फ्लीटको भी निशाना बनाया गया है, जिसमें ऐसे टैंकर शामिल हैं जो प्रतिबंधों के बावजूद गुप्त रूप से तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन करते हैं।

ईरान ने फिर शुरू कीं अंतर्राष्ट्रीय विमान सेवाएं

तेहरान। ईरान ने 28 फरवरी से बंद अपनी अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक उड़ानों को फिर से शुरू कर दिया है। यह कदम अमेरिकी हमलों के कारण लगभग दो माह तक हवाई क्षेत्र में बाधा के बाद उठाया गया है। ईरानी नागरिक उड्डयन संगठन ने शनिवार को पुष्टि की कि मदीना और इस्तांबुल सहित प्रमुख स्थलों के लिए उड़ानें शुरू हो गई हैं।

माली में राजधानी और कई शहरों में गोलीबारी

बामाको, एजेंसी

- आतंकी समूहों ने कुछ स्थानों और बैरकों को बनाया निशाना

माली की राजधानी बामाको और अन्य शहरों में शनिवार सुबह बंदूकधारियों ने कई स्थानों पर हमले किये। अधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने यह जानकारी दी। माली की सेना ने एक बयान में कहा कि अज्ञात सशस्त्र आतंकवादी समूहों ने राजधानी में कुछ स्थानों और बैरकों को निशाना बनाया।

सैनिक फिलहाल हमलावरों से निपटने में लगे हुए हैं। माली की राजधानी बामाको में स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास शनिवार सुबह गोलीबारी की आवाज सुनी गई।बामाको में मौजूद एक पत्रकार ने सिटी सेंटर से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित मोदिबो कीता अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगातार गोलीबारी की आवाज सुनी, और साथ ही हवाई अड्डे के आसपास एक हेलीकॉप्टर को गश्त करते देखा। यह हवाई अड्डा माली वायुसेना द्वारा उपयोग किए जाने वाले एक एयर बेस के निकट स्थित है। हवाई अड्डे के पास रहने वाले एक निवासी ने इलाके में गोलियों की आवाज सुनाई देने की जानकारी दी। उसने बताया कि आसमान में तीन हेलीकॉप्टर भी गश्त करते दिखाई दे रहे हैं। माली के अन्य शहरों के निवासियों ने भी शनिवार सुबह गोलीबारी और विस्फोटों की सूचना दी, जिससे सशस्त्र समूहों द्वारा समन्वित हमले की आशंका जताई गई। किदाल के पूर्व महापौर ने बताया कि बंदूकधारी शहर में घुस गए और कुछ इलाकों पर कब्जा कर लिया, जिसके परिणामस्वरूप सेना के साथ उनकी मुठभेड़ हुई है।

किंग चार्ल्स तृतीय से ईरान-नाटो मुद्दे पर चर्चा करेंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय के अमेरिका के दौरे पर उनके साथ नाटो और ईरान के खिलाफ अमेरिकी अभियान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। ट्रंप ने एक न्यूज एजेंसी को फ़ोन पर बताया, मैं हर चीज़ के बारे में बात करूँगा। वे मेरे दोस्त हैं, और वे बहुत अच्छे इंसान हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन का डिजिटल सेवा कर भी चर्चा के विषयों में शामिल होगा। गौरतलब है कि बकिंघम पैलेस ने 31 मार्च को घोषणा की थी कि किंग चार्ल्स तृतीय और रानी कैमिला अप्रैल में अमेरिका की राजकीय यात्रा पर जाएँगे। ट्रंप ने बताया कि ब्रिटेन का शाही जोड़ा 27 से 30 अप्रैल के बीच अमेरिकी दौरे पर रहेगा। सोमवार से शुरू हो रही किंग चार्ल्स की चार-दिवसीय राजकीय यात्रा, ब्रिटेन से अमेरिका की आज़ादी की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर होगी।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज आप तेजी से निर्णय लेने की कोशिश करेंगे, लेकिन हर स्थिति में जल्दबाजी सही नहीं होगी। थोड़ा रुककर सोचना बेहतर रहेगा।	तुला — आज मित्रों और संपर्कों से लाभ मिलने के संकेत हैं। किसी के साथ मिलकर किया गया काम सफल हो सकता है।
वृष — आज घर और निजी जीवन से जुड़ी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। काम और परिवार के बीच संतुलन बनाना जरूरी रहेगा।	वृश्चिक — आज काम को लेकर जिम्मेदारी बढ़ सकती है। आपको खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। धैर्य और मेहनत से सफलता मिल सकती है।
मिथुन — आज बातचीत और संपर्क आपके लिए अवसर लेकर आएंगे। किसी से हुई चर्चा आगे चलकर लाभ दे सकती है। अपनी बात स्पष्ट तरीके से रखें।	धनु — आज आपका नजरिया सकारात्मक रहेगा। कुछ नया सीखने या समझने का मौका मिल सकता है। दिन आपके लिए प्रगति का संकेत दे रहा है।
कर्क — आज धन और खर्च को लेकर सजग रहना होगा। अनावश्यक खर्च से बचें और जरूरी कामों को प्राथमिकता दें।	मकर — आज थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। किसी बात को लेकर मन अस्थिर हो सकता है। जल्दबाज़ी में निर्णय लेने से बचें।
सिंह — आज आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और आप अपने फैसलों पर टिके रहेंगे। कोई नया काम शुरू करने का मन बन सकता है।	कुंभ — आज संबंधों और सहयोग पर ध्यान देना जरूरी रहेगा। किसी के साथ मिलकर काम करने से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।
कन्या — आज थोड़ा शांत रहकर काम करना बेहतर रहेगा। हर बात में प्रतिक्रिया देने से बचें। अपने काम पर ध्यान देंगे तो बेहतर परिणाम मिलेंगे।	मीन — आज काम का दबाव बढ़ सकता है और आपको लगातार सक्रिय रहना पड़ेगा। सही प्राथमिकता तय करेंगे तो दिन आपके पक्ष में रहेगा।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

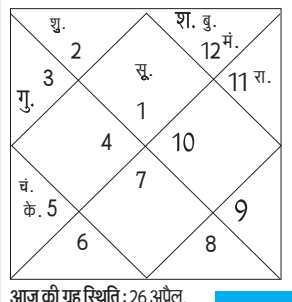

आज की ग्रह स्थिति : 26 अप्रैल, रविवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष- शुक्ल पक्ष, दशमी 18 .06 तक तत्पश्चात एकादशी।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**- ग्रीष्म।

चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-मघा 08 .27 तक तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी।

सुडोकू - 130 का हल

1	9	3	8	5	6	7	4	2
6	5	8	4	7	2	9	1	3
2	4	7	9	1	3	5	6	3
9	1	4	3	8	5	2	7	6
8	2	6	7	4	1	3	9	5
7	3	5	2	6	9	1	8	4
5	6	9	1	3	8	4	2	7
3	7	1	6	2	4	8	5	9
4	8	2	5	9	7	6	3	1

सुडोकू -131

	6							2
9		1				8		
		2			1			
		5			6		3	
	7				8		2	
	1					6		
1			6			9		
8						2		6
4					2		7	

यूक्रेन के निप्रो में रूसी हमलों में चार नागरिक मारे गए

कीव। यूक्रेन के निप्रो शहर पर रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों में कम से कम चार लोग मारे गए और 21 घायल हो गए। निप्रॉपेत्रोवस्क के क्षेत्रीय प्रमुख अलेक्ज़ेंडर गैंज़ा ने कहा कि रात भर हुए हमलों में नष्ट हुए एक घर के मलबे में चार शव मिले। उन्होंने कहा कि मलबे में और भी लोग दबे हो सकते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि रूसी हमले के बाद निप्रो के अस्पतालों में 11 लोग भर्ती हैं। वहीं, रूस के बेलगोरोद सीमावर्ती क्षेत्र में ड्रोन हमले में एक महिला की मौत हो गई।

बयान — पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज नरवणे ने विवाद में अपना नाम घसीटने पर जताई आपत्ति

अप्रकाशित पुस्तक के लिए मेरा हवाला देना उचित नहीं था

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज नरवणे ने अपने अप्रकाशित संस्मरण 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' को लेकर इस साल की शुरुआत में हुए विवाद के संदर्भ में कहा है कि अनावश्यक रूप से उनका हवाला देना और पुस्तक के लिए उन्हें सुर्खियों में लाना उचित नहीं था।

जनरल नरवणे ने कहा कि वह उस विवाद से आगे बढ़ चुके हैं और तब से दो पुस्तकें लिख चुके हैं तथा तीसरी पुस्तक जल्द आने वाली है। उन्होंने हाल में अपनी पुस्तक 'द क्यूरियस एंड द क्लासीफाइडः अनअर्थिंग मिलिट्री मिथ्स एंड मिस्ट्रीज' का विमोचन किया था। नरवणे ने कहा कि रक्षा मंत्रालय ने प्रकाशक से कहा था कि जब तक पुस्तक का निरीक्षण न हो जाए, इसे रोककर रखा जाए। जहां तक मेरा सवाल है, मामला वहीं खत्म हो गया था और मैं आगे बढ़ चुका हूं... इसलिए वह अध्याय बंद हो चुका है। मुझे लगता है कि अनावश्यक रूप से मेरा हवाला देना और अप्रकाशित पुस्तक को एवं परोक्ष रूप से मुझे भी सुर्खियों में घसीटना उचित नहीं था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इस साल फरवरी में लोकसभा में इस संस्मरण के अंशों का उल्लेख करने से रोक दिया गया था, क्योंकि यह अभी प्रकाशित नहीं हुआ है। रूपा पब्लिकेशंस द्वारा प्रकाशित नरवणे की हालिया पुस्तक 'द क्यूरियस एंड द क्लासीफाइडः अनअर्थिंग मिलिट्री मिथ्स एंड मिस्ट्रीज' में भारतीय थलसेना, नौसेना और वायु सेना से जुड़े किस्सों, कहानियों और रोचक पहलुओं का जिक्र किया गया है। नरवणे ने अपनी पुस्तक में बताया है कि सैन्य अभिवादन 'जय हिंद' को अपनाए जाने की शुरुआत कैसे हुई।

वायुसेना ने किया सबसे पहले जयहिंद का इस्तेमाल

जनरल नरवणे ने कहा कि 'जय हिंद' का इस्तेमाल सबसे पहले भारतीय वायु सेना ने किया और बाद में थलसेना एवं नौसेना ने भी इसे अपनाया। उन्होंने कहा कि सलामी देने की मानक प्रथा मूल रूप से मौन रहना थी और विभिन्न रेजिमेंट ने 'सत श्री अकाल' या 'राम राम' जैसे अभिवादन के अपने-अपने तरीकों को जोड़ा। नरवणे ने कहा कि शुरुआत में 'जय हिंद' कहना वायु सेना ने शुरू किया था और अब हम तीनों सेनाओं में इसका पालन करते हैं। सलामी के साथ हम जय हिंद कहते हैं और व्याख्यानों में भी जय हिंद कहकर अभिवादन करते हैं।

विकेट को देखते हुए, अगर आप अपने बॉलर्स को सपोर्ट नहीं करते हैं और इतने सारे मौके गंवाते रहते हैं, तो मुझे लगता है कि हम हारने के लायक थे। यही मेन पॉइंट है। यह एक अच्छी पिच और छोटा ग्राउंड था, इसलिए छक्के तो लगने ही थे।
–अक्षर पटेल, दिल्ली के कप्तान

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 26 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

रनों की बारिश में पंजाब ने रचा इतिहास

आईपीएल-2026 : दिल्ली कैपिटल्स के 265 रनों के विशाल लक्ष्य को आसानी से किया हासिल

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 रनों का लक्ष्य हासिल कर इतिहास रच दिया है। पंजाब की टीम अब सिर्फ आईपीएल में ही नहीं बल्कि टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ा टारगेट हासिल करने वाली टीम बन गई है। पंजाब की जीत के हीरो सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और कप्तान श्रेयस अय्यर रहे। प्रभसिमरन सिंह ने 26 गेंदों पर 76 रनों की धमाकेदार पारी खेल पंजाब को धमाकेदार शुरुआत दिलाई। इसके बाद अय्यर ने 36 गेंदों पर नाबाद 71 रन बनाए। करुण नायर ने अय्यर के दो कैच छोड़े जो मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुए।

प्रभसिमरन ने पहले विकेट के लिए प्रियांश आर्य के साथ 42 गेंदों में 128 रन की साझेदारी कर पंजाब को तेज शुरुआत दिलाई। तीन गेंदों के अंदर करुण नायर से मिले दो आसान जीवनदान का फायदा उठाते हुए अय्यर ने चौथे विकेट के लिए नेहाल वढेरा (25) के साथ 31 गेंदों में 51 और पांचवें विकेट के लिए शशांक सिंह (नाबाद 19) के साथ 26 गेंदों में 64 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी।

'प्लेयर ऑफ द मैच' प्रभसिमरन ने 26 गेंदों की पारी में नौ चौके और पांच छक्के लगाए, जबकि अय्यर ने 36 गेंदों की पारी में तीन चौके और सात छक्के जड़े। राहुल ने नीतीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 96 गेंदों में 220 रन की साझेदारी कर जिससे कैपिटल्स ने आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। आईपीएल में अपने छठे शतक के दौरान राहुल ने 67 गेंदों की पारी में 16 चौके और नौ छक्के लगाए, जबकि राणा ने 44 गेंदों की पारी में 11 चौके और चार छक्कों की मदद से 91 रन बनाए। दोनों की 220 रन की साझेदारी आईपीएल की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड विराट कोहली और एबी डिविलियर्स के नाम है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की इस जोड़ी ने गुजरात लायंस के खिलाफ 2016 में दूसरे विकेट के लिए 229 रन की साझेदारी की थी। राहुल का यह स्कोर किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा आईपीएल में सबसे बड़ा, जबकि ओवरऑल तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। उन्होंने 226 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रियांश आर्य ने पहले ही ओवर में अजमतुल्लाह उमरजई की गेंद पर छक्का जड़कर तेवर दिखाए, वहीं प्रभसिमरन ने ओवर का अंत छक्के से किया। इस जोड़ी ने मुकेश कुमार के दूसरे ओवर से 21 और अक्षर पटेल के तीसरे ओवर से 20 रन बटोरे। तीसरे ओवर के दौरान दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी के सिर और कंधे में गंभीर चोट लगने के बाद उन्हें एंबुलेंस की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया। प्रभसिमरन ने चौथे ओवर में तीन छक्के लगाए, जबकि आर्य ने भी इस ओवर में एक छक्का लगाकर कुल 27 रन बटोरे। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

दिल्ली कैपिटल्स

264/2 (20 ओवर)

पथुम निसंका का प्रभसिमरन बो अर्शदीप	11
लोकेश राहुल नाबाद	152
नीतीश राणा का अय्यर बो बार्टलेट	91
डेविड मिलर नाबाद	03

अतिरिक्त :07, **विकेट पतन** : 1-28, 2-248, **गेंदबाजी** : अर्शदीप 4-0-49-1, बार्टलेट 4-0-69-1, यानसेन 4-0-44-0, वैशाख 3-0-48-0, चहल 4-0-42-0, स्टोइनिस 1-0-11-0

152 रन केएल राहुल का आईपीएल में सर्वाधिक रनों का व्यक्तिगत रिकॉर्ड है, उन्होंने ऋषभ पंत के 128 रन का रिकॉर्ड तोड़ा

पंजाब किंग्स

265/4 (18.5 ओवर)

प्रियांश आर्य का रिजवी बो अक्षर	43
प्रभसिमरन सिंह पगबाधा कुलदीप	76
कूपर कोनोली बो कुलदीप	17
श्रेयस अय्यर नाबाद	71
नेहाल वढेरा का नायर बो निगम	25
शशांक सिंह नाबाद	19

अतिरिक्त :14, **विकेट पतन** : 1-126, 2-132, 3-145, 4-201

गेंदबाजी : औकिब नबी 2-0-41-0, मुकेश 3-0-55-0, अक्षर 4-0-44-1, नटराजन 3.5-0-54-0, कुलदीप 4-0-46-2, निगम 2-0-24-1

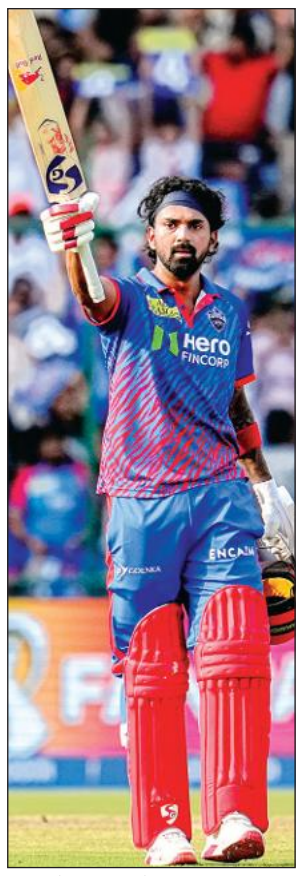

शतक के बाद दर्शकों का अभिवादन स्वीकार करते केएल राहुल। एजेंसी

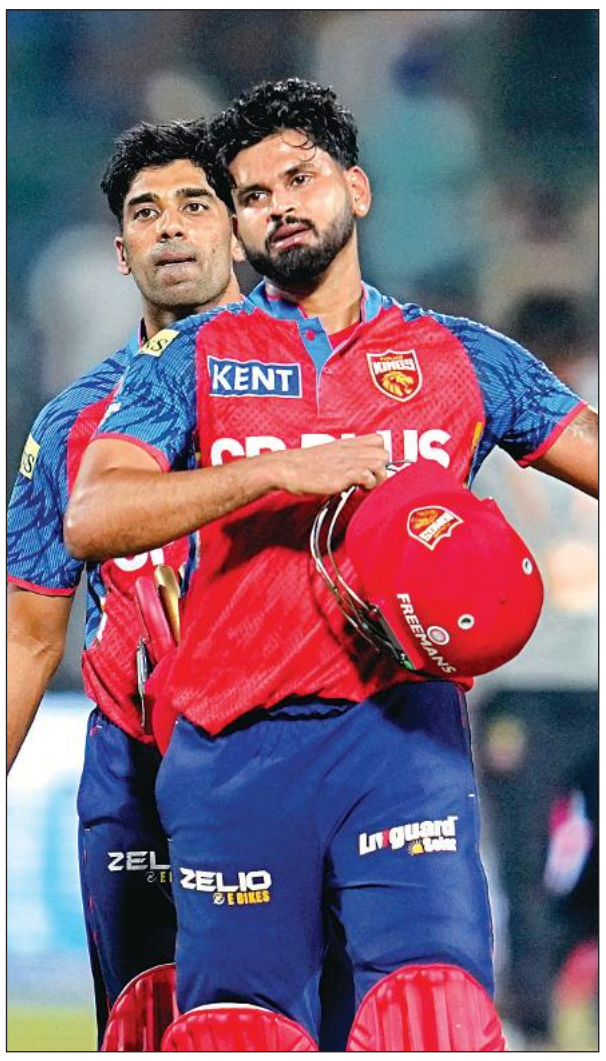

जीत दर्ज करने के बाद पैवेलिए लौटते पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर। एजेंसी

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	7	6	0	1	13	1.333
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	7	5	2	0	10	1.101
3.	सनराइज़र्स हैदराबाद	8	5	3	0	10	0.815
4.	राजस्थान रॉयल्स	8	5	3	0	10	0.602
5.	चेन्नई सुपर किंग्स	7	3	4	0	6	0.118
6.	दिल्ली कैपिटल्स	7	3	4	0	6	-0.184
7.	गुजरात टाइटंस	7	3	4	0	6	-0.790
8.	मुंबई इंडियंस	7	2	5	0	4	-0.736
9.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	7	2	5	0	4	-1.277
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	1	5	1	3	-0.879

लुंगी एंगिडी चोटिल, हालत स्थिर

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एंगिडी को दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच शनिवार को यहां आईपीएल मैच के दौरान गंभीर चोट लगने के बाद एंबुलेंस से स्थानीय अस्पताल ले जाया गया लेकिन अब उनकी हालत स्थिर है और उन्हें जल्द ही छुट्टी मिल जाएगी। जीत के लिए 265 रन का पीछा कर रही पंजाब किंग्स की पारी के तीसरे ओवर में कप्तान अक्षर पटेल की गेंद पर प्रियांश आर्या के शॉट पर मिड-ऑफ पर खड़े एंगिडी कैच लेने के लिए पीछे की ओर भागे, लेकिन गेंद का सही अनुमान नहीं लगा सके और संतुलन बिगड़ने के कारण गिर पड़े। इस दौरान उनका कंधा और सिर जोर से जमीन से टकराया। मैदान पर गिरते ही एंगिडी ने तुरंत अपना सिर पकड़ लिया और कुछ समय तक जमीन पर ही स्थिर रहे। जिसके बाद टीम के फिजियो और डॉक्टर तुरंत मौके पर पहुंचे।

आईपीएल का सर्वाधिक स्कोर

	स्कोर	टीम	प्रतिद्वंदी	तारीख
1.	287/3	सनराइजर्स हैदराबाद	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	15 अप्रैल 2024
2.	286/6	सनराइजर्स हैदराबाद	राजस्थान रॉयल्स	23 मार्च, 2025
3.	278/3	सनराइजर्स हैदराबाद	कोलकाता नाइट राइडर्स	25 मई, 2025
4.	277/3	सनराइजर्स हैदराबाद	मुंबई इंडियंस	27 मार्च 2024
5.	272/7	कोलकाता नाइट राइडर्स	दिल्ली कैपिटल्स	3 अप्रैल 2024
6.	266/7	सनराइजर्स हैदराबाद	दिल्ली कैपिटल्स	20 अप्रैल 2024
7.	265/4	पंजाब किंग्स	दिल्ली कैपिटल्स	25 अप्रैल 2026
8.	264/2	दिल्ली कैपिटल्स	पंजाब किंग्स	25 अप्रैल 2026

IPL 2026

आज के मुकाबले

गुजरात टाइटंस
बनाम
चेन्नई सुपर किंग्स
समय - दोपहर 3:30 बजे

लखनऊ सुपर जायंट्स
बनाम
कोलकाता नाइट राइडर्स
समय - शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

- अभिषेक शर्मा हैदराबाद -380 रन
- वैभव सूर्यवंशी राजस्थान-357 रन
- केएल राहुल दिल्ली-357

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई -14 विकेट
- इशान मलिंगा हैदराबाद-14 विकेट
- जोफ्रा आर्चर राजस्थान-13 विकेट

हाईलाइट

कर्नाटक की कप्तानी करने से बल्लेबाजी में मिली मदद : पडिक्कल

बेंगलुरु। शानदार फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल ने कहा कि कर्नाटक क्रिकेट टीम की कप्तानी करने और कुछ रणनीतिक बदलाव के कारण उन्हें एक संपूर्ण टी20 बल्लेबाज बनने में मदद मिली। पडिक्कल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तरफ से अर्धशतक जमाकर उसकी गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने मैच के बाद पत्रकारों से कहा निश्चित तौर पर मुझे लगता है कि कप्तान बनने से मुझे खेल के प्रति एक अलग दृष्टिकोण मिला है।

ओलंपिक पदक विजेता हॉकी खिलाड़ी गुरबख्श सिंह का निधन

चंडीगढ़। ओलंपिक हॉकी पदक विजेता गुरबख्श सिंह ग्रेवाल का यहां जीरकपुर में शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। गुरबख्श 1968 के मैक्सिको सिटी ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। उन्होंने अपने भाई बलबीर सिंह ग्रेवाल के साथ एक ही ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इस तरह से वे उन कुछ भाईयों की जोड़ी में शामिल हैं जो एक साथ ओलंपिक में खेले। गुरबख्श ने अपने खेल करियर के अलावा पश्चिमी रेलवे में खेल अधिकारी के रूप में काम किया, जहां उन्होंने राजस्थान की कई प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें रेलवे हॉकी टीम में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कोलकाता और लखनऊ के बीच मैच में कप्तानों की होगी परीक्षा

लखनऊ, एजेंसी

- दोनों कप्तान ऋषभ पंत और अजिंक्य रहाणे नहीं कर पाए अपेक्षित प्रदर्शन

कहा जाता है कि कप्तान उतना ही अच्छा होता है जितनी अच्छी उसकी टीम होती है तथा ऋषभ पंत और अजिंक्य रहाणे के लिए यह कड़वी सच्चाई साबित हो रही हैं जिनकी टीम लखनऊ सुपर जाएंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स रविवार को यहां आईपीएल के मैच में आमने-सामने होंगी।

आईपीएल 2025 के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भी केकेआर ने रहाणे को कप्तान बनाए रखकर साहसिक फैसला किया लेकिन उनकी अगुवाई में टीम इस सत्र में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। केकेआर को अपनी पहली जीत दर्ज करने में सात मैच लगे। यह जीत भी उसे सामूहिक प्रयास से नहीं बल्कि रिंकू सिंह के व्यक्तिगत प्रदर्शन की बदौलत मिली।

रहाणे ने अब तक कुछ मैच में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन वह अपेक्षित तेजी से रन नहीं बना पाए हैं जो कि इस प्रारूप में जरूरी है।

उनकी उम्र लगभग 38 वर्ष है और ऐसे में उन्हें लंबी अवधि तक टी20 टीम का कप्तान बनाए रखना इस प्रारूप की मांगों के अनुरूप नहीं लगता है। कमजोर तेज गेंदबाजी आक्रमण और स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती के नहीं चल पाने से भी रहाणे की मुश्किलें बढ़ी। यही नहीं टीम अभी तक सही संयोजन भी तैयार नहीं कर पाई है।

रचिन रविंद्र को अभी तक एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला है जबकि उनके देश न्यूजीलैंड के फिन एलन और टिम सीफर्ट के बीच बिना किसी स्पष्टता के अदला-बदली का खेल चल रहा है। रहाणे के कप्तान के रूप में कुछ फैसले भी टीम के लिए सही नहीं रहे। पिछले कुछ मैच में वह स्वयं भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे उन पर दबाव बढ़ गया है। केकेआर भले ही इकाना स्टेडियम में कुछ हद तक लय में उतरें, लेकिन उसके अभी केवल तीन अंक हैं और उसे अपने शेष सात मैचों में से कम से कम छह में जीत हासिल करनी होगी जो उसके प्रदर्शन को देखकर असंभव लगता है। एलएसजी का अभियान भी अब तक अच्छा नहीं रहा है।

ऋषभ पंत की अगुवाई वाली इस टीम ने केवल दो मैच जीते हैं और उस पर जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। लगातार चार हार और कप्तान के कई फैसलों ने स्थिति को और भी बदतर बना दिया है। पंत स्वयं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर का रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नाबाद 67 रन की पारी के बाद से उन्होंने पांच पारियों में केवल 72 रन बनाए हैं, जिसमें राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ तीन गेंदों पर शून्य पर आउट होना भी शामिल है।

सीएसके व गुजरात अपनी स्थिति मजबूत करने उतरेंगे

चेन्नई। पिछले कुछ मैचों शानदार प्रदर्शन करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ यहां होने वाले आईपीएल के मैच में अपनी लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी। दूसरी तरफ लगातार दो हार का सामना करने वाली गुजरात टाइटंस की टीम अच्छा प्रदर्शन करके अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए बेताब होगी।

सीएसके ने इस सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं की थी लेकिन इसके बाद उसने शानदार वापसी करके अपने पिछले चार मैचों में से तीन में जीत हासिल की है। इसमें मुंबई इंडियंस पर 103 रन की जीत भी शामिल है, जिसमें संजू सैमसन ने सत्र का अपना दूसरा शतक लगाया था। रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली सीएसके के अभी छह अंक हैं और वह प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए आगे किसी भी तरह की गलतियों से बचने के लिए प्रतिबद्ध होगी। सीएसके अच्छी स्थिति में नजर आ रही है।

सूर्यवंशी का आतिशी शतक बेकार राजस्थान को हैदराबाद ने हराया

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते ईशान किशन। एजेंसी

जयपुर, एजेंसी

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के 12 छक्कों की मदद से बने 103 रन की आतिशी पारी बेकार गई क्योंकि राजस्थान रॉयल्स को कई कैच टपकाने के कारण सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों शनिवार को आईपीएल मुकाबले में नौ गेंद शेष रहते पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

राजस्थान ने छह विकेट पर 228 रन का मजबूत स्कोर बनाया लेकिन उसके गेंदबाज हैदराबाद को नहीं रोक सके। हैदराबाद ने 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 229 रन बनाकर आठ मैचों में अपनी पांचवीं जीत हासिल की और तालिका में राजस्थान को अपदस्थ कर तीसरे स्थान पर पहुंच गया। दूसरी तरफ राजस्थान को आठ मैचों में तीसरी हार झेलनी पड़ी और वह चौथे स्थान पर खिसक गया। हैदराबाद की तरफ से ईशान किशन ने 31 गेंदों में 74 रन, अभिषेक शर्मा ने 29 गेंदों में 57 रन, हेनरिक क्लासेन ने 29 और नीतीश कुमार रेड्डी ने 36 रन बनाये। राजस्थान की हार का मुख्य कारण उसकी बेहद खराब फील्डिंग रही। उसके खिलाड़ियों ने कई कैच टपकाये। ध्रुव जुरेल ने पहली गेंद पर कैच छोड़ा लेकिन यह महंगा साबित नहीं हुआ। बाकी खिलाड़ियों ने ज़रूर कैच छोड़ा क्योंकि हेटमायर, जडेजा और बृजेश के कैच छोड़ने से उन्हें नुकसान हुआ। अभिषेक का कैच 4 और 30 रन पर हेटमायर और जडेजा ने छोड़ा। अभिषेक जैसे खिलाड़ियों को मौके नहीं दे सकते और आरआर को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा।

इससे पहले 15 वर्षीय सूर्यवंशी ने प्रफुल हिंगे के पारी के पहले ओवर में चार छक्के उड़ाने सहित 37 गेंदों पर 103 रन की विस्फोटक पारी में पांच चौके और 12 छक्के उड़ाए। शतक पूरा करने के बाद सूर्यवंशी 14 वें ओवर में पांचवीं गेंद पर आउट हुए। ध्रुव जुरेल ने 51 और डोनोवन फरेरा ने 33 रनों का योगदान दिया। जुरेल ने 35 गेंदों पर आठ चौके और एक छक्का लगाया जबकि फरेरा ने 16 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के उड़ाए। वैभव सूर्यवंशी बदला लेने के मूड में आए। पिछली बार जब ये दोनों टीमें मिली थीं, तो वे बिना खाता खोले आउट हो गए थे, उन्होंने पहली ही गेंद से ताबड़तोड़ शुरुआत की- पहले ओवर में प्रफुल्ल हिंगे को चार छक्के मारे। इसने राजस्थान रॉयल्स के लिए टोन सेट कर दिया, और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। 32 रन पर अनिकेत वर्मा ने सूर्यवंशी का कैच छोड़ा, जिसके बाद उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ी - उन्होंने 15 गेंदों में फिफ्टी बनाई और फिर उसे 36 गेंदों में शानदार सेंचुरी में बदल दिया।

राजस्थान रॉयल्स

228/6 (20 ओवर)

यशस्वी जायसवाल का क्लासेन बो मलिंगा	10
वैभव सूर्यवंशी पगबाधा बो हुसैन	103
ध्रुव जुरेल का अनिकेत वर्मा बो नीतिश रेड्डी	51
रियान पराग बो कमिंस	07
डोनोवन फरेरा का क्लासेन बो मलिंगा	33
हेटमायर का नीतिश रेड्डी बो हिंगे	11
रविंद्र जडेजा नाबाद	04
जोफ्रा आर्चर नाबाद	02

अतिरिक्त : 07, **विकेट पतन** : 1-40, 2-152, 3-170, 4-191, 5-214, 6-225

गेंदबाजी : हिंगे 4-0-49-1, कमिंस 4-0-27-1, मलिंगा 4-0-38-2, हुसैन 4-0-62-1, शिवांग 2-0-31-0, नीतिश रेड्डी 2-0-20-1

सनराइजर्स हैदराबाद

229/5 (18.3 ओवर)

ट्रेविस हेड का जुरेल बो आर्चर	06
अभिषेक शर्मा का आर्चर बो फरेरा	57
ईशान किशन का फरेरा बो आर्चर	74
हेनरिक क्लासेन का बिश्नोई बो ब्रिजेश	29
नीतिश कुमार रेड्डी पगबाधा बो ब्रिजेश	36
सलील अरोड़ा नाबाद	08
अनिकेत वर्मा नाबाद	01

अतिरिक्त : 18, **विकेट पतन** : 1-7, 2-139, 3-166, 4-219, 5-220, **गेंदबाजी** : आर्चर 4-0-34-2, बर्गर 3.3-0-50-0, देशपांडे 3-0-43-0, ब्रिजेश 4-0-44-2, पराग 1-0-12-0, फरेरा 1-0-14-1, रवि बिश्नोई 1-0-16-0, रविंद्र जडेजा 1-0-11-0

झटका — विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस पूरी नहीं कर पाएंगे खिताबी हैट्रिक

मौजूदा चैंपियन अल्काराज चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटे

मैड्रिड, एजेंसी

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी नहीं कर पाएंगे क्योंकि वह दाहिनी कलाई में चोट के कारण वर्ष की इस दूसरी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता से हट गए हैं। अल्काराज़ ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया कि वह रोम में होने वाले इटालियन ओपन में भी भाग नहीं लेंगे, जहां उन्होंने पिछले साल जीत हासिल की थी। स्पेन का यह खिलाड़ी इस महीने बार्सिलोना ओपन में अपने पहले दौर के मैच में जीत हासिल करने के दौरान चोटिल हो गए था और अगले दिन टूर्नामेंट से हट गए था।

उन्होंने इस सप्ताह के मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने जब सोमवार को मैड्रिड में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स समारोह में हिस्सा लिया तो उनकी कलाई में पट्टी बंधी हुई थी। उन्हें इस समारोह में विश्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। अल्काराज़ ने कहा कि चिकित्सा परीक्षणों के बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया।

उन्होंने कहा आज किए गए परीक्षणों के परिणामों के बाद हमने फैसला किया है कि सबसे समझदारी भरा कदम सतर्क रहना तथा रोम (इटालियन ओपन) और रोलां गैरां (फ्रेंच ओपन) में भाग नहीं लेना है। यह मेरे लिए मुश्किल समय है लेकिन मुझे विश्वास है कि मैं और मजबूत होकर वापसी करूंगा। अल्काराज़ ने इस साल के शुरू में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर सत्र की शानदार शुरुआत की थी। इसके साथ ही वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए थे। उसके बाद से उन्होंने केवल एक ही खिताब जीता है।

उन्होंने फरवरी में दोहा में जीत हासिल की थी। इस महीने की शुरुआत में उन्हें मोंटे कार्लो के फाइनल में यानिक सिनर से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत से सिनर फिर से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बन गए थे।

सिनर को उम्मीद है कि अल्काराज जल्द ही वापसी करेंगे

यानिक सिनर को उम्मीद है कि अल्काराज़ जल्द ही वापसी करेंगे। उन्होंने मैड्रिड ओपन में पहले दौर की जीत के बाद कहा टेनिस को कार्लोस की जरूरत है। उनके होने से टेनिस का खेल और भी बेहतर हो जाता है। मुझे उम्मीद है कि वह जल्द वापसी करेंगे। मुझे लगता है कि उनका अगला लक्ष्य विंबलडन (जून में) है, और मैं यही उम्मीद करता हूं। इसलिए मुझे उम्मीद है कि वह विंबलडन में वापसी करेंगे। इटालियन ओपन पांच मई से और फ्रेंच ओपन 18 मई से शुरू होगा।